नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 25 मई 2025 रविवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 8 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1963: अफ्रीकी देशों को एकजुट करने के इरादे से 32 देशों ने अफ्रीकी संघ का गठन किया।
1998: यूरोपीय संघ के सदस्य देश परमाणु परीक्षणों के कारण भारत पर प्रतिबंध न लगाने के लिए सहमत हुए।
2008: नासा द्वारा भेजा गया रोबॉट आज ही के दिन मंगल ग्रह पर उतरा।
2013: जापान के युइशिरो मिडरा ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का रिकार्ड बनाया।
1985 : बांग्लादेश में आए तूफान में 10 हजार लोगों की मौत हुई।

नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ में जेजेएमपी सुप्रीमो समेत दो नक्सली ढेर

मृत नक्सली पप्पू लोहरा पर 10 लाख और प्रभात पर पांच लाख का था इनाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। लातेहार सदर थाना क्षेत्र के सलैया जंगल के पास शुक्रवार की देर रात पुलिस और जेजेएमपी नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में नक्सली संगठन के सुप्रीमो समेत दो नक्सली मारा गया है। वहीं, इस मुठभेड़ में एक जवान को गोली भी लगी है। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायल जावन को रांची लाया गया। पलामू रेंज के डीआईजी वाई एस रमेश ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी। जिसमें बताया गया कि नक्सलियों का एक दस्ता सलैया जंगल के आसपास ठहरा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम चारों ओर से घेराबंदी कर नक्सलियों के खिलाफ छापेमारी शुरू की। इस बीच पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू

लोहरा और साथी प्रभात समेत दो नक्सली मारा गया है। पप्पू लोहरा पर 10 लाख और प्रभात पर पांच लाख का इनाम था। पलामू डीआईजी वाई एस रमेश ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों नक्सलियों के शव को पुलिस ने बरामद कर लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस के द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि जेजेएमपी नक्सली संगठन लातेहार जिले और आसपास के जिले में काफी सक्रिय था। पुलिस के द्वारा नक्सली संगठन के खिलाफ पिछले दिनों से लगातार कार्रवाई की जा रही थी। शुक्रवार की रात मिली सटीक सूचना के तहत पुलिस ने घेराबंदी की और दो नक्सलियों को ढेर कर दिया।

घायल जवान का हाल जानने अस्पताल पहुंचे संजय सेठ

रांची (नबिटा ब्यूरो)। लातेहार जिले के इचावार जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में पुलिस ने 10 लाख रुपये के इनामी कुख्यात नक्सली पप्पू लोहरा समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में एक पुलिस जवान अवध सिंह भी घायल हो गये। उन्हें एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची लाया गया है। रांची स्थित राज हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। इसी बीच केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ घायल जवान से मिलने अस्पताल पहुंचे। संजय सेठ में सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ट्वीट कर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा 'नक्सल फ्री भारत अभियान के तहत लातेहार के इचावार जंगल में पुलिस ने कुख्यात नक्सली पप्पू लोहरा

समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान घायल हुए पुलिस के जवान अवध सिंह का उपचार राज अस्पताल में चल रहा है। उनसे मिलकर हालचाल जाना। ईश्वर से आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

एक ही घर में चार शव मिलने से सनसनी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। एक ही घर में चार शव को देखकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रथम दृष्टया पूरा मामला सामूहिक आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। मामला झारखंड के सरायकेला के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया के चित्रगुप्त नगर की है। जानकारी के मुताबिक चित्रगुप्त नगर के रहने वाले कृष्ण कुमार ने पत्नी समेत दो नाबालिग बेटियों के साथ घर में अपनी जान दे दी। मृतक कृष्ण कुमार टाटा स्टील गम्हरिया में सीनियर ऑफिसर के पद पर पदस्थ थे। इस संबंध में पड़ोसियों का कहना है कि पूरा परिवार दो दिनों से घर से बाहर नहीं निकल रहा था। पड़ोसियों को घर से दुर्गंध भी आ रही थी, जिसके बाद आदित्यपुर थाना को सूचना दी गई। आदित्यपुर थाना पुलिस जब कृष्ण कुमार के घर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़कर घर में जब प्रवेश किया गया तो कृष्ण कुमार अपनी पत्नी और बेटी के साथ मृत पाए गए। मृतकों में कृष्ण कुमार के अलावा उनकी पत्नी डोली देवी, बड़ी बेटी पूजा और छोटी बेटी शामिल है। खबर यह भी आ रही है कि कृष्ण कुमार अपनी बीमारी से परेशान थे, उन्हें कैंसर कैंसर था। इस बीमारी की वजह से पूरा परिवार काफी ज्यादा तनाव में चल रहा था। इसी महीने की 19 तारीख को कृष्ण कुमार कैंसर का इलाज कर लौटे थे। कुछ दिन पहले कृष्ण कुमार को बुखार हुआ था, जिसके बाद जब उनका इलाज शुरू हुआ तो पता चला कि वह कैंसर से पीड़ित है। मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पुलिस अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है।

20 साल से फरार दो नक्सली धराये

जमुई(नबिटा ब्यूरो)। जमुई पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान में दो दशक से फरार चल रहे दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गुरूदयाल यादव उर्फ गुरूसहाय यादव और कैलू यादव उर्फ नुनेश्वर यादव को उसके पैतृक गांव पहाड़पुर थाना के चरकापत्थर से पकड़ा गया है। दोनों नक्सलियों पर साल 2005 में सोनो थाना में दर्ज मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 353, 307, 414, 121 के साथ आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की धाराएं लगी हैं। ये दोनों भूमिगत होकर अपनी गतिविधियां चला रहे थे।

टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं : मोदी

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री का राज्यों को सुझाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नीति आयोग की बैठक आयोजित की गयी। गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय 'विकसित राज्य के लिए विकसित भारत 2047' था। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। वहां सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचे उपलब्ध कराने चाहिए। एक राज्य- एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने कार्यबल में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में काम करना चाहिए। हमें ऐसे कानून और नीतियां बनानी चाहिए, जिससे उन्हें कार्यबल में सम्मानपूर्वक शामिल किया जा सके। हमें इस तरह काम करना चाहिए कि लागू की गई नीतियां आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकें। जब लोग बदलाव महसूस करते हैं, तभी यह बदलाव मजबूत होता है और बदलाव को एक आंदोलन में बदल देता है। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में हमारे पास 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है। हमें एक लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए- 2047 तक भारत को विकसित बनाना। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हर राज्य विकसित हो, हर शहर विकसित हो, हर नगर पालिका विकसित हो और हर गांव विकसित हो। अगर हम इन तर्ज पर काम करेंगे, तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

तीन भाइयों की मौत, दो गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में शनिवार सुबह अपराधियों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को भून डाला। इसमें तीन सगे भाइयों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। वारदात के बाद इलाके में सनसनी मच गई। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों और परिजनों ने घटना के विरोध में जमकर बवाल किया। लोगों ने ट्रक लगाकर सड़क जाम कर दिया। लोग हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने में जुट गई है। मरने वालों की पहचान विनोद सिंह यादव, सुनील सिंह यादव और वीरेंद्र सिंह यादव के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अहियापुर गांव के विनोद सिंह यादव और सुनील सिंह यादव का शुक्रवार को गांव के ही कुछ लोगों से गिट्टी-बालू के व्यवसाय को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद आज सुबह लगभग पांच बजे नहर के पास तीनों टहल रहे थे। इसी बीच कार से कुछ अपराधी आए और गोलीबारी करने लगे। इसमें तीनों भाइयों को गोली मार दी। इन्हें बचाने आए परिवार के अन्य सदस्यों को भी गोली मार दी। इस घटना में विनोद सिंह यादव और सुनील सिंह यादव की मौत हो गई जबकि वीरेंद्र सिंह यादव, पुंज सिंह यादव समेत तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल कोचस स्थित एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें बनारस रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान वीरेंद्र सिंह यादव की भी मौत हो गई है। प्रशासन ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है। एक अन्य घायल पुंज सिंह यादव की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद अहियापुर गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीण सहमे हुए हैं। इधर, राजपुर थानेदार संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह पूर्व से चली आ रही दुश्मनी का परिणाम है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी शुभम आर्य और सदर एसडीपीओ धीरज कुमार भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने कहा कि सूचना मिली कि दो गाड़ियों से अपराधी आए थे। इन लोगों ने ही वारदात को अंजाम दिया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। एसडीपीओ को निर्देश दिया गया है कि विशेष टीम का गठन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तार करें। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बिहार नगर निकायों के उपचुनाव की तारीखों का ऐलान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के नगर निकायों के उपचुनाव के लिए 28 जून को मतदान होगा। शनिवार को राज्य निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के अनुसार संबंधित जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी को इसके लिए आदेश जारी कर दिया गया। साथ ही, छह नगर निकायों पूर्वी चंपारण के नगर पंचायत मेहसी और पकड़ीदयाल, रोहतास के नगर पंचायत कोचस, पटना के नगर पंचायत खुशरूपुर और नौबतपुर तथा नगर पंचायत विक्रम में आम चुनाव होगा। इसके तहत तीन सीटों वार्ड पार्षद, उप मुख्य पार्षद और मुख्य पार्षद का चुनाव होगा। इसके लिए भी 28 जून को मतदान होगा और 30 जून को वोटों की गिनती होगी। मालूम हो कि उपचुनाव के तहत मुख्य पार्षद के 3, उपमुख्य पार्षद के 3 और वार्ड पार्षद की 45 सीटों के लिए मतदान होगा। उपचुनाव वाले नगर निकायों में नगर परिषद बांका, नगर पंचायत मैरवा (सीवान) और नगर पंचायत खिजरसराय (गया) के मुख्य पार्षद का पद शामिल हैं। इसके अलावा नगर परिषद बोधगया के उप मुख्य पार्षद के रिक्त पद पर भी उप चुनाव होगा। अन्य नगरपालिका क्षेत्र में वार्ड सदस्यों के रिक्त पदों पर उप चुनाव कराया जाएगा। नगर निकायों में आम चुनाव एवं उपचुनाव को लेकर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हो चुका है। इसके बाद उपचुनाव का कार्यक्रम जारी किया गया है।

सशक्त बनकर उभरी बिहार की महिलाएं : श्रवण कुमार

पुष्पांकर / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार ऐसा पहला राज्य है, जहां जीविका की दीदियों का अपना बैंक हो गया है और अब दीदियों को पैसे के लिए किसी के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने शनिवार को जिले के खरीक प्रखंड में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की महिलाओं के उत्थान के लिए बिहार सरकार कई कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच की वजह से आज समूचे बिहार में जीविका दीदियों के संगठन का जाल फैला हुआ है और इसके माध्यम से महिलाएं आज सशक्त बनकर उभरी हैं। श्री कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से जीविका की शुरुआत की थी। आज पूरे राज्य में 10 लाख 36 हजार से ज्यादा स्वयं सहायत समूहों का गठन किया जा चुका है। आज समूह से जुड़ी दीदियां कितनी तरक्की कर कर रही है। पहले महिलाएं घर से बाहर से भी नहीं निकलती थीं। लेकिन अब महिलाएं घर से बाहर निकलकर सभी तरह के काम कर रही है। ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि हाल में राज्य मंत्रिपरिषद ने दीदियों के लिए दो फैसले लिए हैं। पहला तो जीविका निधि के रूप में जीविका के लिए एक अलग सहकारी बैंक बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालय की साफ सफाई का काम जीविका दीदियों को दिया गया है। इससे जीविका दीदियों को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलने की संभावना है। कार्यक्रम में उपस्थित जीविका दीदी संगठन की कई महिलाओं अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ आज वे कितनी आगे बढ़ी है। अंजना कुमारी ने कहा कि समूह से ऋण लेकर उन्होंने मसाला और खाद्य प्रसंस्करण उद्यम की स्थापना की।

निर्वाचन आयोग के कानूनी ढांचे को मजबूत बनाने पर दिया गया जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची/ नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी की उपस्थिति में आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में भारत के चुनाव आयोग का प्रतिनिधित्व करने वाले परामर्शदाताओं के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में भारत के सर्वोच्च न्यायालय और देश भर के 28 उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ-साथ सभी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों और 36 मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य आयोग के कानूनी ढांचे को मजबूत बनाना और पुनः उन्मुख करना है, ताकि तालमेल स्थापित करके उभरती चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। सम्मेलन में गैर-विरोधात्मक रुख अपनाने तथा सुनवाई के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने पर जोर दिया गया। एक दिवसीय सम्मेलन ने आयोग और देश भर के प्रमुख कानूनी विशेषज्ञों के बीच संवाद और आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। यह रणनीतिक भागीदारी भारत में चुनावी न्यायशास्त्र के गतिशील परिदृश्य के साथ अपने कानूनी संसाधनों को संरेखित करने की दिशा में चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। चर्चा में आयोग की कानूनी टीम की तैयारी, दक्षता और समन्वय को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें चुनाव कानून, न्यायिक कार्यवाही और कानूनी सुधारों से संबंधित मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। इस बातचीत के माध्यम से, आयोग ने विभिन्न न्यायिक मंचों पर अपने कानूनी प्रतिनिधित्व की प्रभावशीलता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया। शुक्रवार को चुनाव आयोग ने आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया। उक्त सम्मेलन में झारखंड से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार एवं संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने झारखंड राज्य की ओर से भाग लिया। यह सम्मेलन ईसीआई की आईटी पहलों के लिए रोडमैप तैयार करने और उसे मजबूत करने के लिए आयोजित किया गया था। ईसीआई ने 2025 में एक एकीकृत डैशबोर्ड, ईसीआईएनईटी को डिजाइन और विकसित करने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की है, ताकि सभी हितधारकों द्वारा अपेक्षित कानूनी प्रावधानों के दायरे में सभी प्रासंगिक डेटा तक एकल खिड़की पहुंच प्रदान की जा सके। यह अनूठी पहल ईसीआई की सभी आईसीटी पहलों को एक ही छतरी के नीचे एकीकृत करने में सहायक होगी।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

एनकाउंटर में भागलपुर का कुख्यात गुरुदेव मंडल ढेर, एसटीएफ ने एक और वारदात को किया नाकाम

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में पुलिस ने कुख्यात गुरुदेव मंडल को एनकाउंटर में मार गिराया। घटना रंगरा थाना क्षेत्र में बीती देर रात की है। एसटीएफ की टीम और भागलपुर जिला बल के संयुक्त ऑपरेशन में यह कार्रवाई की गई। गुरुदेव मंडल अपने साथियों के साथ एक नई वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इसकी भनक पुलिस को लग गई। एसटीएफ और जिला पुलिस की टीम ने अपराधियों के ठिकाने पर धावा बोल दिया। पुलिस को देखते ही गुरुदेव मंडल और उसके गुर्गों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गुरुदेव को ढेर कर दिया।

उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे जिन्हें पुलिस खोज रही है। पुलिस सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार देर रात रंगरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि गुरुदेव मंडल अपने गिरोह के साथियों के साथ दियारा इलाके में मीटिंग कर रहा है। वे लोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे। योजना की तैयारी चल ही रही थी के एसटीएफ और भागलपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने धावा बोल दिया। अपराधियों छुपकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोलियां चलाई। इसी दौरान गुरुदेव मंडल मारा गया जबकि उसका अन्य साथी अंधेरे और वहां की भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने रात में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुदेव मंडल भागलपुर का कुख्यात अपराधी था जो आस पास के जिलों में भी क्राइम करता था। रंगरा और आसपास के इलाकों में कई गंभीर आपराधिक कांडों में पुलिस को उसकी तलाश थी। हत्या, लूट, फिरौती और अवैध हथियार रखने जैसे कई मामले उसके खिलाफ दर्ज हैं। उसे इलाके में आतंक का दूसरा नाम बताया जाता था। पुलिस उसे बेसब्री से तलाश रही थी जबकि वह बार बार पुलिस को चकमा देकर फार हो जाता था एनकाउंटर के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को तुरंत मौके पर बुलाकर जांच कराई गयी। एफएसएल के अधिकारियों ने घटना स्थल से कई नमूने लिए। मौके से खोखा, गोला-बारूद और अन्य सामान पुलिस ने जब्त किया। वरीय अधिकारियों की निगरानी में छानबीन की जा रही है। गुरुदेव मंडल के मारे जाने से अपराध की वारदातों पर विराम लगने की उम्मीद है।

समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड का काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद

दो पुल का निर्माण बाकी

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड दोहरीकरण के चौथे चरण में है। ये काम 3 साल में पूरा होना था। लेकिन, 10 साल गुजर चुके है। रामभद्रपुर-हायाघाट- थलवारा करीब 12 किलोमीटर में युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। रेलखंडों के बीच पांच बड़े पुल 14,15, 15ए, 16 व 17 नंबर में से 15, 15ए व 17 का काम पूरा कर लिया गया है। जबकि, पुल नंबर 14 व 16 नंबर पर काम चल रहा है। पांचों पुलों को मिलाकर कुल 28 गाटर चढ़ाया जाना था, जिसमें से 17 गाटर का काम पूरा कर लिया गया है। शेष 11 गाटर पर काम चल रहा है, जिसके अगामी नवंबर माह तक पूरा होने की उम्मीद है। अर्थ वर्क लगभग पूरा हो चुका है। ऐसी स्थिति में सब ठीक रहा तो अगले साल से समस्तीपुर- दरभंगा दोहरीलाइन पर ट्रेनों का चलना शुरू हो जाएगा। जिसे ट्रेनों की स्पीड तो बढ़ेगी ही, साथ ही यात्री जाम में नहीं फसंगे। डीआरएम विनय श्रीवास्तव का कहना है कि दोहरीकरण का काम युद्धस्तर पर जारी है। अगले साल से दोहरी लाइन पर पूरे रूप से ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा।

तीन साल में पूरा होना था काम, 10 साल गुजरे

समस्तीपुर-दरभंगा 40 किलोमीटर दोहरीकरण का काम तीन सालों में पूरा होना था। लेकिन 10 साल गुजर गए अब तक मात्र 28 किलोमीटर का ही काम हो पाया है। 12 किलोमीटर रेलवे लाइन बिछाना अभी भी बाकी है। रामभद्रपुर- हायाघाट, हायाघाट-थलवारा रेलवे स्टेशनों के बीच चौथे चरण में योजना पर काम चल रहा है। इस खंड के पांच बड़े पुलों में से तीन का निर्माण काम पूरा हो चुका है। अभी दो पुलों का निर्माण होना बांकी है। रेलवे के निर्माण विभाग के अभियंता बताते है कि नवंबर महीने तक निर्माण काम पूरा कर लिया जाएगा। साल 2015 में 519 करोड़ की लागत से दोहरीकरण का कार्य शुरू हुआ, जिसमें रेलवे ट्रैक और पुल के लिए 491 करोड़ व 28 करोड़ रुपए इलेक्ट्रिक वायरिंग के लिए आवंटित हुई थी। इस काम को 3 साल के अंदर पूरा करने का लक्ष्य था।

10 सालों में 28 किलोमीटर का रेलवे ने सफर किया तय

10 सालों में 28 किलोमीटर रेलवे सफर तय कर पाई है। जबकि काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए योजना को तीन चरणों में बांटा गया था। रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से इस खंड पर पहले चरण में समस्तीपुर-किशनपुर 10.50 किलोमीटर और दूसरे चरण में दरभंगा-थलवाड़ा 9.50 किलोमीटर में दोहरीकरण का काम पूरा हुआ है। तीसरे चरण में किशनपुर-रामभद्रपुर के बीच काम पूरा हो चुका है। काम में देरी को देखते हुए इस योजना को फिर से शेष बचे रेलखंड को दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में रामभद्रपुर- हायाघाट व दूसरे चरण में हायाघाट-थलवारा के बीच काम को पूरा करना है। रामभद्रपुर-हायाघाट के बीच पुल नंबर 14, 15 व 15 ए का निर्माण होना है। पुल नंबर 14 और 15 व 15 ए में से 15 व 15ए पुल पर काम पूरा कर लिया गया है। जबकि, पुल नंबर 14 पर काम शेष बचा हुआ था। इसी तरह हायाघाट- थलवारा के बीव बागमती व करेह नदी पर पुल नंबर 16 व 14 पर अभी काम चल रहा है।

नवंबर महीने तक काम पूरा करने का दावा

रेलवे के निर्माण विभाग के अधिकारियों का दावा है कि सभी पुलों का निर्माण नवंबर महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, पुलों के निर्माण में देरी हो सकता है। पुल बनने के बाद ही दोहरी लाइन पर परिचालन संभव है। हालांकि, रेलवे के निर्माण विभाग के अभियंताओं का दावा है कि पुलों का निर्माण जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। जिसके बाद दोहरी लाइन पर ट्रेनें दौड़ने लगेगी। डी आर एम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि पहले इस योजना को तीन चरणों में बांटा गया था, लेकिन काम में हो रही देरी को देखते हुए पूरी योजना को पांच चरणों में बांटा गया। अभी रामभद्रपुर- थलवारा के बीच काम चल रहा है। काम में देरी के पीछे कोराना मुख्य कारण रहा। दो सालों तक काम सही से नहीं हो पाया। उम्मीद है कि नवंबर महीने तक रामभद्रपुर से हायाघाट- थलवारा काम पूरा कर लिया जाएगा।

पहलगाम हमले में अबतक कोई आतंकी नहीं पकड़ा गया : दीपंकर

पटना, एजेंसी। भाकपा-माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक महीने पहले बिहार आए थे। तब पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को मिट्टी में मिला देने की बात कही थी। अबतक एक भी आतंकी का सुराग नहीं मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार खामोश है। अबतक देश को ठोस जानकारी नहीं दी गई है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के जवाबी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों के परिजनों को सांत्वना देने या राहत प्रदान करने के लिए भी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। वे शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीयों की अपमानजनक निकासी, मनमाना टैरिफ थोपने और भारत-पाक युद्ध विराम की एकतरफा घोषणा पर केंद्र सरकार की चुप्पी विफल विदेश नीति को उजागर करती है। ऑपरेशन सिंदूर के समय दुनिया के किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया। यह मोदी सरकार की कूटनीतिक असफलता का प्रमाण है। बिहार में जनता की सुरक्षा और भ्रष्टाचार के समूल उन्मूलन के लिए इंडिया गठबंधन को सत्ता में लाना अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर माले राज्य सचिव कुणाल, पोलित ब्यूरो सदस्य धीरेंद्र झा, विधायक दल के उपनेता सत्यदेव राम उपस्थित थे।

महिलाओं को बस चलाना सिखाएगी बिहार सरकार पिंक बस के लिए लेडी ड्राइवर नहीं मिले थे

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार अब महिलाओं को बस चलाना सिखाएगी। परिवहन विभाग ने महिलाओं को बस चलाने के लिए प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है। ड्राइविंग की ट्रेनिंग लेने के लिए 18 से 35 साल की उम्र की इच्छुक महिलाओं का चयन किया जाएगा। चयनित महिलाओं को गाड़ी चलाने का प्रशिक्षण दिलाकर विभाग ड्राइविंग लाइसेंस दिलाएगा। इसके बाद इनको पटना समेत अन्य शहरों में चलने वाली महिलाओं के लिए समर्पित पिंक बस की कमान सौंपी जाएगी। दरअसल, पिछले दिनों पिंक बस के लिए सरकार को महिला ड्राइवर नहीं मिल पाए थे, इसी कारण विभाग ने ट्रेनिंग का फैसला लिया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा और सुगम परिवहन देने के उद्देश्य से पिंक बस सेवा शुरू की है। पटना के साथ मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णिया, गया और दरभंगा में 20 पिंक बसें चल रही हैं। जल्द ही 100 और बसों का परिचालन इन शहरों में होगा। बता दें कि पिंक बसों के लिए निगम ने बीते दिनों चालकों और संवाहकों (कंडक्टर) की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया था। निगम से सम्बद्ध एजेंसी से इनका चयन होना था। इसके तहत निगम को 25 महिला ड्राइवर और 250 महिला संवाहक की जरूरत थी। निगम ने बिहार के साथ झारखंड से आवेदन मांगा था, लेकिन एक भी महिला ड्राइवर नहीं मिली। 90 महिलाओं ने कंडक्टर के लिए जरूर आवेदन किए। कुछ महिलाओं के आवेदन चालक के लिए आए भी, तो वे बस चलाने योग्य नहीं पाई गईं। यही कारण है कि निगम वैकल्पिक व्यवस्था के तहत फिलहाल पुरुष चालकों से ही पिंक बसों का परिचालन करा रहा है। हालांकि कंडक्टर के रूप में महिलाएं काम कर रही हैं।

मुफ्त ट्रेनिंग देगी सरकार

ड्राइवर के चयन होने के बाद इन महिलाओं को औरंगाबाद में आवासीय व्यवस्था के तहत बस चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। गाड़ी चलाने की जानकारी होने पर निगम महिलाओं को बस चलाने के लिए विधिवत ड्राइविंग लाइसेंस भी दिलाएगा। इच्छुक महिलाओं को चालक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम दसवीं पास होना जरूरी होगा। साथ ही शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट होना भी जरूरी होगा। निगम जल्द ही आवेदन जारी करेगा। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को चालक के रूप में काम करना होगा। बदले में उन्हें श्रम संसाधन विभाग की ओर से निर्धारित मानदेय दिया जाएगा।

सड़क पर साइड मांगने पर बदमाशों ने भाई-बहन को पीटा

दरभंगा में बाइक सवार स्टूडेंट्स जख्मी, मां बोली- नकाब पहनने के कारण बेटी को मारा

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में शुक्रवार की देर रात बाइक से लौट रहे भाई-बहन को कुछ बदमाशों ने पीटकर घायल कर दिया। दोनों का इलाज डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग में चल रहा है। मामला लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बाकरगंज का है। घटना में घायल युवक रेहान और उसकी बहन जैनब बाकरगंज मुहल्ला निवासी शम्स आलम के बच्चे हैं। दोनों को बचाने पहुंची उनकी मां अंजुम आरा भी चोटिल हो गईं। अंजुम आरा ने बताया कि उनका बेटा रेहान, बेटी जैनब को करमगंज स्थित कोचिंग से बाइक पर लेकर लौट रहा था। रास्ते में शादी समारोह के कारण भीड़ थी। रेहान ने हॉर्न बजाकर साइड मांगी। इसी पर नशे में धुत बदमाशों ने दोनों पर हमला कर दिया। बेटी को भी इसलिए मारा है, क्योंकि उसने नकाब पहना हुआ था।

मां को भी मारपीट में लगी चोट

मारपीट में दोनों भाई-बहन सड़क पर गिर पड़े। रेहान ने घर फोन कर मां को बुलाया। अंजुम आरा मौके पर पहुंचीं। उन्हें भी मारपीट में चोट लगी। किसी तरह तीनों घर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को डीएमसीएच भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी नफिसुल हक रिंकू सहित कई लोग डीएमसीएच पहुंचे। सभी ने घटना की निंदा की।

पुलिस प्रशासन से उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। लहेरियासराय थानाध्यक्ष अमीत कुमार ने बताया कि अब तक आवेदन नहीं मिला है। बेंता थाना को घायल ने अभी तक फर्द बयान भी नहीं दर्ज करवाया हैं।आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जायेगी।

हाइवा की टक्कर से गिरा मंदिर, ग्रामीण जख्मी

नालंदा, एजेंसी। शनिवार की अहले सुबह निर्माणाधीन पटना-राजगीर टूरिस्ट वे पर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। तेज गति में आ रही हाईवा ने मंदिर में टक्कर मार दी। जिसके कारण पूरा मंदिर परिसर क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर को नींद आने से हादसा हुआ है। घटना तेलमर थाना क्षेत्र के तेलमर बाजार के पास की है। स्थानीय निवासी सह पूर्व जिला पार्षद प्रत्याशी विक्की कुमार ने बताया कि करौटा की तरफ से तेज रफ्तार में आई हाईवा ने बजरंगबली के मंदिर में टक्कर मार दी। जिससे पूरा मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया है। हालांकि मंदिर के अंदर स्थापित बजरंगबली की मूर्ति को खरोच तक नहीं आई है। मंदिर में छिपे तेलमर निवासी सागर बिन्द दीवार के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये बारिश से बचने के लिए मंदिर में आए थे।

गाड़ी से भी टकराया हाइवा

घटनास्थल पर नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई है और मेला लगा हुआ है। मन्दिर में टक्कर के बाद हाइवा थोड़ी दूर पर एक गाड़ी में टकरा गया। जिसके कारण गाड़ी सड़क किनारे पलट गई। बजरंगबली के मंदिर के ठीक विपरीत दिशा में नवनिर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा हुआ है। तेलमर थाना अध्यक्ष शत्रुघन कुमार शाह ने बताया कि सड़क हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि झपकी लगने की वजह से उसने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया और हाईवा जाकर मंदिर से टकरा गई। घटना में मंदिर में रुके एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए कल्याण विगहा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विकास के आंकड़े दिखाकर केंद्र से विशेष तोहफे मांगने की तैयारी

पटना, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को दिल्ली में हो रही नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की बैठक में हिस्सा लेंगे। बिहार सरकार की तैयारी चुनावी साल के लिए विशेष तोहफे मांगने की है। इसके लिए सरकार की ओर से विकास के आंकड़े दिखाकर कुछ खास परियोजनाओं के लिए मदद पर फोकस करने की है। सम्राट चौधरी के साथ मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा और योजना सचिव के. सेंथिल कुमार भी दिल्ली जा रहे हैं।

नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की इस बैठक में देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री या उनके प्रतिनिधि हिस्सा लेकर अपने राज्यों के लिए मांग रखते हैं। नीति आयोग इन मांगों के आधार पर देशव्यापी योजनाओं की प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए एक्सपर्ट ओपिनियन तैयार कराता है। इसी के आधार पर भारत सरकार केंद्रीय योजनाओं और राज्यव्यापी जरूरतों के बारे में फैसला लेती है।

बिहार की ओर से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विजन 2047 के रोडमैप के आधार पर राज्य के लिए विशेष सहायता मांग सकते हैं। हालांकि, राज्य का विजन डॉक्यूमेंट अभी तक सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों की मदद से इसे मुकम्मल रूप दिया जा रहा है। इसमें आजादी के 100 साल के बाद विकास की भावी रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसके अलावा बिहार सरकार अपनी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए भी राशि की मांग कर सकती है।

तेज बारिश से रेलवे ट्रैक धंसा, बड़ी दुर्घटना टली

लखीसराय में आधे घंटे तक रुका ट्रेन परिचालन, अंडरपास में जलजमाव से ग्रामीण नाराज

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय में शुक्रवार सुबह जमालपुर-किऊल रेलखंड पर बड़ा रेल हादसा टल गया। पीरीबाजार में तेज बारिश के कारण रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। अभयपुर और मसूदन स्टेशन के बीच गेट संख्या 23 सीआरयूबी के पास रेलवे ट्रैक धंस गया, जिससे दो पैसेंजर ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा। हालांकि, डाउन मालगाड़ी के गार्ड की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

गार्ड की सूझबूझ से बची जानें : मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 7:02 बजे आनंद विहार से चलने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस अभयपुर स्टेशन से गुजर चुकी थी। उसके तुरंत बाद एक मालगाड़ी भी उसी पटरी से होकर निकली। मालगाड़ी के गार्ड ने ट्रैक पर असामान्य हलचल देखी और धंसी हुई पटरी को पहचान लिया। मालगाड़ी के गार्ड ने तुरंत अभयपुर स्टेशन मास्टर को इसकी सूचना दी। तत्परता दिखाते हुए स्टेशन मास्टर ने दोनों दिशाओं की ट्रेनों को तत्काल रोक दिया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

दो पैसेंजर ट्रेनों को रोका, मरम्मत का कार्य शुरू : इस दौरान किउल-जमालपुर अप पैसेंजर (73421) को मसूदन और किउल-जमालपुर डाउन पैसेंजर (53480) को अभयपुर स्टेशन पर ही रोक दिया गया। स्टेशन मास्टर की सूचना पर वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और ट्रैक की मरम्मत का कार्य शुरू हुआ। करीब डेढ़ घंटे तक रेल परिचालन प्रभावित रहा। हालांकि, स्टेशन अधीक्षक के अनुसार, ट्रेनों की आवाजाही केवल 30 मिनट (8:40 से 9:10 बजे तक) बाधित रही।

बेनीपुर अंडरपास में जलजमाव, ग्रामीणों का प्रदर्शन : वहीं, बेनीपुर गांव के पास नवनिर्मित रेलवे अंडरपास में मूसलाधार बारिश के कारण 10-12 फीट तक पानी भर गया। इससे अभयपुर-धरहरा के बीच सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया। दो स्कूली वाहन पानी में फंस गए, हालांकि, ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।

जलजमाव से ग्रामीण नाराज, आधे घंटे तक प्रदर्शन : जलजमाव से नाराज़ ग्रामीणों ने रेल ट्रैक पर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन कर ट्रेन परिचालन रोक दिया। सूचना मिलते ही पीरीबाजार थानाध्यक्ष, आरपीएफ जमालपुर, जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों ने अंडरपास से पानी निकालने और समस्या के स्थायी समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने ट्रैक खाली किया। ग्रामीणों ने बताया कि हर बारिश में अंडरपास में पानी भर जाता है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी होती है। वे वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे हैं और अब स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी की हत्या मामले में पति गिरफ्तार, फरार था आरोपी

लातेहार, एजेंसी। लातेहार के गारू थाना क्षेत्र के लुहुरटांड़ कोयल नदी से 16 मई को मिली बालू में दफन महिला के शव मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महिला की हत्या उसके पति मुकेश प्रसाद ने की थी। मुकेश लातेहार थाना क्षेत्र के सुकरी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। बरवाडीह पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि दंपती के बीच एक दूसरे पर अवैध संबंध का आरोप लगाकर अक्सर झगड़ा होता था। इसी विवाद से गुस्से में आकर मुकेश ने पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को कोयल नदी के बगल बालू में दफना दिया। पुलिस ने घटनास्थल से महिला का मोबाइल, सैंडल, हत्या में इस्तेमाल किया गया लोहे का तावा और एक अन्य मोबाइल बरामद किया है। उन्होंने आगे बताया कि पति-पत्नी के बीच पिछले डेढ़ साल से तलाक का मामला न्यायालय में चल रहा था।

मत्स्य कृषकों का एनएफडीपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

रांची, एजेंसी। झारखंड के मत्स्य कृषकों को एनएफडीपी पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की वार्षिक समीक्षा के क्रम में यह निर्देश जारी हुआ। इससे मत्स्य क्षेत्र से जुड़े सभी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। साथ ही सभी मात्स्यिकी परियोजनाओं का लाभ मत्स्य कृषकों को मिल सकेगा। समीक्षा के दौरान झारखंड के कार्यों की सराहना हुई। विभागीय सचिव अबु बकर सिद्दीक और मत्स्य निदेशक एच. एन. द्विवेदी इसमें शामिल हुए। नई दिल्ली स्थित एपी शिंदे हॉल में हुई बैठक में केंद्रीय मत्स्य पालन विभाग के सचिव अभिलक्ष लिखी ने निजी क्षेत्र के साथ-साथ सहकारिता समितियों को भी फिशरीज फार्मर्स प्रोड्यूसर्स ऑर्गेनाइजेशन एफपीओ (एफएफपीओ) को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। विभागीय सचिव व मत्स्य निदेशक ने बताया कि पीएमएमएसवाई में झारखंड ने मत्स्य पालन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कोडरमा स्टेशन पर गांजा तस्करी का भंडाफोड़:युवक से 52 हजार का गांजा बरामद

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन नारकोस के तहत एक युवक को 5 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में 22 मई को स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर एक व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध हालत में घूमता दिखा। पूछताछ में उसने अपना नाम संतोष कुमार (27) बताया। वह बिहार का रहने वाला है। उसके बैग की जांच में 5 पैकेट में गांजा मिला। संतोष कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस से गया जाने वाला था। आरपीएफ ने उसे पोस्ट पर ले जाकर एसडीओ कोडरमा को सूचित किया। 23 मई को दंडाधिकारी मनोज कुमार रवि की मौजूदगी में आरोपी ने गांजा की पुष्टि की। बरामद गांजे का कुल वजन 5 किलो 262 ग्राम है, जिसकी कीमत लगभग 52,500 रुपए आंकी गई है। गवाहों की मौजूदगी में जब्ती सूची बनाकर आरोपी को जीआरपी कोडरमा के हवाले कर दिया गया है। जीआरपी मामला दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

लातेहार में मारे गए दो खूंखार नक्सली, एक पर 10 तो दूसरे पर था 5 लाख रुपये का इनाम

रांची, एजेंसी। झारखंड के लातेहार से एक बड़ी खबर सामने आई है। सुरक्षा बलों ने शनिवार को झारखंड के लातेहार जिले में नक्सली संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद के दो खूंखार नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिन नक्सलियों को मारा गया है, उनमें एक पर 10 लाख रुपये और दूसरे पर 5 लाख रुपये का इनाम था। सूत्रों के मुताबिक, एक और खूंखार नक्सली सुरक्षाबलों फायरिंग में घायल हो गया है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से एक इंसास राइफल बरामद की गई है।बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों ने झारखंड के लातेहार जिले में 10 लाख रुपये के इनाम वाले पप्पू लोहारा और 5 लाख रुपये के इनाम वाले प्रभात गंझू को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि दोनों झारखंड जन मुक्ति परिषद के खूंखार नक्सली संगठन के नेता थे। ऑपरेशन अभी भी जारी है।

वन माफिया से लड़कर जंगल बचाया, लोगों ने नाम दिया 'लेडी टार्जन'

रांची, एजेंसी। कहते हैं 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती और संकल्प लेकर चलने वालों को मंजिल तक पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता'। चाकुलिया की 45 वर्षीय लेडी टार्जन के रूप में मशहूर पद्मश्री जमुना टुडू के बारे में यह कहना सटीक है। बेहद साधारण पृष्ठभूमि की इस घरेलू महिला ने किस प्रकार दृढ़ संकल्प के बूते वन सुरक्षा का संकल्प लिया और तमाम विपरीत परिस्थितियों से लड़ते हुए अपने मिशन को अंजाम तक पहुंचाया।

इस क्रम में हालांकि लकड़ी माफिया की ओर से पहले जमुना टुडू और उसके परिवार वालों को धमकी दी गई, उससे भी बात नहीं बनी तो व्यक्तिगत तौर पर जानलेवा हमला करवाया गया। कोकपाडा रेलवे स्टेशन के समीप जमुना को मारकर लहूलुहान कर दिया गया। इससे पहले जमुना के घर मुटुरखाम में भीषण डकैती हुई, घर के सारे कीमती सामान लूट लिए। पर जमुना ने हिम्मत नहीं हारी। मात्र 18 साल की उम्र में नव ब्याहता जमुना ने ससुराल के आसपास की घरों की पांच महिलाओं के साथ मिलकर 1998 में वन सुरक्षा समिति की नींव

रखी।

समिति से जुड़ी महिलाओं ने न केवल जंगलों की सुरक्षा का संकल्प लिया बल्कि काटे गए पेड़ों की जगह पौधारोपण का काम भी शुरू कर दिया। 27 साल के सफर में 45 वर्षीय जमुना के साथ आज 500 से अधिक जंगल सुरक्षा समिति का नेटवर्क है। हर समिति में कम से कम 30 महिलाएं हैं जो अपने साथ बांस, लाठी-डंडा, भाला, कटारी व धनुष-बाण रखती हैं, और जंगलों में समय-समय पर गश्त भी करती रहती हैं। इन महिलाओं की एकजुटता का ही नतीजा है कि चाकुलिया व आसपास के इलाकों में वीरान होने की कगार पर जा रहे जंगल आज हरे-भरे दिख रहे हैं। जमुना के इस अनवरत प्रयासों को देखते हुए 2019 में उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया। वहीं 2014 में गॉडफ्रे फिलिप्स बहादुरी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। स्थानीय लोग उन्हें प्यार से 'लेडी टार्जन' कहते हैं।

जमुना संग आज 10 हजार से अधिक महिलाएं हैं जो लाठी-डंडा, भाला, कटारी व धनुष-बाण के साथ जंगलों की सुरक्षा में जुटीं हैं। जमुना का जन्म 19 दिसंबर 1980 को ओडिशा के रायरंगपुर में हुआ। पैतृक गांव मयूरभंज में है। 18 साल की उम्र में पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया के मुटुरखाम निवासी मानसिंह टुडू के साथ शादी हुई। ससुराल आई तो अगले ही दिन उन्हें घर के पीछे मौजूद पहाड़ पर जंगल दिखाने महिलाएं ले गईं। बड़े पैमाने पर वनों के विनाश को देख वह हैरान रह गईं। इसके अलावा आदिवासी परंपरा के मुताबिक वहां लोग अपनी जरूरत के लिए इसी पहाड़ से पेड़ काटकर उसकी लकड़ी का इस्तेमाल घरों में करते थे। महिलाओं को भी जंगल से लकड़ी काट कर लाना होता था।

जमुना से भी ऐसा करने को कहा गया। इसने जमुना के मन को व्यथित कर दिया। जमुना ने पहले तो इसका विरोध किया। फिर ससुराल वालों को समझाया कि पहाड़ यदि हरा-भरा रहा तो आजीवन हमें सुख और शांति मिलेगी। फिर गांव वालों को भी इस बाबत समझाया। इसके बाद गांव की महिलाओं के साथ हाथ में कटारी और कुल्हाड़ी लेकर जमुना जंगल की रक्षा करने लगी। हालत यह हो गई कि माफिया के पेड़ काटने की आवाज सुनते ही महिलाओं का झुंड पहाड़ की ओर दौड़ पड़ता था। कई बार माफिया से आमने-सामने की मुठभेड़ भी हुई। जंगलों को बचाने के लिए जमुना के रौद्र रूप के कारण उन्हें लेडी टार्जन के नाम से जाना जाने लगा। चाकुलिया वन विभाग का भी सहयोग मिला। जमुना पेड़-पौधों से रिश्ता जोड़ने के लिए भी लोगों को प्रेरित करती हैं। हर वर्ष रक्षाबंधन पर पेड़-पौधों को भाई मान राखी बांधती हैं और उन्हें बचाने का संकल्प खुद लेती और दूसरों को दिलाती हैं।

कोडरमा घाटी में रिफाइन तेल टैंकर पलटा, ग्रामीणों में तेल लूटने की मची होड़

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा घाटी स्थित बन्दरचुआं के पास शनिवार की सुबह रिफाइन तेल से भरा एक टैंकर पलट गया। जिससे रांची-पटना मेन रोड में परिचालन बाधित हो गया। बताया जा रहा है कि उक्त टैंकर हल्दिया (पश्चिम बंगाल) से रिफाइन लोड कर कोडरमा होते हुए बिहार के रास्ते नेपाल की ओर जा रहा था। इसी बीच कोडरमा घाटी के बन्दरचुआं के समीप टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें लोड रिफाइन सड़कों पर बहने लगा।इधर घटना के बाद आसपास के लोग वहां इकट्ठा हो गए। जैसे ही उनलोगों की नजर टैंकर से बहते हुए तेल पर पड़ी वे लोग अपने-अपने घरों की ओर दौड़े और घरों से बाल्टी, डब्बा या जो भी बर्तन मिला उसे लेकर सरपट घटनास्थल पर पहुंच गए। टैंकर से बह रहे तेल को लूटने में लग गए। इधर इस दुर्घटना के बाद रांची-पटना मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने वहां पर पुलिस बल को भेज दिया।कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि टैंकर से तेल का रिसाव सड़क पर होने के कारण कई छोटी गाड़ियां उस पर फिसल जा रही हैं। आवागम फिलहाल पूरी तरह से बाधित है। पुलिसबल को क्रेन लेकर भेज दिया गया है। जल्द ही टैंकर को मुख्य मार्ग से हटाकर वाहनों के आवागमन को फिर से सुचारू रूप से चालू कर दिया जाएगा।

ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय और सीएमपीडीआई के बीच हुआ एमओयू

रांची, एजेंसी। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सीएमपीडीआई और हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय डीजीएच ने शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दोनों संस्थान गैर-परंपरागत हाइड्रोकार्बन संसाधनों पर विशेष ध्यान देने के साथ डेटा साझाकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्रों में सहयोग करेंगे।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय डीजीएच की महानिदेशक डॉ पल्लवी जैन गोविल एवं सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार की उपस्थिति में डीजीएच के एडीजी डेवलपमेंट सचिव कुमार एवं सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक बिजनेस डेवलपमेंट आरके अमर ने समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक शंकर नागाचारी, निदेशक अजय कुमार, सीएमपीडीआई और डीजीएच के वरिष्ठ अधिकारी, ओएनजीसी, आईओसीएल, सीबीएम ऑपरेटर्स और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दो प्रमुख संस्थानों के बीच डेटा साझाकरण, तकनीकी विशेषज्ञता और शोध अंतर्दृष्टि रिसर्च इन्साइट्स के पारस्परिक आदान-प्रदान के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना है। इस रणनीतिक साझेदारी से कोल बेड मिथेन (सीबीएम), शेल गैस और अन्य गैर-परंपरागत स्रोतों जैसे संसाधनों की खोज एवं विकास में भारत की क्षमताओं को मजबूत करना है। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने सीबीएम, शेल गैस और अन्य गैर-परंपरागत हाइड्रोकार्बन के विकास के लिए सीएमपीडीआई के कार्य के बारे में जानकारी दी।

पढ़ाई के साथ सेहत का भी पाठ पढ़ाएंगे शिक्षक
सरकारी स्कूलों में दो दिनों में योगाभ्यास अनिवार्य

रांची, एजेंसी। सरकारी स्कूलों में प्रत्येक सप्ताह बुधवार और शनिवार को अनिवार्य रूप से बच्चों को योगाभ्यास कराया जाएगा। इसे लेकर स्कूलों में योग क्लब का गठन किया जाएगा। दूसरी तरफ, इस वर्ष इंटरनेशनल योग दिवस (21 जून) पर सरकारी स्कूलों में योगाभ्यास को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों को लेकर सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। योग के प्रति छात्रों को जागरूक करने तथा इसे छात्रों की दिनचर्या में शामिल करने के उद्देश्य से स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश पर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा योगमय झारखंड 2025-26 कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इसके तहत राज्यस्तरीय योग ओलिंपियाड का आयोजन 20 मई

को किया गया। इसी कड़ी में 29 मई से 12 जून तक राज्यस्तरीय योग ओलिंपियाड के चयनित प्रतिभागियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभागी कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में 15 जून से 18 जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय योग ओलिंपियाड में भाग लेंगे।

इधर,11 जून को राज्य के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार होगा। इसमें लाखों विद्यार्थी एक साथ अपने अपने विद्यालयों में एक ही समय पर सूर्य नमस्कार कर इतिहास रचेंगे। यह सूर्य नमस्कार कार्यक्रम सुबह 7.15 से आठ बजे तक होगा। इसके साथ ही छात्र योग प्रोटोकाल अभ्यास भी करेंगे, जिसमें कुल 32 योगाभ्यास शामिल है।

12 जून को सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में योग क्लब का गठन किया जाएगा, जिसमें सात सदस्य होंगे। प्रधानाध्यापक इसके अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा के शिक्षक सचिव, बाल संसद के प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री सदस्य के अलावा योग के प्रति रूचि रखने वाले दो अन्य छात्र इसके सदस्य होंगे।

योग क्लब की जिम्मेदारियों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को विद्यालय स्तर पर बेहतर तरीके से संपन्न कराना, हर सप्ताह के बुधवार और शनिवार को योगाभ्यास कराना, प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को विद्यालय स्तर पर योग प्रतियोगिता का आयोजन कराना सम्मिलित होगा।

इंटरनेशनल योग दिवस के अवसर पर सभी स्कूलों में योग आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें विद्यालय स्तर पर पेंटिंग, निबंध और क्विज प्रतियोगिताएं होंगी।

इंस्टाग्राम से कुरान शरीफ मंगाना युवक को पड़ा भारी, ठगों ने खाते से उड़ाए 85 हजार रुपये

गिरिडीह, एजेंसी। इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान शरीफ को हैदराबाद से मंगाने के लिए ऑनलाइन आर्डर करने वाले शख्स को यह आर्डर महंगा पड़ा और साइबर ठगों ने अपने बुने जाल में फांसते हुए उसके खाते से पलक झपकते ही 85,300 रुपये उड़ा लिए।

पीड़ित युवक इमामुल अंसारी बगोदर थाना क्षेत्र के डोरियो गांव का रहने वाला है। उसने इसकी एनसीसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करने के बाद साइबर थाने में आवेदन देकर गुहार लगाई है। उसने बताया कि साइबर ठगों ने उसे एक लिंक भेजकर अपने घर का पता अपडेट करने को बोला और जैसे ही उसने लिंक को अपडेट किया, उसके खाते से 85,300 रुपये गायब हो गए।

यह रकम फिलिपींस करेंसी के रूप में टपाई गई। फिलिपींस करेंसी के रूप में इसका 55,200 रुपये मूल्य है, जबकि उसकी भारतीय करेंसी में 85,300 रुपये मूल्य है। पवित्र ग्रंथ कुरान शरीफ तो घर पर आया नहीं, लेकिन ठगों ने अपनी करतूत दिखा दी।

इंटरनेट मीडिया इंस्टाग्राम पर आने वाले ऑनलाइन खरीदारी के लिंक पर पवित्र कुरान शरीफ के लिए पहले उसमें दिए गए नंबर पर संपर्क किया। इसके बाद कुरान शरीफ का आर्डर किया। दूसरी ओर से बात करने वाले ने इमामुल को कोई भी लिंक टच करने के लिए एहतियातन मना किया था, लेकिन उसके ही बुने जाल में वह फंस गया। पीड़ित के वाट्सएप नंबर पर इंडियन पोस्टल का एक लिंक भेजा गया और घर का पता अपडेट नहीं रहने का हवाला देते हुए आर्डर की प्राप्ति के लिए पता अपडेट करने बोला गया। अपडेट करने के बाद खाते से राशि टपा ली गई।

ठगों ने पता अपडेट करने के लिए जो लिंक भेजा उसे अपडेट करने के एवज में 25 रुपये का चार्ज कटने की बात कही। इसके बाद पीड़ित ने लिंक खोलकर उसमें एटीएम कार्ड होल्डर का नाम, कार्ड का नंबर, कार्ड की वैधता व पिन नंबर डाला। इसके बाद जन्मतिथि डालने के लिए कहा तथा ओटीपी आने पर उसे भी डालने के लिए बताया गया। इतना करने के बाद खाते में पड़ी राशि साफ हो गई।

ठगों ने पीड़ित को जो लिंक भेजा था, वह लिंक इंडियन पोस्टल का बनाया हुआ था। इसमें इंडिया पोस्ट का लोगो भी लगा हुआ था जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया था कि वह डाक के लिंक से अपडेट कर रहा है।

इमामुल ने बताया कि घर में दो-दो सदस्यों को पैरालाइसिस अटैक कर गया है जिससे वे बीमार रहते हैं। उनके इलाज के लिए कब पैसे की जरूरत पड़ जाए, इसी को ध्यान में रखकर खाते में उक्त राशि को जमा कर रखे थे ताकि समय पर इलाज में काम आ सके, लेकिन किन ठगों ने झांसा देकर चपत लगा दी।

गुमला में रोड एक्सीडेंट, दो की मौत:बसिया में अलग-अलग हादसे में हुई घटना

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के बसिया प्रखंड में शुक्रवार को अलग-अलग दो हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना में दो बाइक की टक्कर में एक किशोर की जान चली गई। वहीं, दूसरी घटना में पिकअप वैन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कामडारा के बानपुर डेम्बू टोली निवासी कृष्णा मुंडा (16) और बसिया प्रखंड के मोरिंग गांव के रहने वाले रामू राम के रूप में की गई।

पहली घटना बसिया थाना क्षेत्र के कलिगा गांव में हुई। कृष्णा मुंडा अपने दो साथियों के साथ बाइक से साकिया गांव जा रहा था। उसके साथ पारही चंगाबारी निवासी कर्मा भेंगरा (18) और समीर मुंडा (18) थे। कलिगा गांव के पास उनकी बाइक की टक्कर सामने से आ रही दूसरी बाइक से हो गई।

दूसरी बाइक पर बड़गी टोली तमड़ा, सिमडेगा निवासी श्याम तिर्की (23) और अरबिंद किंडो (20) सवार थे। हादसे में बाइक चला रहे कृष्णा मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बसिया रेफरल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद समीर मुंडा, श्याम तिर्की और अरविन्द किंडो को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वहीं, दूसरी घटना बसिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत पौतरा गांव की है। जहां एक बाइक सवार को तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। इसके कारण बाइक सवार रामू राम की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने पिकअप के चालक से मारपीट की और वाहन में तोड़फोड़ भी किया। इस दौरान ग्रामीणों ने रांची-सिमडेगा मुख्य पथ को जाम कर दिया।

कुछ दिनों में ही जरूरत की सभी दवाइयां रिम्स में उपलब्ध हो जाएंगी

रांची, एजेंसी। रिम्स राज्य का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां लोग इस भरोसे से इलाज कराने आते हैं कि उन्हें न सिर्फ इलाज अच्छा मिलेगा, बल्कि दवाएं भी बेहतर मिलेंगी। लेकिन सच्चाई इससे परे है। सच यह है कि रिम्स के स्टॉक में पिछले कुछ महीनों से दवाओं का टोटा चल रहा है। महंगी व गंभीर दवाओं की अनुपलब्धता तो अलग है, छोटी-छोटी परेशानियों में काम आनेवाली दवाएं भी आउट ऑफ स्टॉक हैं। यह जानकर हैरानी होगी कि स्टॉक रिपोर्ट में दस्त के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा जिंक, गैस से निजात दिलाने में इस्तेमाल होने वाली पैन-40 की इंजेक्शन समेत 142 तरह की दवाओं की सूची में से 52 दवाएं उपलब्ध नहीं नहीं हैं।

एलर्जी में काम आनेवाली फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन, इंफेक्शन

व निमोनिया आदि में कारगर मामूली शुल्क की दवा लिवोफ्लोक्सासिन आईवी, एंटीबायोटिक कैप्सूल एमॉक्सीसिलिन 500 एमजी, जोड़ों में दर्द की टैबलेट ओलूमिएंट 4-एमजी समेत काफी दवाइयां स्टॉक में नहीं हैं। नतीजतन रिम्स में भर्ती होने वाले मरीज ये सभी दवाएं बाहर निजी दवा दुकान से खरीदने को विवश हैं। ट्रिम्स के स्टॉक में कुछ दवाएं उपलब्ध नहीं है, जिसकी खरीद प्रक्रिया में है। ऑर्डर किया जा चुका है। लेकिन सूची की कुछ दवाएं स्टॉक में उपलब्ध हैं। कुछ दिनों के भीतर ही जरूरत की सभी दवाएं उपलब्ध होंगी।

डॉ. राजीव रंजन, पीआरओ, रिम्स। दवाओं और सर्जिकल आइटम्स की कमी के कारण लगभग सभी विभागों से रिम्स के स्टोर में मांग पत्र भेजा गया है। जिसमें संबंधित विभागों में कितने तरह की दवाएं व सर्जिकल सामग्री की आवश्यकता है, इसकी जानकारी दी गई है। न्यू ट्रॉमा सेंटर के स्टोर की स्थिति भी दयनीय है। यहां भी दवाओं की कमी तो है ही, सर्जिकल आइटम भी उपलब्ध नहीं हैं। यूरीन कलेक्शन बैग, टीपीएन चैंबर बैग, अंबु बैग, डिस्पोजेबल सीरिंज, वेंटिलेटर सर्किट समेत नाक से खाना खिलाने के लिए लगाया जाने वाला राइल्स ट्यूब भी नहीं है। इसके अलावा मरीजों के ट्रीटमेंट की जानकारी लिखने के लिए ट्रीटमेंट चार्ट भी खत्म है।

1. टैबलेट सेराटियोपेप्टाइडेन डायक्लोफेन सोडियम 2. टैबलेट आइवरमेक्टिन 3. टैबलेट ओलुमिएंट 4 एमजी 4. टैबलेट जिंक 5. कैप्सूल एमोक्सिसिलिन 500 एमजी 6. टैबलेट मोंटेलुकास्ट लेवोसेट्रीजिन 7. टैबलेट एसेटाइलसिस्टीन 600 एमजी 8. इंजेक्शन ऑक्सालिप्लाटिन 100 एमजी 9. इंजेक्शन पैक्लिटैक्सेल 10. इंजेक्शन पैंटोप्रेज़ोल 40 एमजी 11. इंजेक्शन फेनेरामिन मालेएट 2 एमएल 12. इंजेक्शन पिपरासिलिन टैजोबैक्टम 4.5 एमजी 13. इंजेक्शन प्रोपोफोल 20 एमएल 14. इंट्रावीनस लेवोफ्लॉक्सासिन 15. इंजेक्शन रेनिटिडिन 2 एमएल 16. इंट्रावीनस नार्मल सलाइन 3 लीटर (सूची में कुल 142 तरह की दवाएं है, इनमें 52 तरह की दवा की मात्रा शून्य है।)

कैंसर पीड़ित टाटा स्टील के मैनेजर ने पत्नी-बेटियों संग की आत्महत्या, मौके से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

गम्हरिया, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर से सटे सरायकेला खरसावां जिले के गम्हरिया में टाटा स्टील के मैनेजर 40 वर्षीय कृष्ण कुमार ने अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी होने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। शुक्रवार शाम घर का दरवाजा तोड़ चारो लोगों के शव निकाले गए।

पड़ोसियों के अनुसार, कृष्ण कुमार कैंसर के साथ अवसाद से भी पीड़ित थे। वह टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स के मुख्य कार्यालय में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत थे और गम्हरिया के चित्रगुप्त नगर में अपने परिवार के साथ रहते थे। माना जा रहा है कि घर के सभी सदस्यों ने गुरुवार रात को आत्महत्या की।

पड़ोसियों को घटना की जानकारी शुक्रवार शाम में हुई, जब कृष्ण कुमार के घर से अचानक तेज दुर्गंध बाहर आने लगी। आसपास रहने वालों को शक हुआ, क्योंकि घर का दरवाजा सुबह से बंद था और कोई हलचल नहीं थी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि भीतर चारो के शव एक ही कमरे में अलग-अलग फंदे से झूल रहे थे। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कृष्ण कुमार की पत्नी डाली देवी 35 वर्ष की थीं, जबकि बड़ी बेटी पिंकी 15 वर्ष की और छोटी बेटी मंइयां सात वर्ष की थी।

पड़ोसियों के मुताबिक, गुरुवार की शाम तक परिवार को मुहल्ले में देखा गया था। बच्चियां खेल रही थीं और माता-पिता दोनों सामान्य दिख रहे थे। किसी ने सोचा भी नहीं था कि वह आत्महत्या कर लेंगे।

सामूहिक आत्महत्या की इस घटना को लेकर कई सवाल भी उठ रहे हैं। परिवार के सभी लोगों ने एक साथ सहमति से जान दे दी या मौत की वजह और परिस्थितियां अलग थी, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पत्नी और बच्चियों ने स्वयं ही जान दी या उन्हें मारा गया, यह भी अभी साफ नहीं है।

पुलिस इनसवालों के जवाब ढूंढने में लगी है। शुक्रवार रात जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो कमरा भीतर से बंद मिला। दरवाजा तोड़ने के बाद ही सब कुछ सामने आया। चारों के शव लटके हुए थे, लेकिन अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस आत्महत्या की आशंका को मजबूत मान रही है, लेकिन कारणों की तलाश जारी है।

पिता सविंद्र तिवारी ने बताया कि बेटा कृष्ण कुमार कैंसर से पीड़ित था। बहू डोली देवी के आग्रह पर वे उसे इलाज के लिए मुंबई ले गए थे। वहां डॉक्टरों ने कीमोथेरेपी की सलाह दी। कहा गया कि यह सुविधा जमशेदपुर में भी है। इसके बाद वह फ्लाइट से बेटे को वापस लेकर आए थे। यहां अस्पताल में भर्ती कराने की प्रक्रिया चल रही थी।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 24-05-2025 22:11 Page 1

ट्रेन की छत पर चढ़े युवक, हाइटेंशन तार से झुलसे

तीन दोस्त चढ़े थे मालगाड़ी पर रील बनाने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। बिहार के खगड़िया जिले में रील बनाने की चक्कर में तीन युवक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। तीनों युवक बुरी तरह झुलस गये। इनका इलाज सदर अस्पताल खगड़िया में किया जा रहा है। इनमें एक की हालत नाजूक बताई जा रही है। घटना अलौली रेलखंड स्थित कामाथान रेलवे स्टेशन की बताई गई है। घायलों की पहचान अलौली थाना क्षेत्र के इचरुआ गांव निवासी कृष्ण क, प्रियांशु कुमार एवं कृष्णा के रुप में की गई है। बताया जा रहा है कि यह सभी कामाथाना रेलवे स्टेशन पर लगी एक मालगाड़ी ट्रेन की छत पर रील बनाने के लिए चढ़े थे। जहां ये सभी करंट की चपेट में आ गए। जिससे घटना घटित हुई है। परिजनों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद सभी को स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया था जहां से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो ये सभी घायल युवक आए दिन रेलवे स्टेशन के बाहर या अन्य जगहों से रील बनाने के चक्कर में रहते थे। लोगों ने बताया कि शनिवार को दोपहर बाद ये सभी कामाथान स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गए। जहां सभी मोबाइल से रील बनाने लगे। इसी दौरान एक युवक ऊपर करंट तार की चपेट में आ गया। इसे बचाने के चक्कर में दो अन्य युवक भी करंट की चपेट में आकर झुलस गए। इधर, मामले में रेलवे प्रशासन से पक्ष जानने की कोशिश की गई। लेकिन, कामाथान रेलवे स्टेशन प्रशासन के द्वारा कॉल रिसिव नहीं किया गया।

कार्यालयों की रैंकिंग जारी

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा नियमित रूप से अंचल कार्यालयों से लेकर जिलों तक किये जा रहे राजस्व कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसका उद्देश्य आमजनता को राजस्व विभाग की सेवाओं का लाभ समुचित रूप से दिलाना है। इसी क्रम में विभाग द्वारा राज्य के सभी 534 अंचल कार्यालयों की समीक्षा कर उनकी अप्रैल माह की रैंकिंग जारी की गई है। अंचल कार्यालयों की रैंकिंग जारी होने और उनके कार्यों की लगातार समीक्षा से कार्यप्रणाली में क्रमवार सुधार जारी है।

महिला तस्कर के घर शराब पार्टी

दोस्तों के बीच चली गोली, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। गया जिले के आमस थानाक्षेत्र के सांवकला गांव में शुक्रवार की सुबह महिला तस्कर के घर में चल रही शराब पार्टी में दोस्तों के बीच गोली चल गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सांवकला गांव निवासी अर्जुन मांझी के 20 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार के रूप में हुई है।

वह सुबह में ही ममेरे भाई की बरात से लौटा था। इसके कुछ ही देर बाद वह दोस्तों के साथ तस्कर के घर पहुंच गया और जाम का दौर चलने लगा। नशे में धुत होने के बाद किसी बात पर दोस्तों में विवाद हो गया, इसपर एक ने पिस्तौल निकालकर चंदन को गोली मार दी।

घटना के बाद महिला शराब तस्कर और युवक उसके साथी भाग निकले। इधर, फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो देखा कि चंदन खून से लथपथ पड़ा है। लोग उसे उठाकर निकट के निजी चिकित्सक के यहां ले गए, उन्होंने मृत घोषित कर दिया।

इस बीच मुखबिर ने पुलिस को हत्या की सूचना दी तो थानाध्यक्ष पवन कुमार दलबल समेत मौके पर पहुंचे और इधर-उधर छिपे मृतक के तीन साथी और महिला सहित पांच लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। थानाध्यक्ष ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही घटना का कारण स्पष्ट हो जाएगा और मुख्य आरोपित पकड़ लिया जाएगा।

शेरघाटी एएसपी शैलेंद्र सिंह ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। उन्होंने शराब की तस्करी रोकने को कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। इधर, शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कालेज में पोस्टमार्टम करा स्वजन को सौंप दिया।

शिक्षा का अधिकार कानून के तहत बच्चों का नामांकन हो सुनिश्चित : उपायुक्त

उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक, एसडीजी के संकेतकों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त शशि रंजन शनिवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में जिले के सतत विकास लक्ष्य को लेकर विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एसडीजी के संकेतकों पर चर्चा की। उपायुक्त शशि रंजन ने शिक्षा विभाग से जुड़े संकेतकों पर चर्चा करते हुए शिक्षा का अधिकार कानून के तहत निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रवेश कक्षाओं में बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराने को लेकर प्रधानाध्यापकों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया। समाज कल्याण विभाग अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का नामांकन व प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि का डेटा संग्रह का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग सहित

विभिन्न विभागों के इंडिकेटरों पर चर्चा की। उपायुक्त ने विभिन्न विभागों द्वारा संग्रह डाटा का सही से मिलान करने व वास्तविक डेटा की प्रविष्टि करते हुए प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, नगर आयुक्त जावेद हुसैन सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

वाहन की ठोकर से मौत

सीवान। सीवान के बड़हरिया थाना क्षेत्र के सीवान-लकड़ी मुख्य मार्ग पर स्थित आजाद मोड़ के समीप शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

रेड़मा देवी मंदिर में चोरी, श्रद्धालुओं में रोष

मां दुर्गे की नथिया निकाल ले गए चोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । रेड़मा स्थित देवी मंदिर में शनिवार को चोरी हो गई। चोरों ने मां दुर्गे की प्रतिमा से सोने की दो नथिया उड़ा ले गए। चोरी की यह घटना शनिवार की सुबह 7 से 7.45 के बीच की है। समाचार के अनुसार देवी मंडप के ठीक बगल में रहने वाले पंडित रामनाथ मिश्रा की पत्नी माला मिश्रा प्रत्येक दिन की तरह शनिवार को मंदिर का ताला खोलकर साफ सफाई करने पहुंची। वे मंदिर परिसर की साफ सफाई करने के बाद घर लौट गईं। साफ -सफाई किए जाने के बाद तीन व्यक्ति बारी-बारी से पूजा करने पहुंचे। पूजा करने के पश्चात वे सभी अपने घर चले गए। जब माल मिश्रा स्नान कर मंदिर में पूजा करने पहुंची तो देखा कि मां दुर्गे की प्रतिमा के ऊपर लगाए गए शीशे को तोड़ डाला गया है। ध्यान से देखने पर पता चला कि माता की प्रतिमा से दो नथिया भी गायब हैं। उन्होंने तुरंत बाहर आकर इसकी सूचना अगल-बगल के लोगों को दी। चोरी की घटना की जानकारी चारों तरफ फैल गई। अगल-बगल सहित रेड़मा गांव के कई सारे लोग जुट गए। गांव वालों का कहना था कि हो ना हो नशापान करने वाले किसी हीरोइनची का ऐसा काम है। लोगों ने घटना की जानकारी टीओपी- टू के थाना पुलिस को दी। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर मंदिर का जायजा लिया। कई

लोगों से पूछताछ की। लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। माला मिश्रा ने बताया कि इसके पूर्व भी दो बार चोरी की घटना घटित हुई है। इसी वर्ष चैत नवमी के 10 दिन पूर्व मां दुर्गा की प्रतिमा से सोने का टीका व नथिया की चोरी हुई थी। उसके दो माह पूर्व भी चोरी की घटना घटित हुई थी उस समय भी मां दुर्गे की प्रतिमा से सोने के गहने को चोरों ने चोरी कर ली थी। कूल मिलाकर मंदिर में तीन बार चोरी की घटना घट चुकी है। लेकिन अब तक किसी को पकड़ा नहीं गया है।

स्मारक स्थल का दीपांकर ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड मार्क्सवादी चिंतक लोकप्रीय मजदूर नेता पुर्व सांसद कॉम. ए के राय स्मारक स्थल का निर्माण कार्य को निरीक्षण करने हेतू भाकपा माले महासचिव कॉम.दीपांकर भट्टाचार्य, पोलित ब्यूरो सदस्य कॉ. हलधर महतो, पोलित ब्यूरो सदस्य सह राज्य सचिव मनोज भक्त, केंद्रीय कमिटी सदस्य शुभेंदु सेन, गीता मंडल, आर डी मांझी नूतनडीह जगजीवन नगर केंद्रीय अस्पताल निर्माणधीन कॉ एके रॉय स्मारक स्थल पहुंचे। इस मौके पर माले जिला सहसचिव कार्तिक प्रसाद, स्मारक समिति के उपाध्यक्ष सम्राट चौधरी तथा सचिव सत्यनारायण कुमार के अलावा राम प्रकाश महतो, भगतु प्र. महतो तथा कई अन्य लोग मौजूद थे ।

कैसे पहचान होगी बंग्लादेशियों की, सरकार के सामने बड़ी चुनौती

फर्जी जन्म प्रमाण व आधार बनाने का हो चुका है भंडाफोड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। बांग्लादेशी घुसपैठिया खुद की पहचान छुपाने के लिए पता पूछने पर कहते हैं कि बंगाल के हैं। बंगाल में कहां रहते हैं इस पर जवाब देने के बजाए ऐसे लोग सीधे तौर पर मौन साध लेते हैं।खास बात यह कि इस मामले में घुसपैठियों की जुबां एक हैं। मतलब यह कि झारखंड के संताल परगना के साहिबगंज से लेकर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता तक ऐसे लोग एक ही जुबां बोलते हैं कि वे लोग बंगाल के निवासी हैं।

जानकार बताते हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठिया पहले पश्चिम बंगाल की सीमा में प्रवेश करते हैं और इसके बाद संताल परगना में आकर यहां फर्जी दस्तावेज तैयार करवाते हैं।

इसके लिए एक संगठित गिरोह इन क्षेत्रों में काम कर रहा है। यहां से अवैध व फर्जी दस्तावेजों के जरिए वैध नागरिकता के दस्तावेज तैयार कराने के बाद फिर ये लोग देश के दूसरे हिस्से में भी जाकर रहते हैं। जानकारों के मुताबिक बांग्लादेशी घुसपैठिया अपनी पहचान छुपाने के लिए हर तरह का हथकंडा अपनाते हैं और सरकार व प्रशासन को भ्रम में डालकर इनकी आंखों में धूल झोंक कर ठाट से भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती इलाकों में बस गए हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठिया अपनी पहचान छुपाने के लिए सरकारी व गैर-सरकारी दस्तावेजों का भी बखूबी इस्तेमाल करते रहे हैं।

संताल परगना के विभिन्न सरकारी दफ्तरों में भी ऐसे लोगों ने इस कदर अपनी घुसपैठ व पहचान बढ़ा ली है कि इन्हें सरकार की गतिविधियों का पता आसानी से चल जाता है और ये फिर अपने बचाव में जुट जाते हैं।

बहरहाल, भारत की ओर से पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों के ठिकानों पर हुई हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बार फिर से सख्ती बरतते हुए घुसपैठ के मामले में कड़ा एसओपी जारी किया है।

इस एसओपी के निर्देशों के बाद संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के अलावा म्यांमार के रोहिंग्या को चिह्नित कर इन्हें वापस भेजने की बड़ी चुनौती प्रशासन के समक्ष होगी।

दरअसल कि तय एसओपी से इतर भी इन इलाकों में कई ऐसी परिस्थितियां हैं जिसकी वजह से संताल परगना के सीमावर्ती इलाकों में अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी घुसपैठिया अपनी पहचान आसानी से छुपा लेने में सफल हो जाते हैं, जिसमें यहां के जमाबंदी नेचर की जमीन शामिल है। संताल परगना में घुसपैठिया फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र से लेकर आधार व वंशावली तक बनवा लेने में सफल हो रहे हैं।

पूर्व में ऐसे फजीर्वाड़ा का फंडाफोड़ होने के बाद राज्य सरकार के स्तर से भी कार्रवाई की पहल की गई थी लेकिन इस पहल के बाद फजीर्वाड़ा के खेल पर किस हद तक पाबंदी लग पाई है यह जांच का विषय अब भी है।

राजमहल से भाजपा के पूर्व विधायक अनंत ओझा ऐसे मामलों को विधानसभा में भी उठा चुके हैं। झारखंड हाईकोर्ट भी अवैध घुसपैठ के मामले में जिले के उपायुक्तों को हलफनामा दायर करने का आदेश दे चुकी है, लेकिन जानकारों का मानना है कि इन तमाम प्रयासों के बाद भी घुसपैठिया व घुसपैठ के अवैध खेला पर नकेल कसा जाना शेष है।

प्रांतीय खेलकूद कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। विद्या विकास समिति द्वारा आयोजित सरस्वती विद्या मंदिर कुम्हारटोली , हजारीबाग में 36वां प्रांतीय खेलकूद कबड्डी एवं खो खो प्रतियोगिता संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, 9डी बोकारो के अंडर-19 तरूण वर्ग भैया की टीम ने कबड्डी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आज वंदना सभा में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सह सचिव जीपी सिंह एवं प्रधानाचार्य राजेंद्र कामत द्वारा टीम की इस उपलब्धि पर उन्हें सम्मानित किया।

सह सचिव ने इस उपलब्धि की लिए सभी को शुभकामना एवं भविष्य में और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए आशीर्वाद दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र कामत ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलकूद , खासकर भारतीय खेल खेलने से खेल के प्रति रुचि बढ़ती है, देशभक्ति की भावना जागृत होती है और हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ खेल में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।शारीरिक शिक्षा के आचार्य प्रभात कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 946 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। तरुण वर्ग में पूरे प्रांत में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 द बोकारो द्वितीय स्थान पर रहा। सभी आचार्यगण ने विजेता को उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

बीएसएल में रोल ग्राइंडिंग मशीनों का नवीनीकरण

गुणवत्ता एवं परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय प्रगति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के रोल ग्राइंडिंग एंड बेयरिंग शॉप (आरजीबीएस) के अंतर्गत एचआरएम शॉप में स्थित रोल ग्राइंडिंग मशीनें सीएनसी 9 और सीएनसी 10 का सफलतापूर्वक नवीनीकरण किया गया है। इस महत्वपूर्ण तकनीकी उन्नयन का औपचारिक उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) सीआर महापात्रा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में आरजीबीएस विभाग के मुख्य महाप्रबंधक केके पांडे ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए नवीनीकरण कार्य में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, ठेका श्रमिकों एवं मैसर्स मैक्सिस मोशन की टीम के समर्पित योगदान की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस नवीनीकरण के फलस्वरूप सीएनसी मशीनों से उत्पादित रोल की गुणवत्ता तथा परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो हॉट स्ट्रिप मिल के उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

मुख्य अतिथि महापात्रा ने अपने संबोधन में विभाग की प्रतिबद्धता, तकनीकी दक्षता और सतत सुधार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस उन्नयन को बीएसएल की उत्पादन क्षमताओं को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की

दिशा में एक सार्थक पहल बताया और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को इसी प्रकार समर्पणभाव से कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) वीके सिंह, मुख्य महाप्रबंधक आरके झा, मुख्य महाप्रबंधक (एचआरसीएफ) पीके वर्मा, तथा आरजीबीएस विभाग के महाप्रबंधक पीपी. राव एवं नागेश रामटेके समेत विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सहायक महाप्रबंधक (आरजीबीएस) नंद कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

औषधि वाहन से ढोया जा रहा चारा

बेगूसराय। सरकार जहां स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं जमीनी स्तर पर इन संसाधनों का दुरुपयोग थमने का नाम नहीं ले रहा। ताजा मामला जिले के हवेली खड़गपुर से सामने आया है, जहां राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा आवंटित मुफ्त जन औषधि वाहन का उपयोग मवेशियों का चारा ढोने के लिए किया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो हवेली खड़गपुर-तारापुर मुख्य मार्ग स्थित कंटिया बाजार के पास का है, जहां एक जुगाड़ गाड़ी से लाया गया चारा औषधि वाहन में लोड किया गया। यह भी जानकारी मिली है कि इससे पहले भी उक्त वाहन का उपयोग चारा ढोने के लिए किया गया था। जब इस मामले को लेकर सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिन्हा से बात की गई तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वाहन चालक ने निजी कार्य के लिए सरकारी वाहन का दुरुपयोग किया है। उन्होंने बताया कि चालक से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

महाअधिवक्ता कक्ष रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। शिक्षामित्र हाईकोर्ट मिशन टीम धनबाद झारखंड के द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर आज शनिवार महाधिवक्ता कक्ष रांची में समान काम का समान वेतन को लेकर दायर याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए ऋषि भारती की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर सरकार से यथाशीघ्र अपनी मांगों को मीडिया के माध्यम से झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आशुतोष आनंद तथा वर्तमान सरकार से शिक्षामित्रों के पक्ष में अविलंब सुनवाई की मांग को लेकर विभिन्न प्रपत्रों को अधिवक्ता के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बताते चलें कि इस मुकदमे को लेकर कई बार सुनवाई हो चुकी है तथा इस बार जून में अंतिम फैसले की सुनवाई मुकरर की गई है। साथ ही आज की वार्ता बहुत ही सकारात्मक रही एवं यथाशीघ्र निर्णय का वचनबद्धता दोहराई।

उच्च न्यायालय की महाधिवक्ता ऋषि भारती इस मुकदमे को लेकर क्या कुछ अपटेड देती है सुनते हैं उन्हीं की जुबानी। मौके पर शिक्षामित्र हाईकोर्ट मिशन टीम की ओर से मोहम्मद जाहिद हुसैन, निलांबर रजवार मोहम्मद महमूद आलम,गिरिश चन्द्र शाह समेत कई शिक्षामित्र उपस्थित थे।

पार्टी को मजबूत कर भ्रष्टाचार व बेरोजगारी पर आन्दोलन करेगी भाकपा : रुचिर तिवारी

राज्य परिषद की बैठक में हुआ तय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राज्य परिषद की बैठक सूर्यपत सिंह की अध्यक्षता में रांची कार्यालय में हुई। बैठक में मुख्य रूप से राज्य सचिव महेंद्र पाठक, अजय सिंह, सुरेश ठाकुर, गणेश सिंह व रामस्वरूप राम उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी ने पलामू जिला में व्याप्त भ्रष्टाचार, घूसखोरी बेरोजगारी व जन समस्याओं से अवगत कराया। तिवारी ने कहा कि पूरे झारखंड सहित पलामू जिला में भ्रष्टाचार व घूसखोरी चरम पर है। अंचल कार्यालय से लेकर प्रखंड कार्यालय तक थाना से लेकर जिला तक बिना पैसा के कोई काम नहीं हो

रहा है। आम आदमी को ब्लॉक स्तर पर काम करने के लिए दौड़ना पड़ रहा है।

उनका चप्पल टूट जा रहा है। केंद्र सरकार की योजना धरातल पर नहीं उतर पा रही है। राज्य सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार पर खूब बोलते हैं। लेकिन भ्रष्टाचार पर लगाम कैसे लगेगा व कैसे राज्य में अंचलाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी से लेकर थानेदार तक आम जनता को बिना परेशान किए आसानी से काम करेंगे, इस पर फोकस नहीं है। देश व राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसका कारण केंद्र व राज्य सरकार की उदासीनता है। राज्य में एक भी बहाली बिना जांच के नहीं हो पा रही है। जबकि सभी सरकारी संस्थानों में पदों की संख्या खाली पड़ी हुई है।

कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पलामू जिला सहित पूरे झारखंड राज्य में बेरोजगारी व भ्रष्टाचार पर आंदोलन करेगी। इसके लिए यह वर्ष संगठनात्मक रूप से मनाएगी व पार्टी को मजबूत कर भ्रष्ट पदाधिकारी पर नकेल कसा जाएगा।

दो गाड़ियों की टक्कर में चली गोलियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। अचानक हुए गोलीबारी से इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया। इस दौरान एडीजी लॉ आर्डर के बॉडीगार्ड से भी मुठभेड़ हो गई। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। फिलहाल मौके पर पुलिस आसपास के सीसीटीवी को खंगाल रही है। मामला श्री कृष्णापुरी थाना क्षेत्र के पॉश इलाके बोरिंग रोड की है। फिलहाल पटना के एसएसपी अवकाश कुमार भी घटना स्थल पर मौजूद हैं।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि न्यू पुनाईचक बोरिंग कैनाल रोड स्थित इंदिरा भवन के पास एक सफेद रंग की इनोवा और काले रंग की स्कॉर्पियो में टक्कर हो गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में बहस होने लगी। बहस के दौरान अचानक गोलीबारी होने लगी। गोली की आवाज सुनकर इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया। तभी उधर से एडीजी लॉ एंड आर्डर पंकज दरार गुजर रहे थे। गोलियों की आवाज सुनकर उनके बॉडीगार्ड तुरंत गाड़ी से उतरे और अपराधियों की तरफ बढ़ गये। पुलिस को अपनी ओर आते देख अपराधी इन सुरक्षाबलों पर भी गोलियां बरसाने लगे। कुछ देर तक दोनों तरफ से गोलियां चलीं, लेकिन इसी बीच अपराधी किसी तरह खुद को बचाते हुए वहां से फरार हो गये।

घटना की सूचना मिलते ही पटना एसएसपी अवकाश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। घटना के संबंध में एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि कुछ अपराधियों ने एक गाड़ी पर फायरिंग क्र रहे थे। उसी समय डीजी लॉ एंड आर्डर पंकज दरार गुजर रहे थे। इसी दौरान उनके सुरक्षा कर्मियों ने उनपर जवाबी कार्रवाई की, लेकिन वे सभी अपराधी मौके से फरार हो गये।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना – 2025-26

सीसीआरटी विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों जैसाकि संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, मूर्तिकला, शिल्पकला और साहित्यिक कला के परंपरागत रूपों में ऐसे दुलर्भ कला रूपों पर विशेष जोर देते हुए जो विलुप्त होने के कगार पर है, विशिष्ट प्रशिक्षण दिलाने के लिए या तो मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाई कर रहे अथवा परंपरागत प्रदर्शन कलाओं से जुड़े परिवारों के 10 से 14 वर्ष के आयु वर्ग में (अंतिम पात्रता तिथियों के अनुसार) चयनित उत्कृष्ट प्रतिभासंपन्न बच्चों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना लागू करता है। इस योजना के अंतर्गत प्रदान की गई छात्रवृत्ति एक बार में दो वर्ष के लिए होती है जो शिक्षा की प्रथम विश्वविद्यालय डिग्री चरण या 20 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, छात्रवृत्तिधारक के संतोषजनक प्रगति बनाए रखने की शर्त के साथ प्रत्येक दो वर्ष के बाद नवीकरणीय होती है। नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार प्रत्येक वर्ष 650 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं:

सामान्य श्रेणी और अन्य के लिए छात्रवृत्तियां 375	परंपरागत कलाकार परिवारों के लिए 125 छात्रवृत्तियां
जनजातीय संस्कृति /अनुसूचित जनजाति के लिए 100 छात्रवृत्तियां	अलग रूप से सक्षम (दिव्यांग) बच्चों के लिए 20 छात्रवृत्तियां
सृजनात्मक लेखन/साहित्यिक कलाओं के लिए 30 छात्रवृत्तियां	

छात्रवृत्ति का मूल्य रुपए 3600/- (रुपए तीन हजार छह सौ मात्र) प्रति वर्ष है और विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए रुपए 9000/- (रुपए नौ हजार मात्र) प्रति वर्ष तक वास्तविक शिक्षण शुल्क का भी भुगतान किया जाता है। जिन बच्चों की जन्म –तिथि 01-07-2011 और 30-06-2015(दोनों तिथियां शामिल हैं) के बीच है वे वर्ष 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के पात्र हैं। आवेदन –पत्र और अन्य ब्यौरे सीसीआरटी की वेबसाइट-www.ccrtindia.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं या निम्नलिखित में से किसी भी पते से स्वयं /डाक द्वारा मुफ्त प्राप्त किए जा सकते हैं:

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, 15 ए, सैक्टर-7, द्वारका,नई दिल्ली - 110075 दूरभाष - 011-25088638 ई-मेल -ddsch.ccrt@nic.in वेबसाइट - www.ccrtindia.gov.in	सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, 1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं.64, समीप गूगल ऑफिस, माधापुर,हैदराबाद - 500 084, दूरभाष - 040-23117050एवं 23111910 ई-मेल - rchyd.ccrt@nic.in
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हवाला खुर्द, बड़गाँव,उदयपुर, राजस्थान-313001 दूरभाष - 0294-2430764, टैलीफैक्स - 0294-2430771 , ई-मेल - rcud.ccrt@nic.in	सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, 58, जूरीपार, पंजाबाड़ी रोड, गुवाहाटी – 781037, असम दूरभाष - 0361-2330152 , टैलीफैक्स - 0361-2335316 , ई-मेल -rcgwt.ccrt@nic.in
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग, दमोह, मध्य प्रदेश-470661 दूरभाष - 07812-299187 ई-मेल - rcdamoh-ccrt@gov.in	

CBC 09127/12/0001/2526

संलग्न दस्तावेजों के साथ विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र सोमवार, 30 जून 2025 को या इससे पहले सीसीआरटी, नई दिल्ली -110075 में पहुँच जाना चाहिए। डाक में किसी भी विलंब के लिए सीसीआरटी जिम्मेदार नहीं होगा और अंतिम तारीख के बाद प्राप्त आवेदन - पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

महिलाओं एवं किशोरियों के प्रजनन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने पर दिया जा रहा जोर : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि महिलाओं और किशोरियों के प्रजनन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता जागरुकता संबंधी आयोजन किए जा रहे हैं। उसी क्रम में 28 मई को किशोरियों एवं महिलाओं में स्वच्छता का ख्याल रखने के प्रति राज्य में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जागरूकता कार्यक्रम 28 एवं 30 मई को पटना के दो स्कूलों (राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गर्दनीबाग व राजकीय कन्या मध्य विद्यालय अदालतगंज) में आयोजित होगा। इसके अतिरिक्त राज्य के 26 जिलों के एक-एक विद्यालय एवं जिलों द्वारा चयनित किन्ही 3 प्रखंडों के एक- एक विद्यालय में 26 मई से 31 मई 2025 तक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। इस दौरान समुदाय के बीच मासिक धर्म देखभाल, मासिक स्वच्छता एवं उस दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी। सभी जागरूकता कार्यक्रम राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयोजित होगी। श्री पांडेय ने कहा कि महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता पर किशोरियों और महिलाओं को जागरूक करना बहुत आवश्यक है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियों को किया जाएगा जिसमें शैक्षणिक कार्यशाला एवं सेमिनार, रैली, क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण के साथ विद्यालयों में जागरूकता सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान से जुड़कर छात्राएं न केवल स्वयं जागरूक होंगी बल्कि समाज में भी सकारात्मक संदेश पहुंचाएंगी। श्री पांडेय ने कहा कि महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए सरकार की ओर से हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। महिला स्वच्छता एक सामान्य जैविक प्रक्रिया है। अस्वच्छता इसकी सबसे बड़ी दुश्मन बन सकती है। राज्य में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत महिलाओं और किशोरियों को स्वच्छता के लिए अस्पताल स्तर पर उचित सलाह प्रदान करायी जाती है। सरकार स्वस्थ बिहार की परिकल्पना में किशोरी एवं महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य को प्राथमिकता से शामिल करने की दिशा में प्रतिबद्ध है।

3218 छात्राओं ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में लिया एडमिशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में नये सत्र में एडमिशन के लिए 3500 का लक्ष्य रखा गया है। जिले के 33 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अब तक 3218 छात्राओं ने विभिन्न क्लास में एडमिशन लिया है। इसमें टाइप 4 श्रेणी के स्कूलों में कक्षा 9वीं और 11वीं, टाइप वन श्रेणी के स्कूलों में कक्षा छह, टाइप 3 श्रेणी के स्कूलों में कक्षा छह, नौ और 11वीं में कुल 3218 छात्राओं ने एडमिशन लिया है। जिले के कुल 33 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 31 मई तक 3500 एडमिशन का लक्ष्य रखा गया है। 31 मई तक कक्षा छह और 9वीं में इच्छुक छात्राएं एडमिशन ले सकती हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में छात्राओं को निशुल्क आवासीय सुविधा के साथ ही प्रति माह हेल्थ चेकअप, मेडिकल इंशोरेंस, प्रतिमाह 100 रुपये स्टाइपेंड मनी और स्टेशनरी के साथ ही यूनिफॉर्म की सुविधा प्रदान किया जाता है।

विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक संतुलन के महत्व के प्रति किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के चयनित स्वयंसेवकों ने विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी (शाखा- पटना) द्वारा आयोजित 'युवा नेतृत्व कार्यशाला' में अत्यंत उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। कार्यशाला में सभी नामित स्वयंसेवक समय पर उपस्थित हुए और उन्होंने पूरे मनोयोग से विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की। कार्यशाला की शुरुआत प्रातः 7 बजे योगाभ्यास सत्र से हुई जिसमें विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक संतुलन के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इसके उपरांत आयोजित समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सत्र में नेतृत्व, नैतिक मूल्य और राष्ट्रीय चेतना जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया जिससे प्रतिभागियों के चिंतन और दृष्टिकोण में परिपक्वता आई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सजगता और सकारात्मक दृष्टिकोण का संचार करना था। छात्रों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सभी सत्रों में सक्रिय सहभागिता दिखाई। कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार साव ने कहा ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में सहायक होते हैं, बल्कि उन्हें एक जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं। बी. डी. कॉलेज, पटना से कार्यशाला में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों में जानवी यादव, सपना सिंह, नेहा कुमारी, रेशमी कुमारी, दीप्ती कर्ण, जयश्री, अलीशा कुमारी, इशिता रतन सिंह, गौरव कुमार, इशिका रॉय, टाइशन कुमारी सिंह, उज्ज्वल कुमार दूबे, विकास कुमार, अमित कुमार ठाकुर और अमन कुमार साहनी शामिल थे।

आयुर्वेद के महान चिकित्सक वैद्यनाथ ओझा की पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जाने माने समाज सेवी, आयुर्वेदाचार्य एवं स्वतंत्रता सेनानी वैद्यनाथ ओझा की 34वीं पुण्यतिथि संचारनगर खगौल में 'वैद्यनाथ जानकी सामाजिक सेवा संस्थान' के तत्वावधान में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ ओझा की अध्यक्षता में मनाई गई।

इस अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'वैद्यनाथ ओझा एवं राजनीति'। अपने अध्यक्षीय संबोधन में अमरेंद्र नाथ ओझा ने बताया कि स्वर्गीय वैद्यनाथ ओझा के नजरों में राज नीति का सीधा संबंध जन सेवा और विचारों की शुद्धता से होनी चाहिए, लेकिन आज राजनीति पतन की ओर अग्रसर है जिसके मूल में रजनीतिज्ञों की पदलोलुपता, स्वार्थपरायणता तथा अनैतिकता है।

संगोष्ठी के परिचर्चा में भाग लेते हुए संस्थान के संरक्षक और बिहार प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत पुरूषोतम ओझा ने स्वर्गीय ओझा जी के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका रहन सहन और दिनचर्या से एक ओर जहां उनके विचारों की ऊंचाई और जनसेवा की भावना स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है वही दूसरी ओर राजनीति भी सच्चे अर्थों में परिभाषित होती है। अपने विचारों को व्यक्त करते हुए बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट विनीत रंजन ने बताया कि अपने जीवन में उनके आचरण को अपना लेने मात्र से ही हम राजनीति सहित अन्य क्षेत्रों में भी सुचिता को प्राप्त कर सकते हैं। संगोष्ठी में भाग लेने और श्रद्धांजलि देने वालों में नन्द कुमार चौबे, उमाशंकर पाठक, बंटी कुमार, श्रीमती आशा, श्रीमति प्रमिला, अयान्श आदि प्रमुख थे।

डकैती करने वाले गिरोह के सात अपराधी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। फतुहा थाना की पुलिस ने घर में घुसकर हथियार के बल पर डकैती की बड़ी घटना को अंजाम देने वाले गिरोह के सात अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग ने पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में फतुहा के गौरिया स्थान निवासी अभिषेक कुमार, गोविंदपुर निवासी रोहित कुमार उर्फ छेदी, फतुहा निवासी गोलू, रॉकी पांडेय, मनीष राज, नदी थाना क्षेत्र के ध्रुव व चंदन (दोनों भाई) शामिल हैं। पूछताछ के बाद फतुहा के ही रहने वाले मां काली ज्वेलर्स दुकानदार मनीष राज को भी गिरफ्तार किया गया है।

तेजप्रताप ने किया 12 साल पुराने प्यार का इजहार, गर्लफ्रेंड अनुष्का के साथ तस्वीर शेयर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजनीति के गलियारों में चौंकाने वाली खबरें आम होती हैं, लेकिन जब ये खबर दिल से जुड़ी हो तो वो सुर्खियां बन जाती है। इस बार सुर्खियों में हैं राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और बिहार के चर्चित विधायक तेजप्रताप यादव। उन्होंने शनिवार शाम एक ऐसा पोस्ट किया जिसने सियासी हलकों को नहीं, बल्कि दिलों को हिला दिया। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर अपनी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के साथ एक प्यारी सी तस्वीर साझा की और लिखा-'मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है! हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहे हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था, पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं?' तेजप्रताप का यह खुलासा किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं लगा–जहां एक राजनेता, जिसके निजी जीवन को लेकर पहले भी कई बार चर्चाएं हो चुकी हैं, अचानक 12 साल पुराने रिश्ते की घोषणा करता है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें दोनों की बॉन्डिंग और केमिस्ट्री साफ नजर आ रही है। हालांकि तेजप्रताप की शादी और फिर तलाक को लेकर बीते वर्षों में खूब विवाद और चर्चा रही, ऐसे में उनका यह खुलासा कि वे 12 साल से अनुष्का के साथ रिलेशन में हैं लोगों की रूचि का विषय बन गया। राजनीति के मैदान में अक्सर तेज रफ्तार और तीखे तेवर दिखाने वाले तेजप्रताप इस बार बेहद नरम और भावुक अंदाज में नजर आए। उन्होंने यह भी लिखा कि उन्हें बहुत दिनों से इस बात को बताने की इच्छा थी, लेकिन कहने का तरीका नहीं सूझ रहा था। अब जब उन्होंने कह दिया है तो सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है–कोई उन्हें बधाइयां दे रहा है तो कोई पुराने किस्सों की याद दिला रहा है। तेजप्रताप के इस इजहार-ए-मोहब्बत ने यह साबित कर दिया है कि राजनीति की धूल भरी गलियों में भी दिल धड़कते हैं और कभी-कभी 12 साल तक चुपचाप।

साइबर बदमाशों ने आर्मी ऑफिसर बन की 1.28 लाख की ठगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। साइबर बदमाशों ने नालंदा निवासी रवि कुमार को आर्मी ऑफिसर बन कर 1.28 लाख रुपये की ठगी कर ली। उन लोगों ने फोन कर रवि को बताया कि वह दानापुर में पोस्टेड है और उसका ट्रांसफर कश्मीर हो गया है। इसके कारण वह अपना सामान बेचना चाहता है। इसके बाद उसने सामान का फोटो भेजा और 1.28 लाख पर बात फाइनल हुई। रवि ने उसे 1.28 लाख रुपया दे दिया। इसके बाद साइबर बदमाशों ने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। इसके बाद रवि कुमार ने साइबर थाने में केस दर्ज करा दिया है। बाढ़ निवासी रूबी देवी को साइबर बदमाशों ने बैंक अधिकारी बनकर झांसे में लिया और बताया कि आपका बैंक अकाउंट बंद हो गया है। इसके बाद खाता चालू करने मोबाइल फोन का स्क्रीन शॉट शेयर करने को कहा। रूबी ने वैसे ही किया और उनका मोबाइल फोन हैक कर बदमाशों ने खाते से 80 हजार रुपये की निकासी कर ली।

विश्वकर्मा समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक में राजनीतिक भागीदारी और रैली पर होगी चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव भिखारी शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 25 मई को पटना के बेली रोड स्थित होटल बुद्धा रेसीडेंसी में महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्यभर से विश्वकर्मा समाज के सुचारू रूप से कार्यरत संगठनों के प्रमुख, महासंघ के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, सोशलएक्टिविस्ट, जनप्रतिनिधिगण, कर्मवीर युवा एवं मातृत्व शक्ति भाग लेंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों के दृष्टिकोण से जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा गांधी मैदान में एक विशाल रैली आयोजित करने जैसे अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। भिखारी शर्मा ने विश्वकर्मा समाज के सभी लोगों से अधिकतम संख्या में उपस्थित होकर इस निर्णायक चर्चा में भाग लेने की अपील की है।

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में हनुमान जी का चोला पूजन, प्रो. रणवीर नंदन ने निभाई परंपरा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना के प्रतिष्ठित गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी परिसर में शनिवार को हनुमान जी के चोला पूजन का आयोजन हुआ। यह पूजन पूर्व विधान पार्षद प्रो. रणवीर नंदन की अगुवाई में सम्पन्न हुआ जो हर शनिवार इस आध्यात्मिक परंपरा को निभाते हैं। हनुमान जी की यह प्रतिमा गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में लगभग 125 वर्षों से स्थापित है। चोला पूजन की यह परंपरा इस मंदिर की पहचान बन चुकी है जिसे श्रद्धालु विशेष श्रद्धा और विश्वास के साथ निभाते हैं। इस अवसर पर हनुमान जी के पूरे विग्रह पर सिंदूर और चमेली के तेल का लेप चढ़ाया गया, उन्हें नया जनेऊ पहनाया गया और विशेष पूजन विधि से आरती सम्पन्न की गई। प्रो. रणवीर नंदन ने बताया कि हनुमान जी को चोला चढ़ाने से मानसिक, शारीरिक शक्ति में वृद्धि होती है और व्यक्ति ग्रहों के अशुभ प्रभाव, बीमारियों तथा नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त होता है। उनके अनुसार मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करना विशेष फलदायक माना जाता है और चोला पूजन उसमें अत्यंत शुभ है। पूर्व विधान पार्षद और शिक्षाविद प्रो. रणवीर नंदन न केवल राजनीतिक बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भी सक्रिय रहते हैं। हर शनिवार वे इस चोला पूजन में स्वयं भाग लेते हैं जो उन्हें सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी सेवा और निष्ठा के प्रतीक हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में इस तरह की साधना हमें संतुलन और शक्ति देती है। गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में चोला पूजन सिर्फ एक धार्मिक रस्म नहीं बल्कि सामाजिक एकता, अध्यात्म और सनातन परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम है। प्रो. रणवीर नंदन जैसे लोकसेवकों की उपस्थिति इस परंपरा को एक नई ऊंचाई देती है।

भारत के उद्यमियों के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म टाइड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। टाइड, भारत का एक अग्रणी बिजनेस मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म है जो देशभर के छोटे और मझोले कारोबारों (एमएसएमई) को उनके पैसे, कागजात, बिजनेस एडमिन और भुगतानों को एक ही मोबाइल ऐप से मैनेज करने की सुविधा देता है। चाहे कोई कारोबारी अपना व्यापार शुरू कर रहा हो या पहले से एक बढ़ता हुआ बिजनेस चला रहा हो - टाइड उनके लिए काम को तेज, आसान और स्मार्ट बनाता है। इस ऐप की सबसे बड़ी खासियत है इसका सरल और सहज इंटरफेस जिसे पहली बार स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले भी आसानी से चला सकते हैं। यह ऐप खास तौर पर स्थानीय व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिससे वे प्रक्रियाओं की उलझनों से मुक्त होकर सीधे व्यापार की वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर सके। गुरजोधपाल सिंह, सीईओ, टाइड (इंडिया) ने कहा, भारत की विकास यात्रा छोटे कारोबारों के योगदान के बिना अधूरी है। एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, खासकर बिहार जैसे राज्यों में जहां जमीनी स्तर पर उद्यमिता तेजी से बढ़ रही है। टाइड के जरिए हम इन उद्यमियों को ऐसे डिजिटल टूल्स दे रहे हैं जो उनके कारोबार को तेज, आसान और अधिक सुलभ बनाते हैं जो काम पहले हफ्तों में होता था, अब कुछ ही मिनटों में हो जाता है। सही संसाधनों से सशक्त होकर ये कारोबारी भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कानूनी शिकंजे में फंसे राजद से कांग्रेस किनारा कर ले तो आश्चर्य नहीं : संतोष सुमन

लैंड फॉर जॉब स्कैम के धन शोधन मामले में दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने पर फैसला सुरक्षित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोप में कानूनी शिकंजे में कसते जा रहे राजद सुप्रीमो से कांग्रेस किनारा कर ले तो आश्चर्य नहीं होगा। राजद को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने जब लालू यादव को बचाने के लिए अध्यादेश लाया था, तो उसे राहुल गांधी ने कैसे फाड़ कर फेंक दिया था? उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लालू यादव की मुश्किलें बढ़ने वाली है। इसकी छाया से राजद व महागठबंधन की राजनीति अछूती नहीं रहेगी। शनिवार को दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ कथित भूमि के बदले नौकरी (लैंड फॉर जॉब स्कैम) घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेने पर फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में पूरा लालू परिवार आरोपित है। श्री सुमन ने कहा कि विशेष न्यायाधीश ने ईडी की दलीलें सुनने के बाद आगामी 3 जून के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट को 14 मई को सूचित किया गया था कि एजेंसी को कथित घोटाले में लालू यादव पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी मिल गई है। आरोप है कि यह कथित घोटाला लालू यादव के केंद्रीय रेल मंत्री रहने के दौरान हुआ था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसी महीने 8 मई को धन शोधन मामले में लालू यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी।

भगवान अनंतनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जैन समाज द्वारा भगवान अनंतनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पर्व जैन धर्म के 14वें तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ की दिव्य आत्मा के महान क्षणों जन्म और तप आरंभ की स्मृति में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। पटना जैन समाज द्वारा श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं सहित मीठापुर, मुरादपुर, कमलदह एवं अन्य जैन मंदिरों में जैन धर्म के चौदहवें तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक भक्ति एवं श्रद्धा से मनाया गया। जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज के लोगों ने भगवान अनंतनाथ की पूजा-अर्चना की और उनके जीवन एवं उपदेशों को याद किया. भगवान अनंतनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक के अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा के बाद उनके जीवन एवं उपदेशों को याद करने और उनके संदेशों को अपने जीवन में लागू करने के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कदमकुआं, मीठापुर, मुरादपुर, कमलदह आदि दिगंबर जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा एवं मंगल आरती किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक, पूजा जिनेश जैन एवं अन्य द्वारा तथा मुरादपुर जैन चैत्यालय में अभिषेक शांतिधारा सुबोध फंटी ने किया। मौके पर बिहार राज्य दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के सचिव पराग जैन ने बताया कि कमलदह दिगम्बर जैन मंदिर में शांतिधारा एवं मंगल आरती काफी अधिक श्रधालुओं द्वारा किया गया। जैन संघ के मीडिया सचिव एम पी जैन ने बताया कि भगवान अनंतनाथ का जन्म श्रावण शुक्ला पंचमी के दिन अयोध्या नगरी में हुआ था। वे राजा सिन्हनंदन और रानी श्री देवी के पुत्र थे। जन्म के समय ही अनेक अलौकिक घटनाएं घटीं जिससे ज्ञात हुआ कि यह आत्मा विशेष है। उन्होंने सम्यक दर्शन और वैराग्य को अपनाते हुए राजपाट त्याग कर तपस्या आरंभ की थी। तप कल्याणक उनके आत्मकल्याण की दिशा में प्रथम कदम था जो जैन अनुयायियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भगवान अनंतनाथ के जीवन चरित्र, उनके उपदेशों और तपस्या की महिमा पर प्रवचन दिए। इस अवसर पर समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति-भाव से पूजन-अर्चन कर पुण्य अर्जित किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भगवान के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना और आत्मशुद्धि की प्रेरणा देना रहा।

भोजपुरी में अच्छे शब्द चयन, शुद्ध भाषा और सकारात्मक विषयों को मिले बढ़ावा : चेतना

शुद्ध भाषा, अच्छा संदेश और सामाजिक सरोकारों वाली फिल्मों को मिलेगी प्राथमिकता : मोतीलाल प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना के प्रतिष्ठित होटल मौर्या में आज एक ऐतिहासिक पहल के तहत स्कमाखी एंटरटेनमेंट प्रा. लि. और चेतना झाम द्वारा पहली बार 'महा प्रेस कांफ्रेंस' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भोजपुरी सिनेमा के उत्थान, भाषा की गरिमा की रक्षा और पारिवारिक, साफ-सुथरी फिल्मों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं युवा मंत्री मोतीलाल प्रसाद, पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह और फिल्म निर्माता चेतना झाम विशेष रूप से उपस्थित रहे। चेतना झाम ने कहा भोजपुरी सिनेमा को राष्ट्रपिता डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गौरवपूर्ण शुरुआत दी थी, लेकिन अब उसकी गरिमा लुप्त होती जा रही है। जरूरत है अच्छे शब्द चयन, शुद्ध भाषा और सकारात्मक विषयों की। मेरी नई फिल्म 'अनमोल घड़ी' की शूटिंग पूरे बिहार में होगी। हमारा ध्येय साफ-सुथरी, प्रेरणादायक और युवाओं को जोड़ने वाली फिल्में बनाना है। चेतना झाम ने यह भी कहा कि थियेटरों और हॉल मालिकों से मिलकर भोजपुरी फिल्मों को प्राथमिकता देने पर बातचीत की जाए और इसका रोडमैप तैयार किया जाए। मौके पर कला, संस्कृति एवं युवा मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने स्पष्ट किया कि बिहार सरकार क्षेत्रीय भाषाओं, विशेषकर भोजपुरी में बनने वाली गुणवत्तापूर्ण फिल्मों को पूर्ण सहयोग दे रही है। उन्होंने कहा अगर किसी फिल्म की 75% शूटिंग बिहार में होती है तो उसे 4 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी। भोजपुरी हमारी मातृभाषा है, इसे अश्लीलता से नहीं, उत्कृष्टता से जोड़ा जाना चाहिए। शुद्ध भाषा, अच्छा संदेश और सामाजिक सरोकारों वाली फिल्में सरकार की प्राथमिकता हैं। वहीं, पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में कला, संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया हम फिल्म मेकर्स को सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गयाजी, वाल्मीकिनगर, वैशाली जैसे ऐतिहासिक स्थलों को शूटिंग के लिए तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी की प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत 800 करोड़ की योजनाएं राज्य में पर्यटन और संस्कृति को मजबूती देने के लिए कार्यरत हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत चिंहित प्रखंडों में मध्याह्न भोजन कार्य से मुक्त हुए प्रधानाध्यापक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सरकारी स्कूलों में चलने वाले मध्याह्न भोजन योजना कार्य से प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक को दूर रखने की बात कही गयी थी। जिले के चिह्नित किये गये प्रखंडों में मध्याह्न भोजन कार्य से प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षक को मुक्त रखना शुरू कर दिया गया है। मध्याह्न भोजन निदेशालय ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस नये नियम पर काम शुरू कर दिया है। विभाग की ओर से राज्य के 10 जिलों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन व्यवस्थापक व सहायक व्यवस्थापक के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाया जा रहा है। इस नयी व्यवस्था का मूल्यांकन कराया गया था। इससे यह जानकारी मिली की प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक का अधिक समय मध्याह्न भोजन योजना में लग रहा है। इससे विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधि प्रभावित हो रही है। निदेशालय ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर प्रधानाध्यापक या प्रधान शिक्षक को मध्याह्न भोजन योजना से अलग रखने का निर्णय लिया गया था, ताकि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो और बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान की जा सके। पायलट प्रोजेक्ट के तहत खुसरूपुर प्रखंड में प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षकों की जगह किसी अन्य शिक्षक को इस कार्य में लगाया जायेगा। यह पायलट प्रोजेक्ट पर चिन्हित प्रखंडों के स्कूलों में 13 जून तक लागू रहेगी। जिन प्रखंड के स्कूलों में यह व्यवस्था लागू की गयी है, वहां मध्याह्न भोजन योजना से संबंधित सारी रिपोर्ट इ-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड करना है। जिला शिक्षा कार्यालय ने विभाग से आदेश प्राप्त होने के बाद इस नयी व्यवस्था से संबंधित प्रमाण पत्र प्रभारी शिक्षक को मध्याह्न भोजन से संबंधित प्रमाण पत्र या प्रतिवेदन संधारित करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही प्रमाण पत्र के अतिरिक्त प्रत्येक दिन सभी कक्षाओं के बच्चों की फोटो खींच कर उसे भी संधारित करने का निर्देश दिया है।

संपादकीय

स्थायी कमीशन न दिए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी

सरकार का जोर सेना को युवा और ऊर्जावान बनाने पर है। साथ ही, सेना में महिलाओं की भूमिका भी बढ़ाई जा रही है। महिलाएं अब रफाल विमान तक उड़ा रही हैं। लेकिन अल्पकालिक सेवा कमीशन के तहत भर्ती हुई महिला अधिकारियों को बार-बार सुप्रीम कोर्ट तक दौड़ लगानी पड़ती है। यह बात गले नहीं उतरती कि जब कोई सैन्यकर्मी, चाहे वह महिला हो पुरुष- शारीरिक-मानसिक रूप से पूरी तरह सेवाएं देने के योग्य है और सेवा के दौरान उसके कामकाज और आचरण में किसी तरह की कमी नहीं पाई गई, तो उसे लंबी अवधि का सेवा विस्तार देने से क्यों परहेज किया जाना चाहिए।अल्पकालिक सेवा कमीशन के तहत भर्ती हुई एक महिला नौसेना अधिकारी को स्थायी कमीशन न दिए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीर नाराजगी जाहिर की है। उस अधिकारी को स्थायी कमीशन देने का आदेश अदालत ने पहले ही दिया था, मगर उसका पालन नहीं किया गया। इसलिए भी अदालत की तल्खी बढ़ गई। महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन न दिए जाने पर लंबे समय से असंतोष है। शीर्ष अदालत ने 2020 में कहा था कि इस तरह महिला अधिकारियों को सेवा से वंचित करने से सेना का मनोबल गिरेगा। तब से नौसेना, वायुसेना और थलसेना को कई मामलों में स्थायी कमीशन देने के आदेश दिए जा चुके हैं।सेना नियमों के मुताबिक, अल्पकालिक कमीशन में चयनित अधिकारियों को उनके कामकाज के प्रदर्शन के आधार पर पदोन्नति और स्थायी कमीशन देने का निर्णय किया जाता है। मगर महिला अधिकारियों के मामले में इस पर अक्सर संकुचित दृष्टिकोण ही देखा जाता है। अभी सर्वोच्च न्यायालय में उनहत्तर ऐसे ही अधिकारियों का मामला लंबित है, जिस पर अगस्त में सुनवाई होनी है। अदालत ने कहा है कि अंतिम फैसला आने तक इन अधिकारियों को सेवामुक्त न किया जाए।

इस तरह स्थायी कमीशन न मिल पाने के कारण महिला अधिकारियों की तरफ से लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर ही नौसेना अधिकारी के मामले पर फैसला देते समय सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अब बहुत हो गया, सेना के अधिकारी अपना संकुचित नजरिया त्यागें और उदारता का परिचय दें। इस फटकार और नसीहत को सेना और सरकार कितनी गंभीरता से लेते हैं, देखने की बात है।यह पहला मौका नहीं है, जब महिला सेनाधिकारियों को अदालत की मार्फत अपना हक हासिल करना पड़ा है। इसके पहले लड़ाकू विमान उड़ाने से महिलाओं को वंचित रखने के नियम को भी अदालत के आदेश पर ही बदला गया था। यह थोड़ी असहज करने वाली स्थिति है कि अनुशासित और मर्यादित मानी जानी वाली भारतीय सेना में महिलाओं की क्षमताओं और योग्यता को कम करके आंका जाता है।

यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुनहरे बालों को हिलाते हुए व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी—उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

बदलते विश्व में होगी भारत की बड़ी भूमिका, बशर्ते हम पिछलग्गू ना बनें

(ओंकारेश्वर पांडेय)

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था।

बीते हफ्ते जब भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बारूदी गुबार के बाद जीत हार के दावे और नुकसान के आकलन कर रहे थे और वाशिंगटन में बैठे राष्ट्रपति ट्रंप बार बार सीज फायर कराने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय ब्रुसेल्स में यूरोप और ब्रिटेन इतिहास के एक नये अध्याय पर हस्ताक्षर कर रहे थे। एक ऐसा इतिहास जो खामोशी से एक ध्रुवीय विश्व को बहुध्रुवीय दुनिया की तरफ ले जा रहा था। 19 मई 2025 को ब्रुसेल्स की सर्द हवाओं में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने जो रणनीतिक समझौता किया, उसमें सुरक्षा, रक्षा, यूक्रेन समर्थन, प्रवास, जलवायु, शिक्षा और व्यापार तो शामिल था ही, इसमें अमेरिकी छत्रछाया से इतर एक नया यूरोप बनाने की दृढ़ इच्छा शक्ति की झलक भी थी।

यह समझौता महीनों की उस गोपनीय बातचीत का नतीजा था, जो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप की दी हुई अपमानजनक उपेक्षा और अवहेलना से शुरू हुई थी। यह ब्रेक्सिट के पुराने जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि यूरोप की उस जिद का प्रतीक था, जो अब अमेरिका के तलाकनामे के बाद अपनी नई राह तलाश रही है। इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुनहरे बालों को हिलाते हुए व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी—उस भारत की जिसने नेहरु के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरु के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये।

ट्रम्प का तमाशा- तलाक की स्क्रिप्ट: शायद ट्रंप को अंदाज़ा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15 मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को 'बेकार का बोझ' ठहराया और यूरोप को 'अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान' बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को 'आर्थिक हत्या' करार दिया, यह कहते हुए कि 'अमेरिकी मज़दूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए?

ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017-2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को 'पुराना ढाँचा' कहा, जर्मनी को 'रूस का गुलाम' बताया, और ईयू को अमेरिका का 'लाभ उठाने वाला' करार दिया। उस वक़्त तो

यूरोप आश्चर्य और सदमे में पड़ गया था, मगर अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के। ट्रम्प का तलाकनामा यूरोप के लिए एक नई सुबह का न्योता बन गया है।ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं। 20 अप्रैल 2025 को, जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है।

15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्स- ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि ट्रान्सअटलांटिक गठबंधन अब इतिहास की बात है। स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि ज़रूरत है। तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948-1952) के ज़रिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प माने डील।

ईयू-यूके समझौता- नई राह, नया साथी

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का यही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था। यह ब्रेक्सिट की कड़वाहट को भुलाने का प्रयास भर नहीं है, बल्कि एक नया रिश्ता है—जिसमें दो पुराने दोस्त नाराज़गी भुलाकर बराबरी के साथ गले मिल रहे हैं।

याद रहे कि ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की लेबर सरकार ने जुलाई 2024 में सत्ता संभालते ही यूरोप की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। 18 जुलाई 2024 को, ब्लेनहेम पैलेस में स्टार्मर ने यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट की मेजबानी की। 10 सितंबर 2024 को, विदेश सचिव डेविड लैमी ने ईयू फॉरेन अफेयर्स काउंसिल में भाग लिया। 15 अक्टूबर 2024 को, लंदन और बर्लिन ने ट्रिनिटी हाउस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो एक ऐतिहासिक रक्षा सहयोग था। 1 नवंबर 2024 को, पोलैंड के साथ विशेष साझेदारी की योजना शुरू हुई। ट्रम्प के टेढ़े तेवरों से तिलमिलाये यूरोप ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा दिये हैं।

नाटो का संकट : ट्रम्प ने जो कुछ कहा, उसने नाटो को हिलाकर रख दिया, जैसे कोई पुराना मकान हवा के झोंके से काँप उठे। 15 मार्च 2025 को, पेन्सिलवेनिया में ट्रम्प ने नाटो से निकलने की धमकी दी और 5त्न जीडीपी रक्षा खर्च की माँग की। नाटो के 32 सदस्यों में से 23 अभी तक 2 प्रतिशत जीडीपी लक्ष्य को ही पूरा करते हैं, 5 प्रतिशत का लक्ष्य तो दूर की कौड़ी है। तो नाटो का क्या होगा। हालांकि अक्टूबर 2024 में नियुक्त हुए नए महासचिव मार्क रुटे, यूरोपीय खर्च बढ़ाने की वकालत कर रहे हैं, ताकि अमेरिका का साथ बना रहे, लेकिन इस गठबंधन की एकजुटता का असली फैसला तो 10 जून 2025 को द हेग में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में ही होगा।

अमेरिकी झटके के बाद ईयू का स्वाभिमान जोर मार रहा है। यूरोप किसी के भरोसे नहीं बैठना चाहता। जनवरी 2024 में ईयू ने यूरोपीय रक्षा संघ की योजना को गति दी, जिसमें क7.5 बिलियन का रक्षा कोष और संयुक्त कमांड सेंटर शामिल हैं। 15 मार्च 2025 को, यूरोपीय रक्षा औद्योगिक रणनीति की घोषणा हुई, एक रक्षा आयुक्त नियुक्त हुआ। यूरोप का रक्षा उद्योग अभी बिखरा हुआ है, और अमेरिकी हथियारों पर निर्भरता एक चुनौती है। मगर, जैसा ईसीएफआर कहता है, द्विपक्षीय समझौतों का जाल यूरोप की सामूहिक शक्ति को बढ़ा सकता है। ये सभी कोशिशें यूरोप की नई उड़ान का परिचय दे रही हैं। ट्रम्प ने यूरोप को न केवल जगा दिया, बल्कि उसे अपने पंखों पर उड़ने की हिम्मत भी दे दी है। ईयू अब एक स्वतंत्र खिलाड़ी बन गया है।

इंडिया की याद : यूरोपीय ब्रूगल थिंक टैंक ने अपने एक विश्लेषण में ठीक कहा कि, ट्रम्प का पीछे हटना जोखिम के साथ अवसर लाता है। तो जब ट्रम्प ने तलाक का नोटिस थमाया, तो यूरोप ने नए दोस्त की तलाश में भारत की ओर देखा। 10 फरवरी 2025 को, नई दिल्ली में ईयू-भारत शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें ईयू अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। इसमें 2021 के भारत-ईयू रणनीतिक रोडमैप को विस्तार देने का फैसला किया गया।

'सिंदूर' पर सियासत में किसकी होगी जीत?

(नरेंद्र नाथ)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में राजनीतिक माहौल गरमा गया है, विपक्ष सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है, क्योंकि विपक्ष को सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। ऑपरेशन सिंदूर पर देश में सियासत का दौर शुरू हो चुका है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद हुए ऑपरेशन तक विपक्ष ने पूरा संयम बरतते हुए खुद को राजनीति से दूर रखा, लेकिन समझौते के बाद अब वह पूरी तरह हमलावर है। सरकार से सवाल करते हुए खासकर कांग्रेस संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। दोनों पक्षों को लग रहा है कि नैरेटिव उनके हक में है । सत्ता पक्ष आश्वस्त है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मसले पर जनता हमेशा उसका साथ देगी। दूसरी ओर, विपक्षी नेताओं को लग रहा है कि इस बार हालात अलग हैं और सरकार कुछ मोर्चे पर कमजोर दिख रही है। जनता के बीच संशय है, जिससे उनका पक्ष मजबूत होगा।

विपक्ष को यहां दिखा मौका: 2016 में उरी हमले के बाद हुए सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद हुए बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद जिस तरह राजनीति हुई थी, उसमें विपक्ष ने अपने हाथ जलाए थे। यही कारण है कि इस बार ऑपरेशन सिंदूर के बाद उसने रणनीति बदली है। इस बार हालात भी अलग हैं। सरकार भी कुछ मसलों पर घिरती दिखी। विपक्ष के एक सीनियर नेता ने कहा कि उन दो मौकों पर अगर सरकार को घेरते तो सीधे तौर पर सेना और ऑपरेशन की सफलता पर सवाल उठाना होता। यही वजह है कि उन दोनों मौकों पर उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान उठाना पड़ा। साथ ही तब लोगों के मन में भी किसी तरह का संशय नहीं था। लेकिन इस बार उन्हें बिना सेना और ऑपरेशन की सफलता पर सवाल उठाए सरकार को घेरने का मौका दिख रहा है इसलिए पूरे प्रकरण में विपक्ष के पास अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की ओर से किए जा रहे मध्यस्थता के दावे से लेकर अचानक हुए समझौते के फैसले तक कई ऐसे पहलू हैं, जिन पर उसे लगता है कि मोदी सरकार को घेरा जा सकता है। विपक्ष ने अपना हमला इन्हीं पहलुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रखा है।

वैसे अचानक हुए समझौते पर लोगों के मन में भी सवाल हैं। ऐसे में विपक्ष को लग रहा है कि अगर वे सरकार को घेरते हैं तो उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान नहीं होगा । संसद के मॉनूसन सत्र में विपक्ष की रणनीति भी इसी के इर्दगिर्द सरकार को घेरने की है । साथही ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के मंत्री और विशुद्धा कुछ भाजपा नेताओं ने भी ऐसे बयान दे राजनीति दिए, जिससे विपक्ष को मौका मिला । कुल मिलाकर विपक्ष को इस बार लग रहा है कसौटी कि उन्हें सवाल उठाने का राजनीतिक नुकसान नहीं होगा और मोदी सरकार से सख्त जवाब मांगे जा सकते हैं। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और इससे जुड़े मसले इतने संवेदनशील रहे हैं कि इन पर होने वाली राजनीति हमेशा जोखिम से भरी है। अमूमन ऐसे समय सत्तारूढ़ दल और सरकार के साथ खड़ा होने का सामान्य ट्रेंड रहा है। ऐसे में विपक्ष आगे क्या रणनीति अपनाता है और सरकार को किस हद तक अपनी पिच पर घेर पाता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

केंद्र सरकार और भाजपा ऑपरेशन सिंदूर के बाद आश्वस्त हैं कि उन्हें पिछली दोनों दफा की तरह की इस बार भी राजनीतिक लाभ होगा। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा आक्रामक रूप से सियासी मैदान में उतर चुकी है। पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दस दिनों के अंदर तीन रैली करके अपने पक्ष में माहौल और संदेश देने के लिए सियासी पिच भी तैयार कर रहे हैं। 2019 का आम चुनाव भाजपा, विपक्ष को राष्ट्रवाद के मसले पर पस्त करके जीत चुकी है। ऐसे में पार्टी को पता है कि उसे किस तरह आगे बढ़ना है। लेकिन उसे यह भी पता है कि इस बार हालात थोड़े अलग हैं । निश्चित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर को बड़ी सफलता मिली, लेकिन खुद पार्टी को अहसास है कि इस जनमानस में अपेक्षा अधिक थी।

प्रभावी संवाद की जरूरत: इस बार जिस तरह अचानक पाकिस्तान से समझौता किया गया, उसके बाद कई सवाल उठे हैं। इसका जवाब भाजपा को लोगों के बीच जाकर देना होगा। पिछले मौकों पर सरकार या भाजपा को किसी भी सवाल के जवाब नहीं देने थे। साथ ही सरकार और बीजेपी को बार-बार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बयान पर भी सफाई देनी पड़ रही है। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के दोषी आतंकी भी अब तक फरार है, सवाल इस पर भी उठ रहे हैं। हालांकि भाजपा को लगता है कि ये सब ऐसे सवाल हैं जो सरकार की ओर से नियमित संवाद करने के बाद समाप्त हो जाएंगे। फिर भी भाजपा के अंदर एक वर्ग में इस बात को लेकर चिंता जरूर है कि पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनका कम्युनिकेशन कहीं न कहीं पहले के मुकाबले थोड़ा कमजोर हुआ, जिससे वे अपनी पूरी बात प्रभावी और त्वरित तरीके से लोगों तक नहीं पहुंचा सके।

अफसरों को जेल की सजा से रुक सकेंगे जहरीली शराब जैसे हादसे

(योगेंद्र योगी)

मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई।

भारत में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं है। सरकारों का काम सिर्फ टैक्स वसूलना रह गया है, जब जिम्मेदारी लेने के वक्त आता है तो सब एक-दूसरे को दोषी ठहरा कर पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं। इससे भी ज्यादा आश्चर्य यह है कि सरकारें पिछली गलतियों से भी कोई सबक नहीं सीखती हैं। साथ ही गलतियों के लिए जिम्मेदार अफसरों पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे दूसरे लोग इससे सबक सीख सकें। महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि इतने लोगों की मौत के बाद अधिकारियों को सिर्फ निलंबित किया गया है। दरअसल कानून में ऐसा कोई

महज कागजी खानापूर्ति करने के लिए कार्रवाई करने के बाद अफसर वापस मलाईदार पोस्टिंग पाने में कामयाब हो जाते हैं। पंजाब के अमृतसर के कई गांव में जहरीली शराब पीने से करीब दो दर्जन लोगों की मौत भी ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना प्रवृत्ति का परिणाम है। इस मामले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आबकारी विभाग के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

प्रावधान ही नहीं है कि अफसरों की लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए उन्हें भी अपराधियों की तरह सजा होगी। केंद्र सरकार ने आपराधिक कानून का नाम बदल दिया। इसमें कई तरह के संशोधन किए गए। किन्तु नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने के लिए सजा का प्रावधान नहीं किया गया। यही वजह है कि जहरीली शराब पीने से होने वाले हादसे हो या इसी तरह के दूसरे हादसों में जिम्मेदार अधिकारियों को आपराधिक मामलों की तरह जेल की सजा नहीं होती। पांच साल पहले पंजाब में तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में एक बड़ी शराब त्रासदी हुई थी।

जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। 19 मार्च 2024 को पंजाब के ही संगरूर जिले में नकली शराब पीने से 21 हो गई थी, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हुए। ये पहला मौका नहीं है जब देश के किसी राज्य

में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हुई हो। वर्ष 2014 में अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। वर्ष 2015 में 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई। महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2016 में 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गईं। इस वर्ष मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज़्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी तरह वर्ष 2017 में 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं। इनमें कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। वर्ष 2018 में 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मौत के मामले सामने आए। वर्ष 2019 में 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं। इनमें मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) लोगों की मौत हुई। वर्ष 2020 में 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई। मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। वर्ष 2021 में 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं और वर्ष 2022 में 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। इनमें बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। वर्ष 1992 ओडिशा के कटक में जहरीली शराब पीने से 200 से अधिक लोगों की मौत हुई जबकि 600 अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो दशकों में भारत में इस तरह की सबसे बड़ी घटना थी। वर्ष 1981 में कर्नाटक के बेंगलुरु में सबसे भयानक हादसा हुआ। बेंगलुरु में मिथाइल अल्कोहल विषाक्तता के कारण 308 लोगों की मौत हो गई। यह सस्ती शराब में मिलावट के कारण हुआ था। अवैध या जहरीली शराब सिर्फ बिहार या पंजाब की समस्या नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चलता है। हर साल लाखों लीटर अवैध शराब जब्त भी होती है। लेकिन इस पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पा रही। बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मिजोरम, नागालैंड और लक्षद्वीप में भी पूरी तरह से शराबबंदी है। इसके बावजूद यहां जहरीली शराब से मौतें होती रहती हैं।

गुजरात पहला राज्य था, जिसने शराब पर प्रतिबंध लगाया था। फिर भी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि 6 साल में जहरीली या अवैध शराब पीने से राज्य में 54 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है। इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है। ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है। बिहार सरकार के आंकड़े बताते हैं कि शराबबंदी कानून तोडने के मामले में 6.71 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश के कुछ राज्यों में शराबबंदी लागू है और कुछ ऐसे भी हैं जहां पहले शराबबंदी थी लेकिन बाद में इसे हटा लिया गया। हरियाणा में 1996 में शराबबंदी लागू की गई थी, लेकिन दो साल बाद ही 1998 में इसे हटा लिया गया। आंध्र प्रदेश में 1995 में शराब पर प्रतिबंध लगा लेकिन 1997 में सरकार ने इसे वापस ले लिया। मणिपुर में भी 1991 से शराबबंदी लागू है और सरकार ने इसमें थोड़ी छूट देने का फैसला लिया।

'मशाल' 2024 के तहत जहानाबाद के छात्र-छात्राओं ने दिखाया खेल कौशल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। मशाल 2024 के अंतर्गत दिनांक 22 से 24 मई 2025 तक जहानाबाद जिले के सभी 99 संकुलों में संकुल स्तर की खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। पांच प्रमुख विधाओं–एथलेटिक्स, साइक्लिंग, कबड्डी, वॉलीबॉल एवं फुटबॉल–में कुल 6955 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस त्रिदिवसीय आयोजन की अनुश्रवण जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों द्वारा की गई। कार्यक्रम की परिणति 24 मई को समग्र शिक्षा संकुल काजीसराय में हुई, जहां जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी रश्मि रेखा एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा, सुष्मिता भारद्वाज भी उपस्थित रहीं।

इस दौरान जिला पदाधिकारी ने विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि खेल न केवल अनुशासन व नेतृत्व का विकास करता है, बल्कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी युवाओं को सशक्त बनाता है। उन्होंने खेलों में निरंतर भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए विद्यार्थियों से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा जताई।

कार्यक्रम के दौरान वरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न संकुलों पर भ्रमण कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिता की सफलता में शिक्षकों, संकुल समन्वयकों एवं खेल प्रशिक्षकों की भी अहम भूमिका रही।जिला स्तर की संकुल प्रतियोगिता के उपरांत राज्य कार्यालय द्वारा निर्धारित तिथि की सूचना मिलने पर प्रखंड स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसके माध्यम से अगले चरण के लिए प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।मशाल 2024 का यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का प्रयास है, बल्कि यह जहानाबाद जिले में समग्र शिक्षा एवं खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रभावशाली पहल है।

बिहार कप कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 15 सदस्यीय टीम पटना रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। यूनिक शोतो कान कराटे एसोसिएशन इंडिया जहानाबाद की 15 सदस्यीय कराटे टीम बिहार कप राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए शनिवार संध्या 4 बजे अम्मा क्लब से पटना रवाना हुई। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 25 मई को डॉन बॉस्को स्कूल, दीघा, पटना में आयोजित की जाएगी। टीम का नेतृत्व यूनिक शोतो कान कराटे के अध्यक्ष एवं मुख्य तकनीकी कोच क्योशी अन्नू शक्ति सिंह कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार टीम में चयनित खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो जिले के कराटे विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है।चैंपियनशिप में टीम के साथ बतौर ऑफिशियल वेद प्रकाश रंजन और राजेश दास शामिल हैं वहीं कोच की भूमिका में स्वयं अन्नू शक्ति सिंह और टीम मैनेजर के रूप में धीरज कुमार जिम्मेदारी निभाएंगे। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों में दिव्या श्री, अमीश तिवारी, कुणाल सिंह आर्य, गौरव कुमार वर्मा, आस्था कुमारी कश्यप, माही कुमारी, नैनसी कुमारी, अनन्य पर्वत, हर्ष पाठक, संतोष कुमार, उत्कर्ष कुमार और विश्वसंस्कर ज्योति जैसे युवा प्रतिभागी शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्य कोच अन्नू शक्ति सिंह ने विश्वास जताया कि टीम के खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर जिले के लिए पदक लेकर लौटेंगे। जिलेवासियों ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों के बीच ट्रॉफी का वितरण

मखदुमपुर प्रखंड में समारोह पूर्वक मशाल प्रतियोगिता 2024 का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मखदुमपुर (जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के मखदुमपुर प्रखंड अंतर्गत सुगांव खेल मैदान में मसाल 2024 के अंतर्गत होने वाले खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन। मौके पर विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान किया गया। खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह की जानकारी देते हुए शिक्षक पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि मसाल 2024 के तहत कबड्डी, 100 मीटर दौड़, 600 मीटर दौड़, क्रिकेट बॉल थ्रो जैसे कई अन्य खेलों का आयोजन किया गया। इस दौरान सुगांव एवं बगवार की टीम ने खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। वहीं बेहतर खेल प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बताया कि कबड्डी में सुगांव की टीम ने बगवार की टीम को पराजित करते

हुए ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिता में शामिल रहे खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सुगांव विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय सिंह एवं बगवार विद्यालय के प्रधानाध्यापक मिथिलेश प्रसाद मौजूद रहे। पूरे आयोजन को बेहतर ढंग से संचालित करने वाले शिक्षक पुरुषोत्तम कुमार और निजामुद्दीन को अतिथियों ने इसके लिए धन्यवाद दिया। मौके पर शिक्षिका फौजिया तारीक, दीपक कुमार, सुकन्या कुमारी, समामा हाफिज, मोहम्मद सिकन्दर, संकर सिंह, शशिकला, शाहिफा, जनार्धन कुमार, रवि कुमार सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

डॉ. प्रीति ने जहानाबाद की उप विकास आयुक्त के रूप में दिया योगदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। डॉ. प्रीति (भा.प्र.से) ने जहानाबाद की उप विकास आयुक्त (डीडीसी) के पद पर शनिवार को अपना योगदान दिया। इस अवसर पर जिला प्रशासन, जहानाबाद के सभी वरीय पदाधिकारी एवं जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) के कर्मी उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण समारोह के उपरांत निवर्तमान उप विकास आयुक्त धनंजय कुमार के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने श्री कुमार के प्रशासनिक कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाएं दीं। अपने योगदान के बाद अपने सहकर्मियों से परिचय प्राप्त करने के बाद नव पदस्थापित उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति ने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए जिले के समग्र विकास हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जहानाबाद में शिक्षकों के फर्जी अटेंडेंस का मामला उजागर, जिला शिक्षा पदाधिकारी ने मांगा स्पष्टीकरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार में शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इस प्रणाली में भी कुछ शिक्षकों द्वारा गड़बड़ी किए जाने का मामला जहानाबाद जिले में प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि 10 से 12 शिक्षकों द्वारा ई-शिक्षा कोष ऐप पर तकनीकी संसाधनों का प्रयोग करते हुए फर्जी उपस्थिति दर्ज किया जा रहा था। जो अब शिक्षा विभाग के संज्ञान में आया है। इस मामले में जिले की जिला शिक्षा पदाधिकारी रश्मि रेखा द्वारा जानकारी दी गई है कि मई महीने में की गई जांच में फर्जी तरीके से ऑनलाइन उपस्थिति कुछ शिक्षकों ने बनाया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि 20 दिनों की अवधि में 100 शिक्षकों की उपस्थिति जांची गई, जिसमें 10 से अधिक शिक्षक की उपस्थिति संदिग्ध रही। जिनकी पहचान कर ली गई है। उपस्थिति दर्ज करने में अनियमितता करने वाले सभी शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

उपस्थिति दर्ज करने में गड़बड़ी का कैसे हुआ खुलासा

शिक्षा विभाग द्वारा किए गए जांच में सामने आया कि कुछ शिक्षक विद्यालय की जगह घर या खेत से फोटो लेकर अटेंडेंस अपडेट कर रहे थे। सुबह निर्धारित समय 6:30 बजे की बजाय 7:30, 8:30 या 8:45 बजे तक उपस्थिति दर्ज की जा रही थी, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। जैसा कि ज्ञात हो ई-शिक्षा कोष एप में उपस्थिति दर्ज करते समय फोटो खींचना अनिवार्य है, जिससे शिक्षक की लोकेशन और उपस्थिति की पुष्टि हो सके। लेकिन शिक्षकों ने इस प्रक्रिया में भी हेराफ़ेरी कर स्कूल की जगह अन्य स्थानों से फोटो अपलोड किया गया है।

सख्त कार्रवाई के संकेत

इस मामले को लेकर गंभीर दिख रहे जिला शिक्षा पदाधिकारी रश्मि रेखा ने कहा है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी शिक्षकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में करीब 8000 शिक्षक कार्यरत हैं, और सभी की उपस्थिति पर नजर रखी जा रही है।शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई को शिक्षकों में अनुशासन और जवाबदेही लाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि आगे ऐसी गड़बड़ी रोकने के लिए निगरानी और सख्ती भी बढ़ाई जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली सिंदूर यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रक्सौल (पूर्वी चंपारण)। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सम्मानित करने के लिए जिला महिला मोर्चा ने शनिवार को सिंदूर यात्रा निकाली। यात्रा का नेतृत्व जिला महिला मोर्चा की अध्यक्ष ज्योतिराज गुप्ता ने द्वारा की गई। अपने संबोधन में ज्योतिराज गुप्ता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के साहस का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में सेना को अत्याधुनिक तकनीक और हथियारों से सुसज्जित किया है। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद, नारी शक्ति जिंदाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इससे पूरे नगर में राष्ट्रभक्ति का माहौल बन गया। ज्योति गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना ने देश की रक्षा के साथ विश्व मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। यह यात्रा नारी शक्ति की ओर से सेना को सम्मान देने का प्रयास था। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अनुराधा शर्मा, जिला मंत्री मीतू गुप्ता, महिला मोर्चा महामंत्री पूनम देवी और सोशल मीडिया प्रभारी पार्वती तिवारी समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे साथ ही सैकड़ों महिलाएं शामिल थी।

ऑपरेशन सिंदूर को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग को लेकर भाजपा जदयू आमने-सामने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। बिहार में ऑपरेशन सिंदूर को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के मुद्दे पर भाजपा और जदयू आमने-सामने आ गए हैं। भाजपा इसे राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर नई पीढ़ी को सेना के शौर्य से परिचित कराना चाहती है। वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य खालिद अनवर ने इस मांग का विरोध किया है।उनका कहना है कि देश ने कई सैन्य अभियान और युद्ध देखे हैं। अगर इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करना है, तो सभी अभियानों को स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी एक अभियान को विशेष महत्व देकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास उचित नहीं है।खालिद अनवर ने स्पष्ट किया कि सैनिकों के बलिदान को राजनीति से जोड़ना उनके सम्मान का अपमान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सेना देश की है, किसी एक पार्टी की नहीं। 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर अनवर ने कहा कि चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस संबंध में संकेत दे दिए हैं। एनडीए में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होगा। उन्होंने प्रशांत किशोर और आरसीपी सिंह पर भी टिप्पणी की। अनवर ने कहा कि नीतीश कुमार ने ही इन दोनों को राजनीति में पहचान दी। लेकिन अब वही लोग पीछे से वार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 2025 में जदयू और एनडीए मिलकर 220 से अधिक सीटें जीतेंगे।

तीन दिवसीय संकुल स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन, ग्रामीण प्रतिभाओं ने दिखाया दम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चिरैया/हरसिद्धि/मोतिहारी। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मशाल-2024 संकुल स्तरीय तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन शनिवार को चिरैया और हरसिद्धि प्रखंडों में उत्साहपूर्वक हुआ। यह प्रतियोगिता बिहार खेल प्रतिभा खोज योजना के अंतर्गत आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सामने लाना और उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक मंच प्रदान करना है।

चिरैया प्रखंड में खेल प्रतियोगिता का आयोजन सीआरसी महादेव साह उच्च माध्यमिक विद्यालय चिरैया कोठी, जगन्नाथ हाई स्कूल चिरैया, उच्च माध्यमिक विद्यालय खड़तरी मध्य समेत कुल 23 कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटरों (सीआरसी) पर किया गया। अंतिम दिन बालिका वर्ग में कबड्डी और बालक वर्ग में वॉलीबॉल जैसी प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को टी-शर्ट, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्यारे सतीश कुमार सिंह ने प्रतियोगिता को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। मौके पर निरीक्षण हेतु पहुंचे जिला शिक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करती हैं वहीं सीआरसी सेमरा में आयोजित समापन समारोह में बीईओ सरोज कुमार सिंह ने कहा कि मशाल प्रतियोगिता मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना खेलेगा बिहार तो खिलेगा बिहार को धरातल पर साकार कर रही है।

हरसिद्धि प्रखंड के घोगराहा बैरिया पंचायत स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैरिया टाल के प्रांगण में भी तीन दिवसीय मशाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 22 से 24 मई तक चले इस आयोजन में दौड़, हाई जंप, लॉन्ग जंप, कबड्डी सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता हुई। विजयी प्रतिभागियों की सूची जिला मुख्यालय भेजी गई है, जहां से चयन के उपरांत उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर के लिए प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। इस आयोजन में प्रतिभागियों को प्रोत्साहनस्वरूप प्रशस्ति पत्र व टी-शर्ट प्रदान किए गए। साथ ही सीएचओ रूबी राय द्वारा मौके पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी की गई। दोनों क्षेत्रों में आयोजन को सफल बनाने में शिक्षकों की अहम भूमिका रही। मौके पर संतोष कुमार, रवि कुमार रवि, हरि प्रकाश तिवारी, नीलेश कुमार, खालिद हसमुल्लाह, चंद्रिका कुमार, राघवेंद्र कुमार, आदित्य राज, दयाशंकर पंडित, कामेश्वर प्रसाद सिंह, विकास चंद्र, दयानंद सिंह, नंदू राम समेत अन्य

कर्मियों की अनेक समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान कराना ही मुख्य प्राथमिकता : सचिव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मोतिहारी। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ,पटना के बीआरएबीयू प्रक्षेत्र, मुजफ्फरपुर के जिला इकाई संघ का चुनाव शहर के एसएनएस महाविद्यालय में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष के पद पर एसएनएस महाविद्यालय के प्रशाखा पदाधिकारी रामकृष्ण जबकि सचिव पद पर एलएनडी महाविद्यालय के प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार को चुना गया। संघ के संरक्षक के पद पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्रमोद कुमार, उपाध्यक्ष के पद पर एस एन एस महाविद्यालय के विजय कुमार, राजेश सिंह, संयुक्त सचिव के पद पर कमलेश यादव तथा एलएनडी कॉलेज के कामेश भूषण और कोषाध्यक्ष के पद पर एलएनडी कॉलेज के अखिलेश कुमार को चुना गया। संघ के सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाइयां और शुभकामनाएं देते हुए कर्मियों के हित में निरंतर आवाज उठाने की अपील की। नवनिर्वाचित जिला सचिव राजीव कुमार ने बताया कि कर्मियों के अनेक समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान कराना ही मुख्य प्राथमिकता है। इस अवसर पर संजीव किशोर, मणिभूषण, आशुतोष कुमार, आलोक पांडेय, कुणाल आनंद, अमित कुमार आदि उपस्थित रहें।

मानदेय बढ़ोतरी समेत कई मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ताओं का चौथे दिन धरना जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आदापुर (पूर्वी चम्पारण)। बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ के बैनर तले आदापुर प्रखंड की सैकड़ों आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के मुख्य गेट पर लगातार चौथे दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रखा। कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष भर पूर्व 32 दिवसीय हड़ताल के बाद सरकार ने मानदेय 1,000 से बढ़ाकर ?2,500 प्रतिमाह करने का निर्णय लिया था, लेकिन आज तक उसे लागू नहीं किया गया है। धरना पर बैठी आशा कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे देशव्यापी आंदोलन के तहत आदापुर में भी अपनी मांगों के साथ डटी हुई हैं। प्रदर्शनकारी

कार्यकर्ताओं ने सीएचसी गेट पर बैठकर मरीजों की आवाजाही पर निगरानी रखी है। हालांकि, इमरजेंसी मरीजों को अस्पताल में प्रवेश की छूट दी जा रही है।

आशा कार्यकर्ताओं की प्रमुख मांगों में शामिल हैं:

मानदेय 2,500 प्रतिमाह अविलंब दिया जाए। पिछले महीनों का बकाया भुगतान शीघ्र किया जाए।

कार्य प्रबंधन हेतु पोर्टल व्यवस्था लागू की जाए।

सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 65 वर्ष की जाए। सेवा निवृत्त होने पर ?10 लाख की एकमुश्त राशि और मासिक पेंशन की व्यवस्था की जाए। धरना में संघ की अध्यक्ष आभा देवी, कोषाध्यक्ष मुन्नी देवी, सचिव रीता पांडेय, उपाध्यक्ष प्रभा देवी के अलावा ऊषा देवी, रंजना देवी, सुगंधी देवी, सीमा देवी, सोनाली देवी, उर्मिला देवी, संजू देवी सहित दर्जनों आशा कार्यकर्ता शामिल रहीं। इनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर स्वास्थ्य सेवा आंशिक रूप से प्रभावित रही, लेकिन आशा कार्यकर्ताओं ने मरीजों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए आपात स्थिति में सहयोग भी किया।

विजय कुमार बने रक्सौल नगर थाना के नए थानाध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रक्सौल (पूर्वी चंपारण)। पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल नगर थाना को नया थानाध्यक्ष मिल गया है। 1994 बैच के अनुभवी पुलिस निरीक्षक विजय कुमार को रक्सौल का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह पदस्थापना डीआईजी हरकिशोर राय द्वारा की गई कार्रवाई के बाद निलंबित किए गए पूर्व थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा के स्थान पर की गई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय, मोतिहारी की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई है। विजय कुमार एक कुशल एवं अनुभवी पुलिस अधिकारी माने जाते हैं। वे इससे पूर्व एसटीएफ में तीन वर्षों तक सेवा दे चुके हैं। साथ ही, उन्होंने बैरिया थाना (पश्चिम

चंपारण), हथुआ व श्रीपुर (गोपालगंज), बिंद थाना (नालंदा), बहादुरगंज (किशनगंज) में थानाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा वे सदर अंचल, पूर्णिया में अंचल निरीक्षक के पद पर भी कार्यरत रह चुके हैं। नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति से रक्सौल नगर थाना में प्रशासनिक सुदृढ़ता और कानून व्यवस्था में सुधार की अपेक्षा की जा रही है। स्थानीय लोगों को विजय कुमार से निष्पक्ष व कर्तव्यनिष्ठ पुलिसिंग की उम्मीद है।

डाक चौपाल का आयोजन, ग्रामीणों को डाकघर से जुड़ने की दी गई प्रेरणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के दुलमा शाखा डाकघर में डाक विभाग की ओर से सायंकालीन डाक चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंजीनियर राणा रणधीर सिंह, पूर्व सहकारिता मंत्री एवं वर्तमान विधायक, मधुबन विधानसभा क्षेत्र उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डाकघर की योजनाओं से जुड़ने और अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

विधायक ने कहा कि डाक विभाग अब केवल चिट्ठियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह डिजिटल बैंकिंग, बीमा और छोटी बचत योजनाओं का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने विभाग द्वारा आयोजित इस डाक चौपाल की खुलकर सराहना की और इसे

जनजागरूकता का उत्कृष्ट माध्यम बताया। कार्यक्रम में 300 से अधिक ग्रामीणों की उपस्थिति दर्ज की गई, जिनमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं थीं। डाक चौपाल में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जीविका समूहों और आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ी महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं, जो ग्रामीण सहभागिता की मिसाल बनी।

इससे पूर्व, स्थानीय विद्यालयों के बच्चों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजयी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम को सांस्कृतिक और शैक्षणिक आयाम भी मिला। डाक विभाग का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन, महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

सूबे के सात जिलों का जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के 36 जिलों में से केवल सात जिले सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 54 प्रतिशत का योगदान करते हैं, जो 2024 में 45 लाख करोड़ रुपये था। एक सरकारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। देश में आर्थिक महाशक्ति माने जाने वाले राज्य में आर्थिक गतिविधियां बड़े पैमाने पर केंद्रित हैं, इन सात जिलों में मुंबई, पुणे और नागपुर जिले शामिल हैं। 16वें वित्त आयोग को सरकार की ओर से भेजी गई एक रिपोर्ट से पता चला है कि महाराष्ट्र के 18 जिलों की विकास दर जीएसडीपी विस्तार दर के 0.8 गुना से भी कम है। इसके अलावे, प्रति व्यक्ति आय औसत राज्य आय से भी कम है। जीएसडीपी एक विशिष्ट अवधि के दौरान राज्य की सीमाओं के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापता है। इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का 148 प्रतिशत है, जबकि राज्य के 12 जिलों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने पांच वर्षों की जिला रणनीतिक योजनाएं तैयार की हैं, जिन्हें विश्व बैंक की परियोजना से समर्थन प्राप्त है, ताकि इन 36 प्रशासनिक इकाइयों की सापेक्षिक शक्तियों के आधार पर संतुलित आर्थिक विकास में तेजी लाई जा सके।

जिलों के सालाना खर्च में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी- रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने विकास से जुड़ी रणनीतियों के लिए प्रशासन को धन मुहैया कराने के लिए कई फैसले लिए हैं। चालू वित्त वर्ष में

जिला वार्षिक योजना परिव्यय को 11 प्रतिशत बढ़ाकर 20,150 करोड़ रुपये कर दिया है। इसके तहत जिला कलेक्टरों को

जिला रणनीतिक योजना (डीएसपी) में चिन्हित परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए वार्षिक योजना की कम से कम 25 प्रतिशत राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया है। त्वरित वित्तपोषण से जिलों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी और इससे विकास में और वृद्धि होगी। आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों को अतिरिक्त वित्तपोषण प्रदान किया जा रहा है।

जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान देनेवाले सात जिलों में रायगढ़ और नागपुर भी- रिपोर्ट में बताया गया है कि पूर्वी महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले को स्टील हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आर्थिक विकास और सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर जिलों को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 36 जिलों में से 50 प्रतिशत से अधिक जिले तीसरे खंड (निम्न सकल जिला घरेलू उत्पाद या प्रति व्यक्ति जीडीडीपी) में हैं। अधिकांश आर्थिक गतिविधियों के लिए जिम्मेदार और जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान देने वाले सात जिले हैं- रायगढ़, नागपुर, पुणे, ठाणे, पालघर, मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय।

दूसरे खंड में 11 जिले हैं - वर्धा, चंद्रपुर, अहिल्यानगर, सोलापुर, सतारा, रत्नागिरी, सांगली, छत्रपति संभाजीनगर, नासिक, सिंधुदुर्ग और कोल्हापुर - जिनका जीएसडीपी योगदान 26 प्रतिशत था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 18 जिले - यवतमाल, अमरावती, अकोला, नांदेड़, भंडारा, गोंदिया, धुले, जलगांव, हिंगोली, बुलढाणा, गढ़चिरौली, नंदुरबार, लातूर, परभणी, बीड, वाशिम, धाराशिव और जालना - राज्य सकल घरेलू उत्पाद में 20 प्रतिशत का योगदान देते हैं।

ठीक है.. आप आईफोन भारत में बनाइए

...पर टैरिफ के बिना इसे अमेरिका में नहीं बेच पाएंगे; एपल को ट्रंप की धमकी

एपल को कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा

ट्रंप ने कहा, मैंने बहुत पहले ही एपल के टिम कुक को बता दिया था कि मुझे उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले उनके आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही होगा, भारत या किसी और जगह पर नहीं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो एपल को अमेरिका को कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि एपल का भारत जाकर अपने मोबाइल या अन्य उपकरण को बनाना ठीक है, लेकिन फिर यह कंपनी टैरिफ के बिना अमेरिका में अपने उत्पाद नहीं बेच पाएगी। ट्रंप का यह बयान तब आया, जब उन्होंने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ओवल ऑफिस में कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, टिम कुक के साथ मेरी सहमति थी कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वह संयंत्र लगाने या बनाने के लिए भारत जा रहे हैं। मैंने कहा कि भारत जाना ठीक है, लेकिन आप टैरिफ के बिना यहां बिक्री नहीं करेंगे और यही तरीका है।

...भारत या किसी और जगह पर नहीं- ट्रंप ने कहा कि हम आईफोन के बारे में बात कर रहे हैं। अगर वे इसे अमेरिका में बेचने जा रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि इसे संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में बनाया जाए। शुक्रवार की सुबह ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले एपल आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही होगा, भारत या किसी और जगह पर नहीं। उन्होंने धमकी दी कि अगर टेक कंपनी ने ऐसा नहीं किया तो वे उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे।

पिछले हफ्ते ही ट्रंप ने मध्य पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान उठाया था मुद्दा

अभी पिछले हफ्ते ही ट्रंप ने मध्य पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान दोहा में कहा था कि उन्होंने एपल के सीईओ से कहा था कि वे भारत में आईफोन न बनाएं। इसके बजाय वे अमेरिका में अपने काम को आगे बढ़ाएं। ट्रंप ने दोहा में शीर्ष अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा था कि जैसा कि आप जानते हैं, हमारे पास एपल है। कल मुझे टिम कुक से थोड़ी परेशानी हुई थी। ट्रंप ने कहा था, मैंने उससे कहा, टिम, तुम मेरे दोस्त हो। मैंने तुम्हारे साथ बहुत अच्छा काम किया। तुम 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर लेकर यहां आ रहे हो, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि तुम पूरे भारत में संयंत्र लगाने जा रहे हो। मैं नहीं चाहता कि तुम भारत में निर्माण करो। भारत अपना ख्याल खुद रख सकता है। अगर तुम भारत का ख्याल रखना चाहते हो तो तुम भारत में निर्माण कर सकते हो, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। भारत में बेचना बहुत मुश्किल है। भारत ने हमें एक डील की पेशकश की है, जहां वे मूल रूप से हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं।

भारत में एपल का हाल- पिछले कुछ वर्षों में एपल भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। कंपनी फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन जैसे अनुबंध निर्माताओं के जरिए से देश में आईफोन बनाती है। ये कोशिशें इलेक्ट्रॉनिक्स में अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के भारत के लक्ष्य को भी साकार करती हैं। हालांकि, ट्रंप के हालिया बयानों से इस पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

अमेरिका में बिकने वाले 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन भारत में बनाने की थी तैयारी - इससे पहले एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि दिग्गज टेक कंपनी एपल अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन का निर्माण अगले साल से भारत में करने की योजना बना रही है। इससे न सिर्फ मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वैश्विक विनिर्माण हब बनने की दिशा में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन का मूल देश भारत होगा- कुक

इस महीने की शुरुआत में कुक ने दूसरी तिमाही 2025 आय सम्मेलन कॉल में कहा था कि आज एप्पल पर लागू मौजूदा टैरिफ उत्पाद के मूल देश पर आधारित हैं। जून तिमाही के लिए हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन का मूल देश भारत होगा।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 1575 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। लीला होटल्स आईपीओ अगले हफ्ते छोटे निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। इससे पहले यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए शुक्रवार को खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 1575 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों में दांव लगाने वाले लोगों में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड्स, आईसीआईसीआई

प्रूडेंशियल एमएफ, निप्पन इंडिया एमएम, मिराई एमएम और इंवेस्को एमएम शामिल है।

लीला होटल्स आईपीओ 26 मई को खुल रहा है- कंपनी का आईपीओ 26 मई को रिटेल निवेशकों के लिए खुल जाएगा। कंपनी का आईपीओ 28 मई तक ओपन रहेगा। कंपनी ने 34 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14,970 रुपये का दांव लगाना होगा।

क्या है आईपीओ साइज

लीला होटल्स आईपीओ का साइज 3500 करोड़ रुपये है। कंपनी 5.75 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत 2.30 करोड़ शेयर जारी किए जाएंगे। ऑफर फार सेल के तहत कंपनी की कोशिश है कि 1000 रुपये जुटाया जा सके। यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। इसलिए इसकी लिस्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी।

किसके लिए कितना हिस्सा होगा- क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनस बायर्स के लिए आईपीओ का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत और एनआईआई के लिए 15 प्रतिशत तक का हिस्सा रिजर्व रह सकता है।

43 गुना से ज्यादा दांव, आईपीओ में 90 रुपये शेयर का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी के आईपीओ पर 43 गुना से ज्यादा दांव लगा है। बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर ग्रे मार्केट में भी अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 25 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। बेलराइज इंडस्ट्रीज का आईपीओ दांव लगाने के लिए 21 मई 2025 को खुला था और यह 23 मई 2025 तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 28 मई 2025 को बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। बेलराइज इंडस्ट्रीज के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 2150 करोड़ रुपये तक का था।

110 रुपये के ऊपर लिस्ट हो सकते हैं शेयर- बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ में शेयर का दाम 90 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर शुक्रवार को 23 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। इस हिसाब से देखें तो बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर 113 रुपये के करीब बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, आईपीओ में जिन निवेशकों को कंपनी के शेयर अलॉट होते हैं, वह लिस्टिंग वाले दिन 25 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। बेलराइज इंडस्ट्रीज के आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 26 मई 2025 को फाइनल होगा।

कंपनी का बिजनेस

बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शुरुआत साल 1988 में हुई है। कंपनी दोपहिया, तीन पहिया, चार पहिया और कमर्शियल वाहनों के लिए ऑटोमोटिव शीट मेटल एंड कास्टिंग पार्ट्स, पॉलिमर कंपोनेंट्स, सस्पेंशन और मिरर सिस्टम्स बनाती है। बेलराइज इंडस्ट्रीज के कस्टमर्स में बजाज, हीरो, होंडा, जगुआर लैंड रोवर, रॉयल एनफील्ड, वीई कमर्शियल व्हीकल्स, टाटा मोटर्स और महिंद्रा शामिल हैं।

आईपीओ पर 43 गुना से ज्यादा दांव- बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ टोटल 43.14 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 4.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 40.58 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 112.63 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1

आरबीआई की ओर से सरकार को मजबूत लाभांश

एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया यह कैसे संभव हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से सरकार को लगभग 2.7 ट्रिलियन रुपये का रिकॉर्ड लाभांश भुगतान मजबूत सकल डॉलर बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि के कारण संभव हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महत्वपूर्ण अधिशेष हस्तांतरण को काफी हद तक विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई की सक्रिय भागीदारी से मदद मिली। असल में, जनवरी 2025 में आरबीआई एशियाई केंद्रीय बैंकों के बीच विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा विक्रेता रहा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अधिशेष भुगतान डॉलर की मजबूत सकल बिक्री, विदेशी मुद्रा में इजाफा और ब्याज आय में लगातार वृद्धि से संभव हो पाया। केंद्रीय बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान रुपये को स्थिर करने के लिए कई आक्रामक कदम उठाए हैं। इसमें बड़े पैमाने पर डॉलर की बिक्री भी शामिल है। सितंबर 2024 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

उसके बाद, आरबीआई ने मुद्रा स्थिरता बनाए रखने के लिए बड़ी मात्रा में डॉलर बेचे। चालू वित्त वर्ष के दौरान, फरवरी 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 371.6 बिलियन डॉलर की बिक्री की। यह राशि पिछले वर्ष (वित्त वर्ष 24) के 153 बिलियन डॉलर से बहुत अधिक है। इस

आक्रामक बिक्री से आरबीआई को विदेशी मुद्रा के जरिए बड़ा लाभ मिला, जिससे अधिशेष में वृद्धि हुई। इसके अलावा, आरबीआई ने अपनी रुपया प्रतिभूतियों से भी अधिक आय अर्जित की। मार्च 2025 तक रुपया प्रतिभूतियों में केंद्रीय बैंक की होल्डिंग 1.95 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 15.6 लाख करोड़ रुपये हो गई।

एग्जीक्यूटिव चेयर मैन से चार गुना सीईओ की सैलरी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में से एक विप्रो के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रिशद प्रेमजी का वित्त वर्ष 2024-25 में पारिश्रमिक दोगुना होकर करीब 13.7 करोड़ रुपये हो गया। इसके बावजूद यह कंपनी के सीईओ श्रीनिवास पलिया की सैलरी से बहुत कम है। पलिया को फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में कंपनी की तरफ से करीब 53.64 करोड़ रुपये मिले। कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। वित्त वर्ष

2023-24 में प्रेमजी ने कोई कमीशन नहीं लिया था क्योंकि उस साल कंपनी का इंक्रिमेंटल कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट निगेटिव रहा था। उस साल उन्होंने लगभग 20 प्रतिशत की वेतन कटौती के साथ करीब 6.4 करोड़ रुपये का वेतन लिया था। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बेंगलुरु की इस कंपनी का शुद्ध लाभ 18.9 प्रतिशत बढ़कर 13,135.4 करोड़ रुपये हो गया। विप्रो की तरफ से अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग को सौंपी गई '20-एफ फाइलिंग' (वार्षिक रिपोर्ट) के मुताबिक प्रेमजी का पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2024-25 में दोगुना होकर करीब 13.7 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 6.4 करोड़ रुपये था।

स्टील कंपनी को हुआ 1501 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू स्टील ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में 13.54 प्रतिशत बढ़कर 1,501 करोड़

रुपये हो गया है। कंपनी ने बताया कि उसके मुनाफे में वृद्धि खर्च घटने के कारण हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1,322 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड देने का भी फैसला किया है।

आमदनी में आई कमी- जेएसडब्ल्यू स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मार्च तिमाही में उसकी कुल आमदनी घटकर 45,049 करोड़ रुपये रह गई, जो 2023-24 की समान तिमाही में 46,511 करोड़ रुपये थी। हालांकि कंपनी का खर्च पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की चौथी तिमाही में घटकर 43,032 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की समान अवधि में 44,401 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 61 प्रतिशत गिरकर 3,491 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 में 8,973 करोड़ रुपये था।

हर शेयर पर 2.80 रुपये का फायदा- जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष के लिए एक रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2.80 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी की तरफ से इस डिविडेंड और एजीएम के लिए 8 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है।

शेयर बाजार में कंपनी की क्या स्थिति रही है- शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1008.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 11 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है।

तिमाही नतीजे के बीच रॉकेट बना सस्ता शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। फार्मा सेक्टर से जुड़ी कंपनी- मुराए ऑर्गनाइजर ने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 85 करोड़ रुपये का राजस्व और 7.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया है। पूरे साल के नेट प्रॉफिट की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष के 5.31 लाख के मुकाबले 7.51 करोड़ पर पहुंच गया। बता दें कि इस शेयर की कीमत 2 रुपये से भी कम है।

कंपनी का क्या है प्लान

मुराए ऑर्गनाइजर ने 250 मिलियन के निवेश के साथ डिस्टिलरी में विस्तार करने की अपनी योजनाओं के बारे में बताया है। कंपनी ने पहले ही गुजरात के रणनीतिक रूप से अहम कच्छ क्षेत्र में कृषि भूमि खरीदने की अपनी मंशा की घोषणा की है। कंपनी का औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में विस्तार करने पर ध्यान इसकी अधिग्रहण योजनाओं से दिखता है। नियोजित अधिग्रहण के लिए अनुमानित निवेश 20 करोड़ से लेकर 25 करोड़ तक है। कच्छ की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों का उपयोग करते हुए कंपनी ने क्षेत्र का उपयोग बड़े पैमाने पर प्रीमियम-गुणवत्ता वाले अनार की खेती के लिए करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, स्मॉल-कैप कंपनी खरीदी गई संपत्ति पर एक डिस्टिलरी का निर्माण करने की योजना बना रही है, जिससे इसकी परिचालन क्षमताओं का विस्तार होगा और इसके उत्पादों की रेंज में सुधार होगा।

शेयर का हाल- सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मुराए ऑर्गनाइजर के शेयर ने इंट्राडे ट्रेड के दौरान 5 प्रतिशत अपर सर्किट मारा। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर 1.40 रुपये पर खुला, जो पिछले दिन के 1.35 रुपये के बंद भाव से 4 प्रतिशत अधिक था। इसके बाद मुराए ऑर्गनाइजर का शेयर मूल्य 1.41 पर पहुंच गया, जो 5 प्रतिशत के अपर सर्किट को दिखाता है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 2.73 रुपये है।

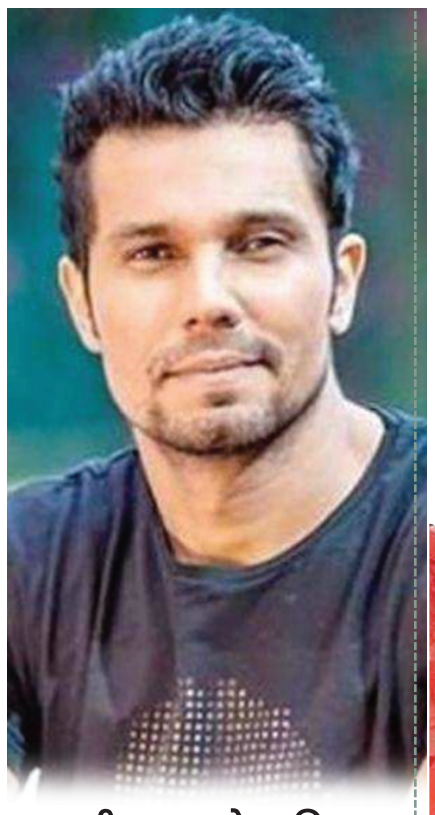

रणदीप हुड्डा ने हासिल किए ऑपरेशन खुकरी के फिल्म राइट्स, निभाएंगे मेजर जनरल पुनिया का किरदार

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी नई फिल्म जाट की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अब वह एक और बड़ी फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें रोमांचक और देशभक्ति से भरी कहानी होगी। दरअसल, उन्होंने सेना पर आधारित किताब ऑपरेशन खुकरी के फिल्म राइट्स खरीद लिए हैं, यानी अब वह इस किताब पर फिल्म बनाएंगे और उसमें एक्टिंग भी करेंगे। रणदीप हुड्डा ने कहा, ऑपरेशन खुकरी की कहानी ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया है। यह सिर्फ गोलियों और जीत की बात नहीं है, बल्कि इसमें बलिदान, भाईचारा और मुश्किल हालात में भी हिम्मत न हारने की कहानी है। यह कहानी दिल से जुड़ने वाली है।

वैरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, रणदीप हुड्डा ने ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मी के ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड नाम की किताब के फिल्म बनाने के ऑफिशियल राइट्स ले लिए हैं। इस किताब को मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया ने लिखा है। अब रणदीप इस सच्ची घटना पर आधारित एक बड़ी मिलिट्री ड्रामा फिल्म बनाएंगे, जिसमें भारतीय सेना के साहसी अभियानों की कहानी दिखाई जाएगी, जो विदेशी धरती पर चलाए गए। रणदीप ने आगे कहा, मेजर जनरल पुनिया का रोल निभाना मेरे लिए एक सम्मान और बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने अपने सैनिकों को एक अनजान देश में 75 दिनों की घेराबंदी से सुरक्षित बाहर निकाला। हमारा मकसद भारतीय सेना के इतिहास के उस अध्याय को लोगों के सामने लाना है, जिसे उतनी पहचान नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी। हमारे सैनिकों की उस भावना के लिए, जो कहती है कि हम मर जाएंगे लेकिन हार नहीं मानेंगे।, मुझे लगता है कि यह कहानी हर भारतीय को प्रेरित करेगी।

फिल्म ऑपरेशन खुकरी साल 2000 में हुई वास्तविक जीवन की घटनाओं को पर्दे पर सामने लाएगी। उस समय 233 भारतीय सैनिकों को सिएरा लियोन, जो अब पश्चिमी अफ्रीका का एक देश है, में बागी लड़ाकों ने बंधक बना लिया था। इसके बाद, उन्हें बचाने के लिए एक बहुत ही खतरनाक और साहसिक मिशन चलाया गया। मेजर जनरल राजपाल पुनिया ने उस मुश्किल हालात के बीच अपने सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला था। यह साहस से लबरेज नेतृत्व की कहानी है।

स्कूप जैसा शो करने की कीमत चुका रही हूं

करिश्मा तन्ना टीवी की दुनिया की सबसे मशहूर, सबसे होनहार एक्ट्रेसेस में से हैं। 2001 में जब उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी में इंदू बनकर छोटे पर्दे पर डेb?यू किया, तो हर घर की दुलारी बनीं। फिर पालकी से लेकर नागिन 3 और कयामत की रात जैसे सीरियल्स ने उन्हें सुपरस्टार का दर्जा दिया। बात रियलिटी शोज की आई तो करिश्मा ने बिग बॉस 8 में फर्स्ट रनर-अप और खतरों के खिलाड़ी 10 में विनर बनकर अपना दम दिखाया। लेकिन अफसोस कि होनहार कलाकार और खूबसूरती में भी अच्छे-अच्छों को मात देने वालीं करिश्मा लंबे समय से पर्दे से गायब हैं। चार साल से वह टीवी पर नजर नहीं आई हैं।

जिग्ना वोरा केस पर बनी थी 2023 में आई स्कूप वेब सीरीज

जिग्ना वोरा केस पर बनी वेब सीरीज स्कूप में करिश्मा ने लीड रोल प्ले किया था। उनके काम की खूब तारफी भी हुई। लेकिन 2023 में आई इस सीरीज के बाद उन?हें कोई बड़ा रोल नहीं मिला। हां, इस बीच वह अनन्या पांडे की वेब सीरीज कॉल मी बे में कैमियो रोल में नजर जरूर आईं। वह अच्छा काम नहीं मिलने के कारण अपना फ्रस्टेशन जरूर जाहिर करती हैं।

2022 में करिश्मा तन्ना ने वरुण बंगेरा से की शादी

मुंबई में 21 दिसंबर 1983 को पैदा हुईं करिश्मा तन्ना 41 साल की हैं। गुजराती परिवार में पैदा हुई इस हसीना ने 2022 में वरुण बंगेरा से शादी की। अब एक हालिया इंटरव्यू में करिश्मा ने काम नहीं मिलने को लेकर चुप्पी तोड़ी है। जब उनसे पर्दे से गायब हो जाने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, मुझे सच में नहीं पता, मेरे पास कोई जवाब नहीं है।

ऐसा नहीं है कि मैं बहुत ज्यादा चूजी हो गई हूं

बड़े पर्दे पर संजू और ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं करिश्मा तन्ना ने बातचीत की है। इसमें स्कूप के बाद काम की कमी को लेकर उन्होंने कहा, मेरे पास सच में कोई जवाब नहीं है। लंबे समय के बाद, मेरे पास एक स्टेज और एक्टिंग फोकस स्क्रिप्ट थी। स्कूप का किरदार चैलेंजिंग था। ऐसा नहीं है कि इस शो के बाद मैं बहुत ज्यादा चूजी हो गई हूं।

मैं बस अच्छे काम का इंतजार कर रही हूं करिश्मा तन्ना आगे कहती हैं, मुझे पता है कि अगर सही स्क्रिप्ट लिखी जाती है, तो निर्देशक इसे हाई लेवल पर ले जा सकते हैं। मैं बस उस तरह के काम का इंतजार कर रही हूं।

मुझे ऐसे ऑफर्स मिले, जिसे हां करने का मन नहीं किया

दोस्ती- फ्रेंड्स एंड फॉरएवर से 2005 में फिल्मों में डेब्यू करने वाली करिश?मा कहती हैं, मुझे इस बीच ऑफर मिले। लेकिन किसी कारण से... मुझे जो मिला, उसे हां कहने का मन नहीं कर रहा है। मैंने यह करके दिखाया है कि मैं क्या कर सकती हूं। स्कूप के बाद मैं कैरेक्टर-फोकस रोल्स मिलने की की उम्मीद कर रही थी।

मैं स्कूप जैसे शोज करने की कीमत चुका रही हूं

वह बताती हैं, मैं ऐसी स्क्रिप्ट पाने की उम्मीद करती हूं जिसके साथ मैं न्याय कर सकूं। इंतजार, कभी-कभी निराशाजनक भी होता है। मैं सेट पर जाना चाहती हूं... हाथों में फिर से स्क्रिप्ट पकड़ना, कैमरे का सामना करना और निर्देशकों और निर्माताओं के बीच रहना। लेकिन जब आप स्कूप जैसे शोज करते हैं तो आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ती है - यह शायद कुछ अच्छे के लिए इंतजार करने का खेल है।

सैयामी खेर ने सर्जरी कराने वाले एक्टर्स पर किया तंज

हाल ही में एक्ट्रेस सैयामी खेर सनी देओल अभिनीत जाट फिल्म में नजर आई थीं। अब उन्होंने कलाकारों द्वारा सुंदर दिखने के लिए अपने शरीर के अंगों की सर्जरी करवाने पर टिप्पणी की है। इसके बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा कि उन्हें भी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने के लिए कहा गया था।

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान अभिनेत्री सैयामी खेर से कॉस्मेटिक सर्जरी के तहत सुंदरता पाने को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने बताया, केवल अभिनेत्रियों पर? नहीं, मुझे लगता है कि यह अभिनेता-अभिनेत्रियों सभी पर लागू होता है। मुझे लगता है कि अगर कोई अपने दिखने के तरीके से खुश नहीं है और वो कुछ इसमें बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें हर तरह से ऐसा करना चाहिए। लेकिन आप इस बात से इतने प्रभावित नहीं हो सकते कि दुनिया क्या सोचती है, यह मेरी राय है।

जब सैयामी को भी सर्जरी कराने के लिए कहा गया

आगे बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया, 'कुछ लोगों ने मुझे बताया कि मुझे लिप जॉब करवाने की जरूरत है क्योंकि मेरे होंठ पर्याप्त रूप से भरे हुए नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे नाक की सर्जरी करवानी चाहिए।' इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'लेकिन मैं ठीक हूं। मुझे अपने होंठ वैसे ही पसंद हैं जैसे वे हैं, मुझे उनसे कोई समस्या नहीं है। हर कोई सुंदर दिखने के लिए फैक्ट्री में बने उत्पाद की तरह दिखने लगा है। आप एक निश्चित तरीके से बने होते हैं और यह आपको प्रामाणिकता देता है। इसलिए मुझे लगता है कि हमें ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, जहां इतनी इनसिक्योरिटी ना हो। ये इस बारे में होना चाहिए कि उसका प्रदर्शन कैसा है ना कि उनके होंठ बड़े हैं या नहीं।'

सैयामी खेर को आखिरी बार गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित जाट फिल्म में देखा गया था। इसके अलावा उन्हें कई साउथ फिल्मों में भी दिखा गया है, जैसे- चोक्ड, अनपॉज्ड और वाइल्ड डॉग और हाईवे आदि।

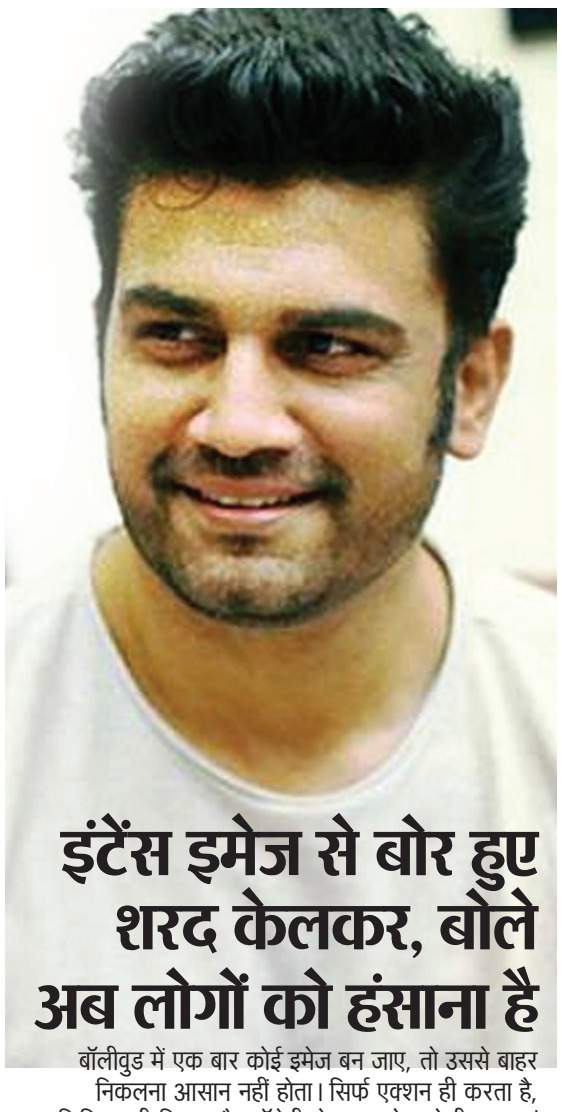

इंटेंस इमेज से बोर हुए शरद केलकर, बोले अब लोगों को हंसाना है

बॉलीवुड में एक बार कोई इमेज बन जाए, तो उससे बाहर निकलना आसान नहीं होता। सिर्फ एक्शन ही करता है, सिरियस ही दिखता है, कॉमेडी से दूर रखो - ऐसी धारणाएं हर एक्टर को कभी न कभी झेलनी पड़ती हैं। कुछ ऐसा ही हुआ एक्टर शरद केलकर के साथ। शरद केलकर को अक्सर इंडस्ट्री में पुलिस अफसर या इंटेंस किरदारों के लिए ही कास्ट किया गया है। मगर उनके मन में कुछ और ही चल रहा- वो ऑनस्क्रीन 'क्राइम मास्टर गोगो' बनना चाहते हैं।

मुझे क्राइम मास्टर गोगो का रोल करना है

अमर उजाला से खास बातचीत में शरद ने अपनी दिल की बात रखी। उन्होंने कहा, मैं क्राइम मास्टर गोगो का रोल करना चाहता हूं। अंदाज अपना अपना वाला। अब जाहिर है, मैं आमिर या सलमान तो बन नहीं सकता, पर क्राइम मास्टर गोगो जैसा किरदार करने में मुझे बड़ा मजा आएगा। शरद ने बताया कि कॉमेडी करने की उनकी बड़ी इच्छा है, लेकिन लोगों की बनी बनाई छवि की वजह से उन्हें ये चांस ही नहीं मिलता। पता नहीं क्यों, लोगों को लगता है मैं बहुत सीरियस आदमी हूं। जबकि रियल लाइफ में मैं पूरा मस्तीखोर हूं। अगर आप मेरी शूटिंग यूनिट या दोस्तों से पूछेंगे तो सब यही कहेंगे कि मैं सबसे ज्यादा जोक्स क्रैक करता हूं, सबसे ज्यादा मस्ती करता हूं। मैं तो खुद को भी कहता हूं कि मैं वो एक्टर हूं ही नहीं, जो लोग समझते हैं।

किरदार नहीं, एक्टिंग से जज करो

शरद ने कहा, परदे का किरदार ही इंसान समझना बड़ी भूल है। अगर कोई नेगेटिव रोल करता है, तो लोग समझते हैं कि वो असल जिंदगी में भी वैसा ही है। लेकिन असल में हर एक्टर एक आम इंसान होता है, जिसकी अपनी फैमिली और जिम्मेदारियां होती हैं। एक बार विलन या पुलिस वाला बन गए, तो बस वही रोल बार-बार मिलता है। लोग उस इमेज से बाहर आने नहीं देते। सच ये है कि एक्टर की असली पहचान उसका टैलेंट है, किरदार नहीं। उसे रोल्स से नहीं, उसकी कला से जज करें।

मुझे खुद को रिपीट करना पसंद नहीं

शरद ने ये भी बताया कि कैसे उन्होंने खुद को टाइपकास्ट होने से बचाने की कोशिश की। एक्टर ने कहा, एक समय ऐसा भी आया जब मुझे लगातार पुलिसवाले रोल्स मिलने लगे थे। जैसे जगदीश राज जी के बाद सबको लगता था अगला पुलिस वाला मैं ही बनूंगा। मतलब इंडस्ट्री में टाइम पास करते हुए सोचते थे कि अब ये रोल शरद को दे दो। मैंने सोच-समझकर ऐसे रोल्स कम कर दिए, ताकि मैं खुद को रिपीट न करूं। शरद का मानना है कि सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, डायरेक्टर्स भी टाइपकास्टिंग का शिकार होते हैं। विक्रम भट्ट को ही देख लीजिए। लोग उन्हें सिर्फ हॉरर फिल्मों के लिए जानते हैं - 'राज़', '1920', 'हॉन्टेड' जैसी फिल्में उनकी पहचान बन गईं। पर वही विक्रम भट्ट ने 'आवारा पागल दीवाना' जैसी सुपरहिट कॉमेडी भी बनाई है। मगर इंडस्ट्री उन्हें वही हॉरर फ्रेम में देखना चाहती है। मौका मिलेगा तो हर कोई कुछ नया कर सकता है - बस नजरिया बदलने की जरूरत है।

क्राइम मास्टर गोगो- बॉलीवुड की क्लासिक कॉमिक आइकॉन

क्राइम मास्टर गोगो का किरदार बॉलीवुड में हमेशा यादगार रहेगा। शक्ति कपूर ने इसे जो अंदाज दिया, वह आज भी लोगों के दिलों में बसता है। उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्टाइल इस रोल को क्लासिक बनाती है।

राणा नायडू सीजन 2 - इस बार हर लाइन होगी क्रॉस... राणा दग्गुबाती का रास्ता रोकेंगे अर्जुन रामपाल

राणा दग्गुबाती, वेंकटेश और सुरवीन चावला की पॉपुलर वेब सीरीज राणा नायडू एक बार फिर धमाल मचाने की तैयारी में है। इस बार मजा और रोमांच और बढ़ले वाला है, क्योंकि राणा का रास्ता रोकने के लिए अर्जुन रामपाल खूंखार अवतार में कहानी में एंट्री करेंगे। तीन महीने पहले राणा नायडू सीजन 2 का टीजर रिलीज किया गया था। अब मेकर्स ने इसके रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। राणा नायडू 2 अगले महीने जून में सरगर्मी बढ़ाने की तैयारी में है। दो साल पहले 2023 में जब राणा नायडू का पहला सीजन रिलीज हुआ था, तब इस पर खूब हायतौबा मची थी। खासकर सीरीज की भाषा और इसमें बाप-बेटे के रिश्ते को जिस तरह दिखाया है, उस पर बवाल मचा। बहरहाल, करण अंशुमान, सुपर्णा वर्मा और अभय चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी यह सीरीज अब दूसरे, दमदार सीजन के साथ लौट आया है।

कब और कहां देखें राणा नायडू सीजन 2

दिग्गज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर सीजन-2 के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट का ऐलान किया है। इस पोस्ट में राणा दग्गुबाती को बीच में दिखाया गया है, जो एक लकड़ी का बल्ला पकड़े हुए हैं। साथ में अर्जुन रामपाल, वेंकटेश, सुरवीन चावला और कीर्ति खरबंदा भी हैं। कैप्शन में लिखा गया है, जब बात परिवार की हो, राणा हर लाइन क्रॉस करेगा। राणा नायडू सीजन 2 देखें, 13 जून को, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।

इस बार अधिक रोमांच और अधिक हाई ऑक्टेन ड्रामा

नेटफ्लिक्स ने इसके साथ ही एक बयान में कहा, साल 2023 की सबसे सफल हिट सीरीज में से एक बनने के बाद, यह सीरीज और भी ज्यादा रोमांचक होने वाला है। विश्वासघात और हिसाब-किताब बराबर करने की लड़ाई इस बार हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ आगे बढ़ने वाली है। दूसरे सीजन में दर्शकों को परिवार, सत्ता और किरदारों के भीतर छुपे राक्षसों की अराजकता को और गहराई से देखने का मौका मिलेगा।

राणा नायडू सीजन 2 कास्ट

राणा नायडू 2 में जहां राणा दग्गुबाती, वेंकटेश और अर्जुन रामपाल लीड रोल में हैं, वहीं उनके साथ सुरवीन चावला, कीर्ति खरबंदा, सुशांत सिंह, अभिषेक बनर्जी और डिनो मोरिया भी दिखेंगे।

क्या है राणा नायडू की कहानी

यह कहानी राणा नायडू नाम के किरदार की है, जो फिक्सर है। यानी वह पैसों के लिए सेलेब्स और बड़े रसूख वाले लोगों की हर तरह की समस्या को सुलझाता है। राणा अपने पेशे में सबका बाप है। लेकिन निजी जीवन में वह उथल-पुथल से घिरा हुआ है। उसकी स्थिति तब और खराब हो जाती है जब उसका बाप नागा नायडू जेल से रिहा होकर लौटता है। बाप-बेटे के रिश्ते का एक ऐसा अतीत है, जिस कारण दोनों हमेशा एक-दूसरे के खिलाफ ही खड़े होते हैं। नागा नायडू को 15 साल बाद जेल से रिहाई मिलती है। राणा के दो और भाई भी हैं। नागा अपने बेटों से रिश्ता सुधारना चाहता है। लेकिन यहां, तनाव और बिखराव ज्यादा है।

अमेरिकी टीवी शो का रीमेक

वैसे, जानकारी के लिए यह भी बता दें कि राणा नायडू अमेरिकी टीवी सीरीज रे डोनोवन का ऑफिशियल रीमेक है। यह सीरीज इसलिए भी चर्चा में रही है, क्योंकि इसमें असल जिंदगी में चाचा-भतीजा यानी राणा दग्गुबाती और वेंकटेश साथ काम कर रहे हैं। दोनों इसमें बाप-बेटे (राणा और नागा) के रोल में हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का हुआ ऐलान, पंत को मिली नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी, जहां वह मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए भारतीय टीम और नया टेस्ट कप्तान घोषित कर दिया गया है। 18 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है, जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। टीम में करुण नायर की भी लंबे समय बाद वापसी हुई है। वहीं, फिटनेस कारणों से मोहम्मद शमी टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। इसके अलावा, तेज गेंदबाज ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी टेस्ट टीम में वापसी कर चुके हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई 18 सदस्यीय भारतीय टेस्ट टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

टीम चयन के लिए बैठक मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मुख्यालय में हुई, जिसमें सचिव देवजीत सैकिया और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजीत अगरकर ने टीम का आधिकारिक ऐलान किया।

वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 टीम में कब मिलेगा खेलने का मौका, कोच ने कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीता। इतनी कम उम्र में वैभव ने जिस तरह का खेल दिखाया और दुनिया के धुरंधर गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए उसकी हर किसी ने प्रशंसा की। इस लीग में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला ये बल्लेबाज अब इंडिया अंडर 19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाने वाला है।

वैभव के भविष्य को लेकर उनके कोच अशोक कुमार ने एक बड़ी भविष्यवाणी की। अशोक कुमार वैभव को बिहार अंडर 19 टीम और सीनियर टीमों में कोचिंग दी है और उन्होंने भविष्यवाणी की है कि वो दो साल में भारत के लिए डेब्यू करेंगे। वैभव के कोच अशोक के मुताबिक अगर वह अपनी फिटनेस और फील्डिंग में सुधार करते हैं तो वह 2 साल के भीतर भारतीय जर्सी में दिखाई देंगे।

अशोक कुमार ने आईएएनएस से कहा कि बचपन से ही टीम को अकेले दम पर जिताने का उनका जज्बा गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाने के दौरान भी देखने को मिला। राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौड़ के साथ उनकी बल्लेबाजी में निखार आया है।

जूलियन वेबर से हारे जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, 85 मीटर भी फेंक नहीं पाए थ्रो

चोरजोव (पोलैंड), एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा इस स्पर्धा में अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे। 27 साल का यह खिलाड़ी अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर था। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने इससे पहले अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में क्रमशः 81.28 मीटर और 81.80 मीटर की दूरी तय की।

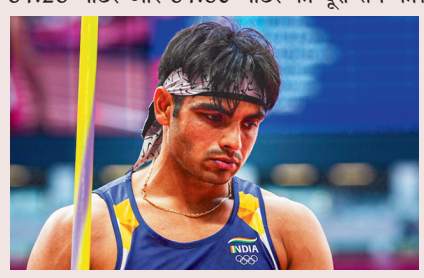

उनके अन्य तीन प्रयास फाउल थे। प्रतियोगिता का आयोजन सिलेसियन स्टेडियम में दिन में हुई बारिश के बाद आसमान में बादल छाए रहने के बीच किया गया। हाल ही में (16 मई) दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर स्पर्धा में चोपड़ा को हराकर शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी के थ्रो के साथ फिर से शीर्ष स्थान पर रहे। दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वह दोहा में भी तीसरे स्थान पर रहे थे। यह भुवनेश्वर में 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के प्रयास के बाद पहली बार है जब चोपड़ा ने किसी स्पर्धा में 85 मीटर से कम का सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया था। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका। यह पहली बार था जब चोपड़ा ने किसी स्पर्धा में 90 मीटर से अधिक की दूरी तय की थी। दोहा में भी चोपड़ा वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर थे।

आईपीएल 2025:

14 मैच, 32 छक्के, ईशान किशन के नाम जुड़ा बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस लिस्ट में ईशान किशन की भी एंट्री हो गई है। ईशान किशन 32 छक्के लगा चुके हैं। ईशान ने यह उपलब्धि केवल 14 मैच खेलकर हासिल की थी। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आरसीबी के गेंदबाजों को इन आक्रामक बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है।

प्लेयर ऑफ द मैच ईशान किशन ने कहा कि जब आप पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं और दोनों ओपनर अच्छी लय में दिख रहे होते हैं, तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप लय बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक और हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे। जब विकेट गिर रहे होते हैं तो आपका दृष्टिकोण बदल जाता है, लेकिन आप लय बनाए रखने की कोशिश करते हैं। इसके लिए आपको कुछ अच्छे शॉट खेलने की जरूरत होती है। जब आप अभ्यास सत्र में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो आपको आत्मविश्वास मिलता है। ईशान किशन ने कहा कि मैं सिर्फ अच्छे शॉट खेलने के बारे में सोच रहा था। एक तरफ बहुत बड़ी पारी थी और कुछ अंतराल थे। कुल मिलाकर प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं हूं। हम कुल मिलाकर और बेहतर कर सकते थे। मैं अपनी टीम के लिए और भी बहुत कुछ कर सकता था। यह सीखने का खेल है। ऐसी चीजें होती रहती हैं। आपको बस खुद पर विश्वास रखना है और कड़ी मेहनत करते रहना है।

आईपीएल 2025:

रजत पाटीदार पर लगा भरकम जुर्माना, पैट कमिंस की भी जेब कटी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025में शुक्रवार (23 मई) के मैच के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया क्योंकि आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहली बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में दूसरी बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। ऐसे में पाटीदार पर आरसीबी की प्लेइंग 11 का सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, चूंकि यह आईपीएल की स्लो ओवर-रेट ऑफेंस से संबंधित कोड ऑफ कंडक्ट के तहत उनकी टीम की इस सत्र में दूसरी गलती थी ऐसे में पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

आरसीबी के खिलाड़ियों पर भी लगा जुर्माना

आईपीएल ने आगे कहा, इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया। पैट कमिंस पर जुर्माना लगाने का जानकारी देते हुए कहा गया, चूंकि यह आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट स्लो ओवर रेट से संबंधित आर्टिकल 2.22 के तहत उनकी टीम की इस सत्र में पहली गलती थी, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

वनडे से भी जाएगी रोहित शर्मा की कप्तानी?

गौतम गंभीर ने किया इशारा

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा ने हाल ही में टी20 के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था. अब उनके पास सिर्फ भारत के वनडे टीम की कमान बची है. लेकिन लगता है कि ये भी उनके हाथ से चली जाएगी. टेस्ट में नए कप्तान की घोषणा होनी है. वहीं सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभाल रहे हैं. इधर रोहित टेस्ट से संन्यास लेने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के पास पहले से ज्यादा पावर होने की संभावना है. ऐसे में रोहित शर्मा को कप्तानी की कुर्बानी देनी पड़ सकती है. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि गंभीर ने ताजा बयान में इशारों-इशारों में अपना संदेश दे दिया है.

टीम इंडिया की कप्तानी को लेकर गौतम गंभीर ने कहा, अगर एक कोच के तौर पर आप मुझसे पूछें अगर सभी फॉर्मेट के लिए एक ही कप्तान है तो एक व्यक्ति के साथ काम करना अच्छा है. लेकिन ऐसा होता नहीं है. आज के समय में आपको समझना होगा कि किसी को भी 12 महीने तक कप्तानी नहीं कराई जा सकती है. आप 10 महीने इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं और 2 महीने

आईपीएल. ऐसे में जो टीम इंडिया का कप्तान होगा वो फ्रेंचाइजी का भी नेतृत्व करेगा. इससे उस खिलाड़ी के दिमाग और खेल पर काफी बुरा असर पड़ेगा. इसलिए दो कप्तान होना अच्छा है. इससे दबाव को कम किया जा सकता है.

गंभीर से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया था कि सभी फॉर्मेट के लिए एक खिलाड़ी को कप्तान बनाना अच्छा है या फिर अलग-अलग टीम और 3 अलग कप्तान बनाना चाहिए. इसके जवाब में उन्होंने 3 के बजाय 2 कप्तानों की सलाह दी. लेकिन टेस्ट टीम की कप्तानी की घोषणा के बाद टीम इंडिया के पास अलग-अलग फॉर्मेट में 3 कप्तान हो जाएंगे. अगर गंभीर 2 कप्तान को बेहतर मानते हैं और इस दिशा में काम करेंगे तो जाहिर है कि रोहित को कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है. जैसा कि मीडिया रिपोर्ट में पहले भी दावा किया गया है कि गंभीर के दबाव के वजह से ही रोहित को टेस्ट से हटना पड़ा. हालांकि, ऐसा होगा या नहीं ये तो समय ही बताएगा.

2027 वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित-विराट – रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट और टी20 को अलविदा कह चुके हैं. लेकिन वे वनडे अभी भारत के लिए उपलब्ध रहेंगे. गंभीर से दोनों के 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की संभावना के बारे में भी सवाल किया गया. इस पर गंभीर ने कहा, देखिए यह अभी भी बहुत दूर है. इससे पहले टी20 वर्ल्ड कप है, जो एक बड़ा टूर्नामेंट है और भारत में होने वाला है. इसलिए इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद पूरा फोकस उसी पर रहेगा. 2027 वर्ल्ड कप अभी भी ढाई साल दूर है. मैंने हमेशा एक बात कही है- यदि आप प्रदर्शन करते रहते हैं, तो उम्र सिर्फ एक संख्या है. यानि रोहित-विराट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है कि वो 2027 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा होंगे या नहीं.

मलेशिया मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में, ड्रॉ में एकमात्र भारतीय बचे

कुआलालंपुर, एजेंसी। पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने शुक्रवार को बुकिट जलील में मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत ने एक घंटे 14 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फ्रांस के विश्व नंबर 18 टोमा जूनियर पोपोव को 24-22, 17-21, 22-20 से हराया।

वर्तमान में विश्व में 65वें स्थान पर काबिज श्रीकांत को मिड-गेम ब्रेक में पिछड़ने के बाद निर्णायक गेम में कड़ी टक्कर देनी पड़ी। अपने विशिष्ट लचीलेपन के साथ, भारतीय शटलर ने पोपोव के खिलाफ छह मुकाबलों में अपना चौथा मैच जीतकर वापसी की और इस सीजन में अपना पहला सेमीफाइनल मैच जीता। यह श्रीकांत का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर मार्च 2024 में स्विस ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से सर्वश्रेष्ठ परिणाम है।

भारतीय खिलाड़ी ने मैच की जोरदार शुरुआत की और शुरुआती गेम में 7-4 की बढ़त हासिल की। ??हालांकि, पोपोव ने जल्दी ही वापसी की और 21-20 पर एक गेम प्वाइंट भी हासिल किया। श्रीकांत ने अपना संयम दिखाते हुए बाजी पलटी और गेम 24-22 से अपने नाम

कर लिया। दूसरे गेम में गति बदल गई और पोपोव चार अंकों की बढ़त के साथ ब्रेक में चले गए। श्रीकांत स्कोर को 15-15 पर बराबर करने में सफल रहे, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सके और अंततः गेम 17-21 से हार गए। निर्णायक गेम में, श्रीकांत ने एक बार फिर खुद को मध्य-खेल अंतराल पर चार अंक पीछे पाया। लेकिन जबरदस्त धैर्य और कोर्ट के प्रति जागरूकता दिखाते हुए उन्होंने पोपोव को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार वापसी की और अंतिम चार में जगह बनाई। श्रीकांत ने इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड के विश्व नंबर 33 एनहट गुयेन को हराया था। अब उनका सामना शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के विश्व नंबर 22 युशी तनाका से होगा। तनाका ने इससे पहले भारत के एचएस प्रणय को राउंड ऑफ 16 में हराया था।

इस बीच, क्वार्टर फाइनल में भारत की मिश्रित युगल उम्मीदें खत्म हो गईं। तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला को 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता चीन के जियांग जेनबैंग और वेई याक्सिन के खिलाफ 22-24, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। उनके बाहर होने के साथ ही, श्रीकांत बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रह गए हैं।

मार्श ब्रदर्स के बाद पंड्या ब्रदर्स ने आईपीएल में बनाया अनोखा रिकॉर्ड, दो दिन में हुए दो अजूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल एक ऐसी लीग है, जहां बड़े कारनामे और अनोखे रिकॉर्ड्स बनते रहते हैं. हर दिन कुछ नया होता है, इसलिए अभी तक इस टूर्नामेंट का रोमांच बरकरार है. आईपीएल 2025 में लीग स्टेज के मुकाबले अब कुछ दिनों में खत्म होने वाले हैं. लेकिन इससे पहले दो दिनों में दो अजूबे हो गए हैं. पहले मार्श ब्रदर्स यानि शॉन मार्श और मिचेल मार्श ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने किया. वो इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहले दो भाई बने, जिन्होंने शतक जड़ा है. 2008 के सीजन में शॉन मार्श ने किंग्स पंजाब (पंजाब किंग्स) के लिए 69 गेंद में 115 रनों की पारी खेली थी. वहीं 22 मई को मिचेल मार्श ने लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर 64 गेंद में 117 रन ठोके. इसके अगले ही दिन यानि 23 मई को पंड्या ब्रदर्स ने भी एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

दरअसल, 23 मई को लखनऊ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला हुआ. इस दौरान हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 232 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में बेंगलुरु ने शानदार शुरुआत की लेकिन अंत में बिखर गई. आखिरी के 26 गेंद में टीम ने सिर्फ 16 रन बनाए और 7 विकेट गंवा दिए. इस दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक

पंड्या के भाई क्रुणाल पंड्या 19वें ओवर में बैटिंग करने के लिए उतरे थे. वो 5 गेंद में 8 रन बना चुके थे. फिर पैट कमिंस के यॉर्कर गेंद के खिलाफ उन्होंने तेज प्रहार करने की कोशिश की. लेकिन वो गेंद की बजाय ऑफ स्टम्प पर मार बैठे.

इस तरह से क्रुणाल हिट विकेट होकर पवेलियन लौट गए. उन्होंने 6 गेंद में 8 रनों की बनाए. इससे पहले उनके भाई हार्दिक 2020 के सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इसी अंदाज में आउट हुए थे. आंद्रे रसेल के खिलाफ क्रीज के अंदर जाकर उन्होंने थर्ड मैन की दिशा में खेलने की कोशिश की थी. लेकिन उनका पांव स्टम्प पर जाकर लग गया था और वो हिट विकेट हो गए थे. इस तरह पंड्या ब्रदर्स आईपीएल में भाईयों की पहली जोड़ी बन गई है, जो हिट विकेट आउट हुई है. हालांकि, वो इस अनचाहे रिकॉर्ड को याद नहीं रखना चाहेंगे.

आईपीएल के 17वें खिलाड़ी – क्रुणाल पंड्या आईपीएल 2025 में हिट विकेट से आउट होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं. उनसे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिनव मनोहर भी इसी तरह आउट हुए थे. इन दोनों से पहले 15 खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जो इस लीग में हिट विकेट हो चुके हैं. यानि क्रुणाल इस तरह शिकार होने वाले 17वें खिलाड़ी हैं.

संक्षिप्त समाचार

सवा साल पहले मिल गया फ्लैट, पार्किंग के लिए अभी भी डीडीए के ड्रा का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के द्वारका सेक्टर-14 में फ्लैट आवंटित होने के सवा साल बाद भी पार्किंग अलॉट नहीं हुआ है। डीडीए को बेसमेंट के साथ ग्राउंड पार्किंग के लिए ड्रॉ निकालना था, लेकिन मई 2025 तक ड्रॉ नहीं निकाला गया। लोग अपार्टमेंट अंदर ही जहां-तहां वाहनों की पार्किंग करने को मजबूर हैं। फ्लैट आवंटित होने के सवाल साल बाद भी द्वारका सेक्टर-14 के द्वारका ग्रीन अपार्टमेंट के निवासियों को पार्किंग के अलॉट करने के लिए ड्रॉ का इंतजार है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 23 नवंबर 2023 को नई आवासीय योजना फ्लैट खरीदारों के लिए निकाली थी। इसके तहत द्वारका सेक्टर-14 में 316 एलआईजी फ्लैटों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बुकिंग शुरू की थी। इसके अतिरिक्त 316 एमआईजी फ्लैटों की ई-नीलामी शुरू की थी। द्वारका सेक्टर-14 के अपार्टमेंट में फरवरी 2024 तक अधिकतम फ्लैट खरीदारों को फ्लैट आवंटित हो गए थे। फ्लैट खरीदारों के अनुसार डीडीए की आवास योजना के तहत एलआईजी और एमआईजी फ्लैटों के खरीदारों को अपार्टमेंट में प्रति फ्लैट एक वाहन के पार्किंग अलॉट करने के लिए ड्रॉ निकाला जाना था। लेकिन फ्लैट आवंटित होने के सवा साल बाद भी पार्किंग अलॉट करने के लिए ड्रॉ नहीं निकाला गया।

लोगों ने एलआईजी फ्लैट को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 85 से 95 लाख रुपए में खरीदा था। जबकि एमआईजी फ्लैटों को ई-नीलामी के तहत एक करोड़ 25 लाख रुपए से दो करोड़ चार लाख रुपए तक खरीदा था। फरवरी 2024 से लेकर अब तक मई 2025 के दौरान डीडीए के अधिकारियों को कई लिखित शिकायत और मांग करने के बाद भी पार्किंग आवंटित करने के लिए ड्रॉ प्रक्रिया शुरू नहीं का जा सकी।

इस संबंध में डीडीए के अधिकारियों ने कहा कि अपार्टमेंट के निवासियों से लगातार इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। फ्लैट खरीदारों के साथ अब तक कई बैठकें भी की हैं। पार्किंग अलॉट करने की प्रक्रिया जल्द शुरू करेंगे।

अपार्टमेंट के निवासी अशोक ने बताया कि अब तक 70 फीसदी लोग यहां पर रहने आ चुके हैं। कुल 632 एलआईजी व एमआईजी फ्लैटों में से लगभग 530 फ्लैटों में लोग रह रहे हैं। डीडीए प्रशासन को द्वारका सेक्टर-14 के द्वारका ग्रीन अपार्टमेंट में बेसमेंट एक और दो के साथ ग्राउंड पार्किंग के लिए ड्रॉ निकालना था, लेकिन मई 2025 तक ड्रॉ नहीं निकाला गया। इससे लोग अपार्टमेंट अंदर ही विभिन्न स्थानों पर अपने वाहनों की पार्किंग करने को मजबूर हैं। इस वजह से बच्चों को खेलने के लिए अतिरिक्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। अपार्टमेंट में वाहन खड़े होने के कारण वहां की जगह पर घिरती जा रही है।

पहलगाम अटैक से पहले गया था पाकिस्तान, दिल्ली से पकड़े गए पाकिस्तानी जासूस भाई का बड़ा खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश एटीएस ने दिल्ली के सीलमपुर से पाकिस्तान के लिए जासूसी के शक में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक का नाम हारून है। हारून के भाई ने बड़ा खुलासा किया है। हारून के भाई साहिद ने बताया कि वो हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले से पहले पाकिस्तान गया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान भाई साहिद ने बताया कि हारून ने दो शादियां की हैं। उसकी एक पत्नी पाकिस्तान में रहती है, जिससे मिलने वो कुछ दिन पहले ही गया था। हारून की गिरफ्तारी के बाद उसके परिजन हैरान हैं। हारून के बारे में जानकारी देते हुए भाई साहिद ने बताया कि हारून पाकिस्तान जाता रहता था, क्योंकि उसकी शादी वहीं हुई थी। साहिद के अनुसार, हारून आखिरी बार 5 अप्रैल को पाकिस्तान गया था और 25 अप्रैल को वापस लौट आया। हारून की गिरफ्तारी को लेकर जानकारी देते हुए भाई साहिद ने बताया कि उस दिन सादी वर्दी में कुछ लोग घर आए थे। घर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि वो पासपोर्ट ऑफिस से आए हैं और पाकिस्तान से वापस आए लोगों को वापस बुलाया जा रहा है।

आतंकवाद पर अब देश चुप नहीं रहेगा : शशि थरूर

यह मिशन दुनिया को याद दिलाएगा कि भारत किन मूल्यों के साथ खड़ा है

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश दौरे पर जा रहे शशि थरूर ने जाते-जाते अपने इरादे साफ कर दिए हैं। पांच देशों की यात्रा पर जाने से पहले थरूर ने कहा कि आतंकवाद पर अब देश चुप नहीं रहेगा, यह मिशन दुनिया को याद दिलाएगा कि भारत किन मूल्यों के साथ खड़ा है। थरूर विदेश जाने वाले सात प्रतिनिधिमंडलों में से एक के नेतृत्व कर्ता है। कांग्रेस पार्टी द्वारा नाम न दिए जाने के बाद भी पीएम मोदी और केंद्र सरकार ने उन पर भरोसा जताते हुए उनको इसमें शामिल किया है।

अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में थरूर ने कहा, मैं सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए पांच देशों की यात्रा पर जा रहा हूं। इन पांच देशों में गुयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं। हम वहां इसलिए जा रहे हैं ताकि देश के लिए बोल सकें, इस भयावह संकट के बारे में बोल सकें, जिसमें हमारे देश पर आतंकवादियों ने सबसे क्रूर तरीके से हमला किया।

थरूर ने अपने इरादे जाहिर करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य उन मूल्यों को सामने लाने का होगा, जिनका भारत वर्षों से समर्थन करता है और जिन्हें आज दुनिया में संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें अपने देश के लिए पूरे विश्वास के साथ बोलने की जरूरत है। हमें दुनिया को यह संदेश देना है कि हम आतंकवाद पर चुप नहीं रहेंगे और हम नहीं चाहते कि दुनिया इस मामले पर हमें अनदेखा करे। हम नहीं चाहते कि उदासीनता सच्चाई पर विजय पाए। कांग्रेस सांसद ने कहा, यह एक ऐसा मिशन है जो एक दिन दुनिया को याद दिलाएगा कि भारत उन सभी मूल्यों के लिए खड़ा है जिन्हें आज हम दुनिया में शांति, लोकतंत्र, स्वतंत्रता के बनाए रखने के लिए जरूरी मानते हैं.. न कि आतंक, नफरत और हत्या के लिए।

रक्षा संपदा कार्यालय ने दिल्ली हवाई अड्डे के पास दो एकड़ जमीन से अवैध कब्जा हटाया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली क्षेत्र के रक्षा संपदा कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1डी के पास दो एकड़ महत्वपूर्ण रक्षा भूमि से अवैध कब्जे को हटाने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। दिल्ली छावनी के मेहरम नगर इलाके में स्थित इस जमीन पर कथित तौर पर कई वर्षों से अवैध कब्जा था। दिल्ली क्षेत्र के रक्षा संपदा अधिकारी वरुण कालिया ने बताया कि यह संयुक्त अभियान दिल्ली छावनी बोर्ड, स्थानीय सैन्य अधिकारियों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से चलाया गया। कालिया ने कहा कि इस अभियान के तहत अनधिकृत पार्किंग क्षेत्रों को हटाया गया, वाहनों को जब्त किया गया तथा अवैध पशु आश्रय स्थलों को ध्वस्त किया गया। इस जमीन पर बने कई छोटे-बड़े ढांचों को भी हटा दिया गया। हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का यह दूसरा बड़ा अभियान है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह मेहरम नगर में रक्षा भूमि के अन्य हिस्सों को फिर से कब्जे में लेने के लिए भी इसी तरह की कार्रवाई की गई थी।

दिल्ली सरकार की स्कीमों के लिए होगा सर्वे, धर्म-जाति और इनकम समेत पूछे जाएंगे 37 सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार लाभकारी योजनाओं के लिए डेटाबेस बनाने जा रही है। इसके लिए सर्वे के दौरान 37 बिंदुओं पर जानकारी ली जाएगी। इसमें नाम, पता, आय के साथ जाति और धर्म से जुड़ी जानकारी भी मांगी जाएगी। लाभकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए डेटाबेस तैयार करने की शुरुआत पांच विभागों से होगी। पहले चरण में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम, राजस्व, समाज कल्याण विभाग के लाभार्थियों के साथ इसकी शुरुआत होगी। अगले चरण में बाकी विभागों और हर दिल्लीवाले को डाटाबेस तैयार कर यूनिक आईडी दी जाएगी। सरकार का कहना है कि इस डेटाबेस से भविष्य में नीति निर्धारण में आसानी होगी। सरकार का मानना है कि इससे न केवल लाभ वितरण में पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि फर्जीवाड़े पर भी रोक लगेगी। नागरिकों को भी एक ही स्थान पर सभी जानकारी और योजनाओं की स्थिति देखने की सुविधा मिलेगी।

सभी के लिए आईडी : सरकार के मुताबिक, यूनिक आईडी लाभार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि सभी दिल्लीवालों के लिए होगी। सर्वे शुरू करने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिक विभाग की ओर से टेंडर भी जारी कर दिया गया है।

360 डिग्री डेटाबेस तैयार होगा : सूचना प्रौद्योगिक विभाग राज्य के हर नागरिक का 360 डिग्री डेटाबेस तैयार करना चाहता है। इसलिए सर्वे के दौरान हर तरह की जानकारी ली जाएगी। सरकार का कहना है कि सर्वे में इस तरह की जानकारी होने और उसका एक एकीकृत प्लैटफॉर्म बनने से योजनाओं की निगरानी, नीति निर्माण, लाभकारी योजनाओं के वितरण में आसानी होगी।

यूनिक आईडी से आसानी होगी : अधिकारियों ने कहा कि दिल्लीवालों को यूनिक आईडी मिलने से उन्हें सरकार की तरफ से मिल रही सभी लाभकारी योजनाओं की सूचना एक जगह मिल जाएगी। इसके तहत एक सिंगल विंडो सिस्टम तैयार किया जाएगा, जहां से नागरिक को अपना विवरण देखने और अपडेट करने की सुविधा मिलेगी। सरकार इसे गोल्डन रिकॉर्ड कह रही है, जहां से सभी विभाग उसके आवेदनों की जांच कर पाएंगे। विभिन्न डेटाबेसों में व्यक्ति की पहचान और ट्रैकिंग करना आसान होगा।

पति की पहली जिम्मेदारी अपनी कानूनी पत्नी का भरण-पोषण करना, दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कोई भी व्यक्ति लिव-इन पार्टनर और उसके बच्चों के खर्च के नाम पर अपनी कानूनी पत्नी को गुजाराभत्ता देने से नहीं बच सकता। पति की पहली जिम्मेदारी अपनी कानूनी पत्नी का भरण-पोषण करना है। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रेनू भटनागर की बेंच ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत पति को निर्देश दिया है कि वह पत्नी को निचली अदालत द्वारा तय गुजाराभत्ता रकम का भुगतान करे। प्रोफेसर को पिछले छह साल के गुजाराभत्ता रकम की भरपाई पत्नी को करनी है। दरअसल, इस मामले में प्रोफेसर की दलील थी कि वह तकरीबन 62 हजार रुपये महीने अपनी लिव-इन पार्टनर और उसके तीन बच्चों के जीवन-यापन के लिए देता है। ऐसे में उसकी आर्थिक स्थिति पत्नी के बकाया गुजाराभत्ते की भरपाई करने की नहीं है। बेंच ने कहा कि कानूनी पत्नी का अपना वजूद होता है। बेशक लिव-इन पार्टनर और उससे जन्मे तीन बच्चे भी उसकी जिम्मेदारी हैं, लेकिन प्राथमिकता कानूनी पत्नी की ज्यादा है।

कमाई कम और खर्च ज्यादा : इस मामले में बेंच ने कहा कि हैरत की बात है कि पत्नी को बकाया गुजाराभत्ता देने से बच रहे प्रोफेसर पति ने अदालत में दायर अपने हलफनामे में मासिक आय 1 लाख 30 हजार बताई है, जबकि होम लोन की किस्तों और अन्य खर्चों को मिलाकर वह मासिक खर्च 1 लाख 75 हजार रुपये बता रहा है।

दिल्ली में कोविड-19 के 23 मामले सामने आए, अस्पतालों के लिए परामर्श जारी

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के 23 मामले सामने आये हैं। संक्रमण के मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सभी अस्पतालों को बिस्तरों, ऑक्सीजन, दवाइयों और टीकों की उपलब्धता के लिए तैयार रहने को लेकर परामर्श जारी किया है।

यह पहली बार है जब दिल्ली में लगभग तीन वर्षों के बाद कोविड-19 के मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बृहस्पतिवार तक कोविड-19 के 23 मामले सामने आए हैं और सरकार मरीजों के दिल्ली के निवासी होने या उनके शहर से बाहर की यात्रा करने को लेकर जानकारी जुटा रही है। सिंह ने एक बयान में कहा, ''दिल्ली सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने राजधानी के सभी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों, चिकित्सकों और उनकी टीम के साथ पहले ही समन्वय कर लिया है।''

बयान में कहा गया है कि तैयारियों के संदर्भ में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा गया है तथा त्वरित प्रतिक्रिया और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और जनता को समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले, स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 की तैयारियों के संबंध में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को एक परामर्श जारी किया था। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को कोविड-19 की तैयारियों के बारे में एक परामर्श जारी किया। यह परामर्श कई राज्यों में कोविड के मामले सामने आने के बाद जारी किया गया है।

सरकार ने स्वास्थ्य संस्थानों से जीनोम अनुक्रमण के लिए सभी सकारात्मक नमूने लोक नायक अस्पताल भेजने को कहा है। इसमें कहा गया है, ''अस्पतालों को बिस्तर, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, अन्य दवाओं और टीके की उपलब्धता के मामले में तैयारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

कनाडा में स्टीव राय ने रचा इतिहास, वैंकूवर पुलिस प्रमुख की पहले पंजाबी ने संभाली कमान

ओटावा, एजेंसी। पंजाबी समुदाय के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण सामने आया है। स्टीव राय को वैंकूवर पुलिस विभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया है, जिससे वह इस पद पर पहुँचने वाले पहले पंजाबी मूल के अधिकारी बन गए हैं। इस ऐतिहासिक नियुक्ति ने न केवल कनाडा में बसे दक्षिण एशियाई समुदाय को गौरवान्वित किया है, बल्कि बहुसांस्कृतिक प्रतिनिधित्व की दिशा में एक बड़ा कदम भी साबित हुआ है। स्टीव राय की यह उपलब्धि इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ती है, जिसमें पंजाबी मूल का एक व्यक्ति दुनिया के अग्रणी शहरों में से एक की पुलिस फ़ोर्स का नेतृत्व करेगा। यह न केवल एक व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि विविधता और समावेशिता आज के समय में कितनी ज़रूरी और असरदार हैं।

स्टीव राय पिछले 30 वर्षों से पुलिस सेवा में सक्रिय हैं। हाल के वर्षों में वे वैंकूवर पुलिस विभाग में उप प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे। अपनी ईमानदारी, नेतृत्व क्षमता और सभी समुदायों के प्रति सम्मान एवं सेवा भावना के चलते उन्हें यह सर्वोच्च पद सौंपा गया। नियुक्ति के बाद अपने पहले सार्वजनिक संदेश में स्टीव राय ने कहा कि मैं वैंकूवर शहर को एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण और विश्वासपूर्ण माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। मेरे लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों के भरोसे पर खरा उतरना है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह सभी समुदायों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि सामाजिक एकता को मज़बूती मिल सके। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही सिख और दक्षिण एशियाई समुदायों में खुशी की लहर दौड़ गई। कनाडा में बसे कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने इस फ़ैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह वैंकूवर की बहुसांस्कृतिक पहचान और समान अवसर नीति का प्रतीक है।

समाजसेवी जसपाल सिंह ने कहा कि यह नियुक्ति उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो कनाडा जैसे देशों में कड़ी मेहनत और ईमानदारी से कुछ बड़ा करना चाहते हैं।वैंकूवर को इस समय कई सामाजिक और आपराधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप की एप्पल को खुली धमकी: भारत जाना तो जाओ, अमेरिका में नहीं बेच पाओगे आईफोन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि एप्पल यदि भारत में संयंत्र लगाना चाहता है तो ठीक है लेकिन ऐसा करने पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र की यह कंपनी बिना शुल्क के अमेरिका में अपने उत्पाद नहीं बेच पाएगी। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उन्होंने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अपने कार्यालय 'ओवल ऑफिस में कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा ''...लेकिन टिम (कुक) के साथ मेरी सहमति थी कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वह संयंत्र बनाने के लिए भारत जा रहे हैं।

मैंने कहा, ''भारत जाना है, तो ठीक है लेकिन आप शुल्क के बिना यहां बिक्री नहीं कर पाएंगे और ऐसा ही है। उन्होंने कहा, ''हम आईफोन के बारे में बात कर रहे हैं। अगर वे इसे अमेरिका में बेचना चाहते हैं तो मैं चाहता हूं कि इसे अमेरिका में ही बनाया जाए। ट्रंप ने इससे पहले शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका में बेचे जाने वाले एप्पल आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में ही किया जाएगा, न कि ''भारत या किसी अन्य स्थान पर। उन्होंने धमकी दी कि अगर कंपनी इसका पालन नहीं करती है तो वह उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।

ट्रंप ने लिखा, मैंने बहुत पहले ही एप्पल के टिम कुक को बता दिया था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले उनके आईफोन का विनिर्माण यहीं किया जाएगा, न कि भारत में या किसी अन्य स्थान पर। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एप्पल को अमेरिका को कम से कम 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। पिछले सप्ताह ही ट्रंप ने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के दौरान दोहा में कहा था कि उन्होंने एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) से कहा है कि वह भारत में निर्माण न करें, बल्कि अमेरिका में अपनी विनिर्माण क्षमता विकसित करें। टिम कुक के नेतृत्व वाली एप्पल कंपनी आईफोन विनिर्माण को चीन से भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है।

पूर्व पीएम इमरान का आर्मी चीफ पर तंज : कहा- उन्हें खुद को राजा की उपाधि देना चाहिए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आर्मी चीफ आसिम मुनीर के फील्ड मार्शल बनने पर तंज कसा है। इमरान ने कहा है कि मुनीर को खुद को राजा की उपाधि देनी चाहिए।

जेल में बंद इमरान का यह बयान उनके एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें इमरान ने लिखा, माशाअल्लाह, जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया है। हालांकि, उन्हें राजा की उपाधि देना ज्यादा अच्छा होता- क्योंकि अभी देश में जंगल का कानून चलता है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है। जनरल मुनीर को भारत-पाक संघर्ष के बाद 20 मई को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट किया गया। वे देश के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे आर्मी चीफ हैं।

कल चार देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम शहबाज: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 25 से 30 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक शरीफ इस दौरान इन देशों के साथ कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे और हाल ही में भारत के साथ संघर्ष के समय मदद करने के लिए आभार जताएंगे। बयान में यह भी कहा गया कि शरीफ 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

पीएम शरीफ से मिले बिलावल भुट्टो

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। बिलावल ने शरीफ से सलाह मांगी कि दुनिया के सामने पाकिस्तान का पक्ष कैसे रखा जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बैठक में सीनेटर शेरी रहमान और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार भी मौजूद थीं। पिछले हफ्ते, शरीफ ने बिलावल को एक हाई लेवल डेलिगेशन की लीडरशिप सौंपी है, जो भारत के साथ हुए तनाव को लेकर दुनिया के सामने पाकिस्तान क पक्ष रखेगा।

इमरान के सांसद ने सिंधु जल संकट को वाटर-बम बताया

पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने सिंधु जल संकट को बताया वाटर बम बताया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वो जल्द से जल्द से संकट से बाहर निकलने के लिए कोई कदम उठाए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी से सांसद अली जफर ने शुक्रवार को पाकिस्तान संसद में कहा कि हमारा हर 10 में से 9 आदमी इसी पर नदी पर निर्भर है। हमारी 90त्न फसलों को इसी नदी से पानी मिलता है। उन्होंने कहा- अगर हम इस जल संकट को अभी नहीं सुलझाते, तो हम भूख से मर सकते हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु बेसिन हमारी लाइफ लाइन है। हमारा तीन-चौथाई पानी देश के बाहर से आता है।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की भारत को धमकी

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने भारत को धमकी भरा बयान दिया है। शरीफ ने एक बयान में कहा, अगर तुम (भारत) हमारा पानी बंद करोगे, तो हम तुम्हारी सांसें बंद कर देंगे। प्रवक्ता चौधरी ने यह बयान पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान की। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया है। हालांकि, यह वीडियो किस कार्यक्रम और जगह का है, इसकी फिलहाल जानकारी नहीं है। दरअसल भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल संधि स्थगित कर दी है और पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोक दिया है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 24-05-2025 22:18 Page 1

दुष्कर्म की कोशिश मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने लिया संज्ञान

पीड़िता से मिलने आयोग की टीम सोमवार को आएगी बोकारो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म करने के प्रयास से संबंधित मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने संज्ञान लिया है। आयोग की टीम 26 मई को पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र में पीड़िता से मुलाकात कर इस घटना की पूरी जानकारी लेगी। साथ ही पीड़िता के स्वजनों से भी मुलाकात करेगी।

यह जानकारी राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा के निजी सहायक विवेक कुमार द्वारा जारी विज्ञप्ति में दी गई है।

पीड़िता की ओर से इस मामले को लेकर एनसीएसटी से न्याय की गुहार लगाई गई है। लिखित आवेदन के माध्यम से कहा गया है कि घटना को अंजाम देने वाले लोग अभी भी पीड़िता समेत उसके परिवार को डरा-धमका रहे हैं। आवेदन के माध्यम से यह भी कहा गया है कि सरकार के एक मंत्री की ओर से आरोपित के परिवार को आर्थिक मदद देकर उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है। इसलिए बाध्य होकर एनसीएसटी के समक्ष न्याय के लिए गुहार लगाना पड़ा।

पीड़िता की ओर से एनसीएसटी में की गई लिखित शिकायत के तहत कहा गया है कि आरोपित अब्दुल कलाम पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र स्थित पेंक गांव का निवासी है। पेंक नारायणपुर थाना में आठ मई को इस घटना को लेकर मामला दर्ज कराया गया था। प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद भी अब तक इस मामले में पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस की ओर से न तो पीड़िता का बयान दर्ज किया गया और न ही मेडिकल जांच कराया गया। स्थानीय पुलिस की ओर से सरकार के दबाव में गलत मामला दर्ज कर मेरे ससुर रुपम मुर्मू समेत तीन अन्य लोगों को

गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। साथ ही कुछ अज्ञात लोगों पर भी मामला दर्ज किया गया है।

विदित हो कि आठ मई को पीड़िता सुबह लगभग 10 बजे अपने घर के समीप तालाब में स्नान कर रही थी। इस दौरान वहां आरोपित अब्दुल कलाम वहां पहुंचा और पीड़िता के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। इसी बीच पीड़िता ने हो-हल्ला किया तो मौके पर ग्रामीण जुट गए। फिर ग्रामीणों ने आरोपित का हाथ बांध दिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद आरोपित को डीवीसी बोकारो थर्मल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई थी।

शिविर लगाकर भूमिहीनों से आवेदन लेने का निर्देश

बोकारो। भूमिहिन छात्रों को जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में आ रही समस्याओं को देखते हुए उपायुक्त विजया जाधव ने सभी अंचल अधिकारियों को आगामी 26 से 31 मई 2025 तक अंचल कार्यालयों में विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है।

इस दौरान सभी भूमिहीन निवासी तथा अहर्ता प्राप्त निवासी को जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने के लिए आवेदन प्राप्त करने को कहा है।

उन्होंने अभियान को लेकर व्यापक प्रचार - प्रसार करने को कहा है। तथा कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राज्यभाषा विभाग, झारखण्ड रॉची से निर्गत निदेश के आलोक में विशेष शिविर में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन करना सुनिश्चित करने को कहा है।

वहीं, विशेष शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को रजिस्टर में सूचिबद्ध करते हुए दैनिक प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। भूमि सुधार उपसमाहर्ता, (डीसीएलआर) चास/बेरमो (तेनुघाट) वरीय प्रभार के रूप में विशेष शिविर का पर्यवेक्षण करेंगे।

उपायुक्त ने की जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मोनिटरिंग कमेटी की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने शनिवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण अंतर्गत जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मोनिटरिंग कमेटी की बैठक की। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, अस्पताल उपाधीक्षक डा. अरविंद कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त ने जिले के विभिन्न विद्यालयों में विशेष अवसर पर जैसे महापुरूषों/छात्रों के जन्मदिन एवं क्षेत्रीय पर्व त्योहार (दशहरा, दिवाली, काली पूजा, होली, रामनवमी, क्रिशमश, नेवान, ईद, मकर सक्रांति, गुरू पर्व आदि) में तिथि भोजन (विशेष भोजन) का आयोजन करें। इसके लिए डीईओ/डीएसई को निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बच्चों के बीच पोषण के महत्व एवं स्वास्थ्य तथा तंदुरूस्ती को बढ़ावा देने के लिए पोषण पखवारा आयोजित करने का निर्देश दिया। इस क्रम में जागरूकता कार्यक्रम, पोषण साहित्य अभियान, प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम, माता-पिता/अभिभावक की सहभागिता बढ़ाने, पारंपरिक एवं स्थानीय भोजन का बढ़ावा देने, स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता करने को कहा। उन्होंने पारंपरिक एवं स्थानीय भोजन में बच्चों के समूचित पोषण के लिए बेसन/चावल/सूजी/मरूआ/मुंग आदि का रोटी बनाने, सत्तु पराठा/पुरी, नारियल खाद्य सामग्री, साबुरदाना का खीर, मरूआ का केक/रोटी, डुसका/चीला आदि बनाने का निर्देश दिया।

वहीं, कस्तूरबा गांधी आवासी बालिका विद्यालय की छात्राओं/शिक्षिकाओं/सेविका - सहायिका को ग्रीष्म अवकाश के बाद हेल्थ संबंधित सत्र/कार्यशाला आयोजित करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा झ निर्देश दिया। साथ ही, विद्यालयों का नियमित जिला/प्रखंड/पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों/ अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण के लिए पत्र जारी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण क्रम में एमडीएम की गुणवत्ता की भी जांच करेंगे।

सेल शाबाश योजना के तहत सम्मान समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विभाग द्वारा बोकारो क्लब में सेल शाबाश योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में कैटेगरी में चयनित कर्मचारियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, साथ में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगनी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सीआर मिश्रा, तथा प्रभारी - बोकारो जनरल हॉस्पिटल डॉ. बीबी करुणामय सहित मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी समारोह में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एके शरण ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सेल शाबाश योजना की रूपरेखा, उद्देश्य

एवं इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि बीके तिवारी ने कहा कि सेल शाबाश योजना सेल की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य उन कर्मचारियों को पहचान और प्रोत्साहन प्रदान करना है जो अपने कार्य में उत्कृष्टता, निष्ठा और समर्पण का प्रदर्शन करते हैं। यह सम्मान उनके प्रयासों, संस्था के लक्ष्यों में उनके योगदान और अनुकरणीय कार्य संस्कृति को रेखांकित करता है। उन्होंने सभी पुरस्कृत कर्मचारियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कुल 38 कर्मचारियों को व्यक्तिगत एवं एक समूह पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह न केवल कर्मचारियों के लिए गर्व का विषय रहा, बल्कि उनके परिजनों के लिए भी एक हर्ष का क्षण बना, जिन्होंने अपने प्रियजनों की उपलब्धियों को प्रत्यक्ष रूप से साझा किया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) प्रगति कुमारी एवं सिबिल सिंह ने किया।

दो दशक बाद मिला मालिकाना हक

रांची। 27 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद जेजे रोड, अपर बाजार निवासी उत्तम कुमार टिबड़ेवाल को अपने मकान पर कब्जा मिला है। सिविल कोर्ट के सिविल जज चंदन कुमार गोस्वामी की अदालत से पारित आदेश के आधार पर शुक्रवार को मकान पर कब्जा दिलाया गया। कब्जा दिलाने की न्यायिक कार्यवाही सिविल कोर्ट रांची के नाजिर जीशान इकबाल और कार्यपालक दंडाधिकारी जफर हसनात के नेतृत्व में की गई।

उक्त मकान में किरायेदार के रूप में रामगोपाल जालान वर्ष 1998 से रह रहे थे। किरायेदार रामगोपाल जालान मकान पर कब्जा करने की नीयत से मकान में ताला लगाकर कहीं बाहर चले गए थे।

व्यक्तिगत रूप से संपर्क करने पर वह मकान को खाली नहीं कर रहे थे। तब मकान मालिक ने सिविल जज की अदालत में किरायेदार को निष्कासित करने को लेकर मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें निर्णय मकान मालिक के पक्ष में आया। इसके बाद कोर्ट ने किरायेदार को बलपूर्वक मकान से निष्कासित करने का आदेश दिया।

अनाथ बच्चों की ओर डालसा के बढ़े हाथ

आधार कार्ड व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए बनी टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। नालसा एवं झालसा द्वारा शुरू किए गए परियोजना (साथी) के क्रियान्वयन के लिए डालसा चेयरमैन सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने एक उच्चस्तरीय टीम का गठन किया है टीम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग नियाज अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला बाल सुरक्षा पदाधिकारी साधना कुमारी, मेडिकल ऑफिसर डॉ राजीव कुमार सिंह, आधार यूआईडी अमित कुमार सिंह , प्रदीप कुमार , सहायक लीगल डिफेंस काउंसिल के सदस्य तथा पारा लीगल वॉलंटियर को शामिल किया गया है।परियोजना साथी के सही क्रियान्वयन के लिए डालसा के सचिव मयंक तुषार टोपनो ने शनिवार को टीम के सदस्यों के साथ एक बैठक की। बैठक में अवर न्यायाधीश सह सचिव ने बताया कि

टीम जिले में रह रहे अनाथ बच्चों को चिन्हित करेगी तत्पश्चात उनका आधार कार्ड बनवाया जाएगा जिसके बाद उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने कि कार्यवाही की जाएगी ताकि वो बच्चे वे समाज के मुख्यधारा के साथ जुड़ सकें और खुद को बेसहारा न समझें।मीडिया से बातचीत करते हुए न्यायाधीश ने कहा कि साथी परियोजना के तहत गरीब ,लाचार बच्चों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार (नालसा) द्वारा साथी परियोजना लॉन्च किया गया है जिसके तहत धनबाद जिले के सभी प्रखंडों एवं पंचायत में रह रहे अनाथ बच्चों,शेल्टर होम एवं सड़क किनारे रह रहे बच्चों को आधार कार्ड एवं अन्य सरकारी योजनाएं जैसे राशन कार्ड स्पॉन्सरशिप स्कीम आदि जोड़ने के लिए 15 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। परियोजना को सार्थक बनाने के लिए परियोजना की सभी पहलुओं पर चर्चा परिचर्चा किया गया। टीम को निर्देशित किया गया है कि आज से ही इस परियोजना के तहत बच्चों को चिन्हित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है ताकि डालसा धनबाद की टीम के द्वारा उन बच्चों को राहत पहुंचाई जा सके ।

साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति' के पुस्तक प्रकाशन पर हर्ष

बोकारो। वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति' की तीन मैथिली पुस्तकों 'कौटिल्यक अर्थशास्त्र', आचार्य चाणक्यक अवदान व प्रहरी पुरुष ' के प्रकाशन पर बोकारो के साहित्यकारों ने हर्ष जताते हुए उन्हें बधाई दी है। बोकारो की चर्चित मैथिली साहित्यिक संस्था साहित्यलोक से जुड़े वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, तुला नन्द मिश्र, उदय कुमार झा, संजय कुमार झा, अरुण पाठक, अमन कुमार झा, शैलजा झा, नीलम झा, स्मिता चौधरी, अमृता शर्मा आदि ने विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति' को बधाई दी है। सुधापति की यह तीनों पुस्तकें आदित्य प्रकाशन, पटना से प्रकाशित होकर बोकारो आने के बाद बीती शाम उनके आवास पर पारिवारिक फोटो सेशन हुआ जिसमें लेखक विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति' के साथ उनकी पत्नी सुधा मल्लिक व पारिवारिक सदस्य पूनम मल्लिक शामिल हुईं। उल्लेखनीय है कि साहित्यकार 'सुधापति' साहित्य के प्रति समर्पित व्यक्तित्व हैं। ये मैथिली, हिंदी सहित भोजपुरी व अंग्रेजी में भी साहित्य रचना करते हैं। बोकारो स्टील प्लांट की सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद पूर्णरूप से साहित्य की सेवा में लगे हुए हैं। इसके पूर्व भी इनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। साहित्य रचना के लिए इन्हें कई सम्मान भी प्राप्त हुए हैं।

कोटपा कानून के तहत हुई कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। चास थाना क्षेत्र में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा-2003) एवं पेका एक्ट-2019 की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत नियमित जांच अभियान चलाया गया, जिसमें 10 दुकानों/ व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुए पाया गया जिनको चालान कर कार्रवाई की गई।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चास डॉ अनिल कुमार ने बताया कि छापामारी के दौरान विशेष रूप से देखा गया कि कोई दुकानदार स्कूल के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करें और अगर कोई कर रहा है तो उनका कोटपा 2003 की धारा 6बी के तहत चालान किया जाएगा। छापामारी के दौरान सभी दुकानों से विज्ञापन वाले पोस्टर हटाया गया। साथ ही सभी दुकानों में कोटपा-2003 की धारा 6ए का अनुपालन कराया गया।सभी तम्बाकू उत्पाद बेचने वाले को 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू पदार्थ बेचना या बेचवाना कानूनन अपराध है का पोस्टर दुकान के सामने लगवाया गया।

किशोर-किशोरियों के बीच इंटरफेस मीटिंग का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सहयोगिनी कार्यालय बहादुरपुर में जेंडर समानता के लिए किशोर किशोरी के बीच एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि किशोरियों का नेतृत्व क्षमता विकास के साथ-साथ बाल विवाह तथा हिंसा को लेकर विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। इसी संदर्भ में लड़के तथा लड़की के बीच व्याप्त जेंडर विभेद को समाप्त करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि घरेलू कामकाज सहित विभिन्न स्तर पर लड़का- लड़की के बीच जेंडर असमानता है , जिसे समाप्त करने के लिए लड़का तथा लड़की दोनों के बीच लगातार काम किए जाने की जरूरत है । सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांव में किशोरी क्लब बनाकर उनके बीच में नेतृत्व क्षमता का कार्य लगातार किया जा रहा है । इस कार्य में लड़कों की भूमिका को ध्यान में रखते हुए उनके साथ

भी कार्य किए जाने की जरूरत है । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति, घरेलू काम, हिंसा रोक थाम आदि सभी क्षेत्र में प्रशिक्षण, बैठक, एक्पोजर विजिट कर असमानता को दूर करने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान समूह चर्चा, पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सूर्यमणि देवी, पायल कुमारी, स्वाति कुमारी, नीतू मुर्मू, गौतम सागर आदि उपस्थित थे।

नगर प्रशासन विभाग एवं बीजीएच का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी ने 24 मई को अपराहन नगर प्रशासन विभाग एवं बोकारो जनरल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अधिशासी निदेशक (एचआर) राजश्री बनर्जी एवं मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) एल दास भी उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी ने नगर प्रशासन के विभिन्न अनुभागों के औचक निरीक्षण के क्रम में संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों से उनके विभागीय काम-काज के विषय में जानकारी ली। अपने काम के सिलसिले में नगर प्रशासन विभाग आये लोगों से भी निदेशक प्रभारी ने बात कर फीडबैक लिया तथा मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बोकारो जनरल अस्पताल में निदेशक प्रभारी ने सी सी यू सहित अन्य वार्ड, मेडिसिन काउंटर इत्यादि का औचक निरीक्षण किया और इलाजरत मरीज या उनके परिजनों से फीडबैक ली। इस दौरान बीजीएच के प्रमुख डॉ बी बी करुणामय भी उपस्थित थे।

छाता और गमछा का किया वितरण

धनबाद। हटिया बाजार में 60 सब्जी विक्रेताओं के बीच दीक्षा महिला मंडल के द्वारा प्रज्वला महिला मंडल, क्षेत्र के तत्वाधान में 60 रेहड़ी वाले, सब्जी एवं फल विक्रेताओं तथा दिहाड़ी मजदूरों के बीच छाता और गमछा का वितरण किया गया। समिति की अध्यक्ष शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने वितरण किया। इस अवसर पर प्रज्वला महिला मंडल की अध्यक्ष, शर्मिष्ठा चक्रवर्ती ने कहा, इस तरह का सामाजिक कार्य हमारी महिला मंडल के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है और आगे भी हम लोग इस प्रकार की सामाजिक कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे सामाजिक कार्य का कार्यक्रम दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष मिली दत्ता के मार्गदर्शन में किया जाता है।

वेदांता इएसएल तीरंदाजी अकादमी ने युवा तीरंदाजों और कोच को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। वेदांता ईएसएल की ओर से चलाई जा रही ईएसएल तीरंदाजी अकादमी ने सियालजोरी में एक खास सम्मान समारोह आयोजित कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा तीरंदाजों और उनके कोच को सम्मानित किया।

इस मौके पर उन खिलाड़ियों को सम्मान मिला जिन्होंने बीते सभी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। अकादमी की शुरूआत 2020 में हुई थी और तब से अब तक इसके खिलाड़ियों ने 190 से ज्यादा पदक जीते हैं। हाल ही में हुई 15 वीं झारखंड राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में भी अकादमी के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। सम्मान पाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में चितरंजन टुडू (1 स्वर्ण), बानी कुमारी और तन्नू कुमारी (2-2 स्वर्ण), सत्यमी कुमारी और सुहाना परवीन जैसे नाम शामिल हैं। वहीं कृतिका कुमारी को लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए एक विशेष रिकर्व

धनुष दिया गया।

इस कार्यक्रम में अकादमी के सभी कोच-बुदेश्वर मुर्मू (मुख्य कोच), संजू कुमारी (सहायक कोच) और एसपी घोष (शारीरिक कोच) को भी उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के उप निदेशक (केंद्रीय इंजीनियरिंग) दुर्गा प्रसन्ना पांडा, बोकारो जिला तीरंदाजी संघ की सचिव अंजला सिंह, स्थानीय प्रतिनिधि सरपंच रफीक आलम और पंचायत समिति सदस्य पशुपति महतो भी मौजूद रहे।

समारोह के दौरान अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले सभी 50 बच्चों को नई यूनिफॉर्म, जूते और तीरंदाजी गियर की किट दी गई। ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा, हम मानते हैं कि खेल जीवन बदल सकते हैं। यह कार्यक्रम हमारे युवा खिलाड़ियों और कोचों की मेहनत का सम्मान है। हम आगे भी ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगे।

पार्टी सशक्तिकरण को लेकर सदस्यता ग्रहण अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की महिला जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे द्वारा पार्टी सशक्तिकरण, सदस्यता ग्रहण अभियान चलाया गया। साथ ही पार्टी के वरीय नेता सपन मोदक से शिष्टाचार मुलाकात उनके केंद्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई शुभकामनाएं दी। पार्टी की गतिविधियों एवं जन समस्याओं पर चर्चा परिचर्चा की गई।

सपन मोदक द्वारा जिला अध्यक्ष को जनता समस्या समाधान एवं पार्टी के अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही जिले के तमाम क्षेत्रों में जनता दरबार का आयोजन सदस्यता अभियान के तहत जिले भर में जागरूकता अभियान चलाने पर सहमति बनी ।

मौके पर महिला जिला सचिव आशा महतो, अल्पसंख्यक मोर्चा के केंद्रीय महामंत्री सद्दाम हुसैन युवा मोर्चा के केंद्रीय सचिव चंदन महतो, नसीम अंसारी,सूरबल महतो, विमल महतो देवेंदु महतो, कुंदन महतो मौजूद रहे।

लव जिहाद के विरोध में हिन्दू संगठनों ने दिया धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। लव जिहाद के खिलाफ शनिवार को सर्व हिन्दू समुदाय के बैनर तले हिन्दू समुदाय के संगठनों ने रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया. जिसमें बरनवाल समाज के लोग, मोदी समाज के लोग,साहू समाज के लोग, विश्व हिन्दू परिषद, आरएसएस, बजरंग दल,श्रीराम सेना, नरेंद्र मोदी विचार मंच, बरनवाल युवा मंच धनबाद,मोदी समाज सेवा ट्रस्ट, राष्ट्रीय मोदी बरनवाल विकास संघ,अखिल भारतीय बरनवाल वैश्य महासभा झारखंड के पदाधिकारी और इनके कार्यकर्ताओं ने शांति पूर्वक आज जोरदार एकता का प्रदर्शन किया,ओर लव जिहाद पर सरकार से इसे रोक लगाने की अपील की।वही धनबाद में पिछले दिनों लव जिहाद मामले में आरोपी आरिफ और लड़की की बरामदगी को लेकर 24 घंटे का अल्टीमेटम जिला प्रशासन को दिया

है।24 घंटे के अंदर लड़की की बरामदी नहीं होने पर विधानसभा और लोक सभा तक आवाज बुलंद की जाएगी। धरना में अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद द्वारका प्रसाद तिवारी,श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह,आर एस एस के शंकर चौधरी,बजरंग दल के पाठक , बॉबी पाण्डेय,साहू समाज की महिला अध्यक्ष रीना साहू, सांसद प्रतिनिधि सह अखिल भारतीय बरनवाल वैश्य महासभा के नरेश बरनवाल,राष्ट्रीय मोदी बरनवाल विकास संघ के युवा अध्यक्ष मंटू मोदी,राज्य कोषाध्यक्ष केदार प्रसाद बरनवाल,मोदी समाज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष तुलसी मोदी, बरनवाल युवा मंच के अध्यक्ष मनोज बरनवाल, उपाध्यक्ष संजय बरनवाल, नागेन्द्र बरनवाल,संदीप बरनवाल, प्रदीप बरनवाल,राजेश बरनवाल, अभिषेक, रंजन, सुनील महेंद्र, पंकज, पवन, ब्रह्मदेव, अशोक, नवीन, उत्तम, विद्यानंद, भोपाल, ब्रजेश बरनवाल के अलावे सैकड़ों की संख्या में सभी समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com